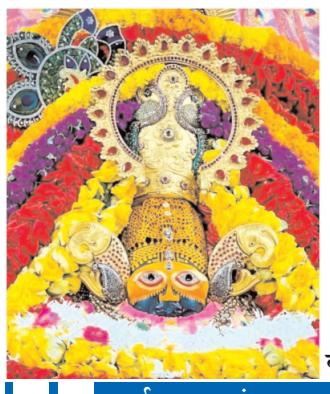

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:298। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 19 जून 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

ममता बनर्जी की सुरक्षा हटाने के आरोपों को कोलकाता पुलिस ने किया खारिज

● कहा- केवल दो अधिकारियों की हुई अदला-बदली

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ममता बनर्जी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कटौती नहीं की गई है।

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, कोलकाता पुलिस ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार ने जानबूझकर ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था वापस ले ली है। बुधवार रात टीएमसी के दो राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन और सागरिका घोष तथा लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास के सामने मौजूद पुलिस चौकी खाली दिखाई दे रही थी। टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया था कि प्रशासन के निर्देश पर उनकी सुरक्षा व्यवस्था हटा दी गई है। हालांकि, राज्य पुलिस के सूत्रों ने इन दावों को गलत बताया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ममता बनर्जी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कटौती नहीं की गई है। केवल उनकी सुरक्षा में तैनात दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत बदला गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि ममता बनर्जी चाहती थीं कि जब वह मुख्यमंत्री थीं, उस दौरान उनकी सुरक्षा संभालने वाले दो कोलकाता पुलिस अधिकारियों को ही उसी ड्यूटी पर बनाए रखा जाए। लेकिन सरकारी नियमों के तहत किसी अधिकारी की नियुक्ति या तैनाती व्यक्तिगत पसंद के आधार पर नहीं की जा सकती। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'सुरक्षा अधिकारियों का तबादला ड्यूटी रोस्टर और तय सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार होता है। इस मामले में भी सामान्य प्रशासनिक फेरबदल किया गया है।'

सूत्रों के मुताबिक, जिन दो नए सुरक्षा अधिकारियों को बुधवार रात कालीघाट स्थित आवास पर भेजा गया था, उन्हें ममता बनर्जी और उनके सहयोगियों ने ड्यूटी संभालने की अनुमति नहीं दी। बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री उन अधिकारियों से परिचित नहीं थीं। इस बीच, पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी के आवास की सुरक्षा कम नहीं बल्कि और मजबूत की गई है। बुधवार से उनके घर के बाहर ऊंचे सुरक्षा बैरिकेड भी लगाए गए हैं।

कच्चे तेल की कीमत घटने का मतलब तुरंत पेट्रोल-डीजल सस्ता होना नहीं: मंत्री

मंत्री ने कहा, 'इसमें समय लगेगा क्योंकि कम कीमत वाला कच्चा तेल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचेगा।

एजेंसी

नई दिल्ली । पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने का मतलब यह नहीं है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें तुरंत कम हो जाएंगी। गोपी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घरेलू ईंधन कीमतों को तय करने में कई कारक भूमिका निभाते हैं। इनमें कम कीमत पर खरीदे गए कच्चे तेल को भारत तक पहुंचने में लगने वाला समय भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हाल में ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को केवल इसलिए तुरंत वापस नहीं लिया जा सकता क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कुछ नरम हुई हैं।

मंत्री ने कहा, 'इसमें समय लगेगा क्योंकि कम कीमत वाला कच्चा तेल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचेगा। वहां जहाजों की आवाजाही काफी अधिक रहेगी। हालात को सामान्य होने में समय लगेगा।' सुरेश गोपी ने कहा कि इस साल पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में आई अस्थिरता का असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) पर

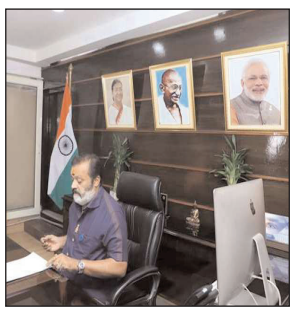

काफी पड़ा। उनके अनुसार, कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए सरकार ने इस अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया। उन्होंने कहा, 'इस असर को अपने ऊपर लेने के कारण सरकार को 12,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। किसी भी राज्य सरकार ने ऊंची ईंधन कीमतों के दौरान अपने करों में कमी करके राजस्व नहीं छोड़ा। केंद्र सरकार को भी देश चलाना है और तेल कंपनियों को भी टिके रहना है।'

मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें केवल अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के भाव पर निर्भर नहीं करतीं, बल्कि बाजार और परिवहन से जुड़े कई अन्य कारकों को भी ध्यान में रखा जाता है।

गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

ब्रेंट क्रूड लगभग 1.64 प्रतिशत गिरकर करीब 78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमत भी लगभग 2 प्रतिशत घटकर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। कच्चे तेल की कीमतों में यह गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में हुई कूटनीतिक प्रगति के बाद देखने को मिली है। निवेशकों को उम्मीद है कि क्षेत्र में हालात सामान्य होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

तकनीक का फायदा सभी को मिलना चाहिए: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने आज पेरिस में 'वीवाटेक-2026' में हिस्सा लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत का मानना है कि बदलाव के इस दौर में टेक्नोलॉजी का फायदा सभी को मिलना चाहिए। उन्होंने एआई का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे लोगों की जिंदगी बेहतर होनी चाहिए, पहुँच बढ़नी चाहिए, विकास को बढ़ावा मिलना चाहिए और हमें एक स्वस्थ ग्रह बनाए रखने में भी मदद मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने आज पेरिस में 'वीवाटेक-2026' में हिस्सा लिया और कहा कि भारत के लिए एआई का मतलब 'सबका साथ' (ऑल इनक्लूसिव) है। एआई कंट्री पार्टनर के तौर पर हमारी भागीदारी इसी सोच को दिखाती है।

टेक सम्मेलन में पिछली और मौजूदा भागीदारी के हालात की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया कोविड-19 के संकट का सामना कर रही थी। आज दुनिया अलग तरह के बदलावों का अनुभव कर रही है। उन्होंने वीवा टेक-2021 के संदेश को दोहराया कि 'जहाँ पारंपरिक तरीके काम नहीं आते, वहाँ इनोवेशन मदद कर सकता है।'प्रधानमंत्री ने 2026 को भारत और यूरोप के लिए एक खास साल बताया। उन्होंने कहा कि साल की शुरुआत ऐतिहासिक भारत-ईयू (यूरोपीय संघ) मुक्त व्यापार समझौते के साथ हुई। यह समझौता हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा और टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज़्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि इस साल 'भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर' की शुरुआत के साथ फ्रांस एक अहम पुल का काम कर रहा है। यह भारत

और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है।

प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में भारत की तकनीकी यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब आप फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पहचान सिस्टम को बनाने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म तक। हमारे यूपीआई की वजह से डिजिटल पेमेंट को देखें; आज दुनिया के आधे रियल-टाइम डिजिटल ट्रांज़ैक्शन भारत में होते हैं।'

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यहां मुलाकात की तथा दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि उन्होंने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ विशेष रूप से आतंकवाद-रोधी और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को और मजबूत बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का लाभ भारत और अमेरिका के नागरिकों को मिलेगा।

स्वास्थ्य महकमा वेंटिलेटर पर - गहलोत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कोटा और बीकानेर के अस्पतालों में प्रसूताओं की मौतों के मामले में सरकार पर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने प्रसूताओं की मौत के जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

खेड़ा जिले के मेहमदाबाद में शराब और जुए के अड्डे, पुलिस पर मिलीभगत का बड़ा आरोप ?

मेहमदाबाद PI राठौर और LCB की सरपरस्ती में फल-फूल रहा असामाजिक धंधा, वहिवटदार जयेश रबारी के नाम पर वसूली के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

खेड़ा। गुजरात में शराबबंदी सिर्फ कागजों पर होने का एक जानलेवा मामला खेड़ा जिले के महमदाबाद तालुका से सामने आया है। महमदाबाद थाने की हद में गोदली समेत ग्रामीण इलाकों में देसी-विदेशी शराब और जुए के अड्डे बेखौफ चल रहे हैं। लोकल पुलिस से लेकर LCB तक की कथित मिलीभगत के कारण पूरे जिले में शराब की नदियां बह रही हैं, जिससे भविष्य में कोई बड़ा रैकेट बन जाए तो हैरानी की बात नहीं है।

गोदली गांव में लाला नाम के बूटलेगर का आतंक

मेहमदाबाद के गोदली गांव में लालो नाम का बूटलेगर खुलेआम शराब का काला धंधा चला रहा है। यह बूटलेगर इतना बेरहम हो गया है कि वह लोगों को सरेआम शराब पिला रहा है। इसके अलावा, अशोक, राकेश और खतरेज जैसे गांवों में अंग्रेजी शराब की बिक्री, देसी शराब की भट्टियां और जुए के अड्डे भी खूब फल-फूल रहे हैं। चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि पूरे महमदाबाद जिले में करीब 25 से 35 गैर-कानूनी अड्डे खूब फल-फूल रहे हैं। सबसे चिंता की बात यह है कि देसी शराब की भट्टियों में केमिकल वाली जहरीली शराब बनाई जा रही है, जो आम लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा है।

PI राठौर और SP की निष्क्रियता पर सवाल

मेहमदाबाद पुलिस स्टेशन के PI राठौर को इस पूरे काले धंधे के बारे में बार-बार बताने के बाद भी उन्होंने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। आरोप लगे हैं कि पुलिस की दिलचस्पी सिर्फ वसूली और पैसे ऐंठने में है। मामले को और भी बदतर बनाते हुए, खेड़ा जिले के पुलिस चीफ भी इस गंभीर मामले पर चुप हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। क्या LCB वहिवटदार जयेश रबारी कोई पैरेलल पावर चला रहे हैं? लोकल क्राइम ब्रांच के PI, जिनकी मुख्य जिम्मेदारी जिले में क्राइम पर रोक लगाना है, वे भी शराब तस्करों पर आंखें मूंदे हुए हैं। चर्चा के मुताबिक, LCB की तरफ से जयेश रबारी नाम का एक कथित वहिवटदार पूरे जिले में अवैध कारोबारियों से वहिवटदार वसूल रहा है। ये वहिवटदार और LCB PI हर दिन लाखों रुपये का करप्शन कर रहे हैं, मानो वे राज्य के होम मिनिस्टर हर्ष संघवी के जीरो टॉलरेंस के दावों को खुली चुनौती दे रहे हों।

होम मिनिस्टर के आदेशों की पूरी तरह से अनदेखी

राज्य के होम मिनिस्टर हर्ष संघवी असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन खेड़ा जिले में उनके ही अधिकारी कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। अगर महमदाबाद इलाके में चल रहे इन केमिकल शराब के अड्डों को तुरंत बंद नहीं किया गया, तो पिछले दिनों हुई लाठा घटना जैसी कोई बड़ी मुसीबत यहां भी आ सकती है। अब देखना यह है कि इस रिपोर्ट के बाद गांधीनगर से कोई सख्त कार्रवाई होती है या स्थानीय पुलिस की वसूली ऐसे ही जारी रहेगी।

'छात्रों की गूंज' अभियान के जरिए राहुल गांधी ने छात्रों से मांगे सुझाव

'यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि छात्रों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने का एक माध्यम है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर एक नया अभियान शुरू किया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए युवाओं और छात्रों से 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने की अपील की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पोस्ट में उन छात्रों को संबोधित किया, जिन्होंने पेपर लीक, परीक्षाओं में धांधली या बढ़ती फीस जैसी समस्याओं का सामना किया है। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि यदि किसी छात्र के सपने इस व्यवस्था की वजह से टूटे हैं या उनके परिवार ने पढ़ाई के लिए अपनी जीवनभर की कमाई लगा दी है, तो 'छात्रों की गूंज' उनकी आवाज बनने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि छात्रों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने का एक माध्यम है। राहुल गांधी के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य छात्रों के लिए सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षाएं और

सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने की मांग को मजबूती देना है।

अपने 'एक्स' पोस्ट में राहुल गांधी ने छात्रों से इस अभियान में हिस्सा लेने की अपील करते हुए बताया कि इसमें जुड़ने में केवल 30 सेकंड का समय लगेगा।

उन्होंने कहा कि इच्छुक छात्र और युवा सबसे पहले दिए गए आधिकारिक लिंक पर जाएं, फिर अपना नाम दर्ज करें और अपने सुझाव शेयर करें। इसके बाद ऑनलाइन याचिका (पिटिशन) पर हस्ताक्षर कर अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हर एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को मजबूत बनाएगा और जितने अधिक लोग इस अभियान से जुड़ेंगे, छात्रों की आवाज उतनी ही बुलंद होगी।

उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे बड़ी संख्या में इस पहल से जुड़ें और शिक्षा और रोजगार से जुड़े अपने मुद्दों को मजबूती से सामने रखें। इस अभियान को सोशल मीडिया पर 'छात्रों की गूंज' हैशटैग के साथ प्रचारित किया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एसयूवी खाई में गिरी

तीन महिलाओं समेत 7 की मौत

एजेंसी

चंबा । हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक सड़क हादसे में एक ही गांव के सात लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन सगे भाई व दम्पति शामिल है। मृतकों में चार पुरूष व तीन महिलाएं हैं। हादसा बुधवार देर रात चुराह विधानसभा क्षेत्र के पुखरी-मसरूंड मार्ग पर माणी जीरो के पास हुआ, जहां एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में चुन्नी लाल (65), देवी लाल (62), बबली देवी पत्नी मोती राम (45), मोती राम (50), अनीता कुमारी (20), कुंता देवी (53), मनोहर लाल (34) शामिल हैं। इसमें चुन्नी लाल, देवी लाल और मोती राम सगे भाई हैं। यह हादसा उस समय हुआ जब पंचायत कुठेड़ के महल गांव के निवासी एक मुंडन संस्कार समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। परिवार और गांव के लोग काकड़ोथा गांव में आयोजित धाम में शामिल हुए थे और

देर रात समारोह से लौटते समय यह दुर्घटना हो गई। हादसे के बाद पूरे महल गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सात लोगों की एक साथ मौत से इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस के अनुसार, हादसा रात करीब दो बजे के आसपास हुआ। बोलेरो अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी मिलने के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। अंधेरे और खड़ी ढलान के कारण बचाव अभियान काफी कठिन रहा। बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर सभी शवों को खाई से बाहर निकाला।चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में सात लोगों की मौत हुई है। इनमें अधिकतर एक ही परिवार के सदस्य थे।

मणिपुर में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, 7 गिरफ्तार

39 बंकर नष्ट, एक उग्रवादी ढेर

एजेंसी

इंफाल । मणिपुर में सुरक्षाबलों ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें तीन विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े हुए हैं। इन आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में गोला और बारूद बरामद किया है।

इसके अलावा, सुरक्षाबलों ने विभिन्न जिलों में बनाए गए 39 बंकरों को भी ध्वस्त किया। साथ ही, यूकेएनए उग्रवादी भी इस संयुक्त कार्रवाई में मारा गया है। रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक, यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) का एक कैडर मारा गया।

इसके अलावा, भारतीय सेना और असम राइफल्स ने चुराचांदपुर जिला में संयुक्त कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा गोला और बारूद बरामद किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) और कांगलेइपाक की समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी (सोरेपा) के संगठन से तीन उग्रवादियों को इंफाल के बिष्णुपुर जिले से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार हुए सभी उग्रवादी कई प्रकार की हिंसक और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, कांगपोकपी जिले में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है।

बरामद हथियारों में 11 सिंगल-बैरल ब्रीच-लोडिंग (एसबीबीएल) 12-बोर बंदूकें, 12-बोर गोला-बारूद के 294 जिंदा राउंड, बारूद के दो पैकेट, 12-बोर कारतूस के 34 खाली खोखे और छह बुलेटप्रूफ जैकेट शामिल हैं। सुरक्षाबलों के मुताबिक, चार अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा, सुरक्षाबलों ने गैर-कानूनी तरीके से बनाए गए 39 बंकरों को भी ध्वस्त कर दिया।

डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ हिमांशु सोलंकी के सख्त एक्शन से करप्ट पुलिसवालों में हड़कंप मच गया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। स्टेट मॉनिटरिंग सेल टीम ने मेहसाणा जिले के वडनगर पंथक में छह अलग-अलग जगहों पर रेड मारकर बड़ा धमाका किया है। गांधीनगर के बड़े पुलिस अफसरों की टीम ने लोकल पुलिस को अंधेरे में रखकर यह सीक्रेट ऑपरेशन किया, जिससे पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। खासकर मेहसाणा पुलिस चीफ हिमांशु सोलंकी के एक्शन मोड में रहने के सख्त निर्देशों और सख्त रवैये की वजह से कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले लोगों और खाकी वर्दी में छिपे काले धन कमाने वालों में भारी हड़कंप मच गया है। वडनगर में छह रेडः लोकल पुलिस सोती हुई पकड़ी गई! गांधीनगर स्टेट मॉनिटरिंग सेल टीम को जानकारी मिली थी कि वडनगर इलाके में कानून की धज्जियां उड़ाते हुए गैर-कानूनी गतिविधियां बड़े पैमाने पर चल रही हैं। लोकल पुलिस स्टेशन के सेटअप मैन को हटाकर स्क्ष्ट टीम ने एक साथ छह जगहों पर रेड मारी। ऑपरेशन क्लीनः वडनगर के अलग-अलग इलाकों में छह बड़ी रेड।

लोकल पुलिस की साख खराबः गांधीनगर टीम ने वो एक्टिविटी पकड़ीं जो लोकल PI या PSI को दिखी ही नहीं।

पुलिस फोर्स में सन्नाटाः SMC रेड के बाद अब किसके विकेट गिरेंगे, इसका हिसाब-किताब शुरू हो गया है। SP हिमांशु सोलंकी की 'नो टॉलरेंस' पॉलिसीः करप्ट लोगों को सज़ा मिलेगी! मेहसाणा पुलिस चीफ हिमांशु सोलंकी ने चार्ज संभालने के बाद साफ इशारा दिया था कि जिले में किसी भी तरह की गैर-कानूनी एक्टिविटी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। SP की इस सख्ती की वजह से लोकल कब्ज़ेदारों और बूटलेगरों के नेटवर्क टूट रहे हैं। 'जब SP सख्त होते हैं और गांधीनगर स्क्वॉड हमला करता है, तो लोकल पुलिस एडमिनिस्ट्रेटर्स का ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। वडनगर में ये छह रेड इस बात का सबूत हैं कि या तो लोकल पुलिस स्कैमर्स के साथ मिली हुई थी, या फिर वे अपनी नाक के नीचे यह सब होते हुए भी गहरी नींद में सो रहे थे! हम खाकी की आड़ में चल रहे भ्रष्टाचार और क्राइम के नेटवर्क को जनता के सामने लाते रहेंगे। पावर और वर्दी का गलत इस्तेमाल करने वाले कितने भी बड़े सरगना क्यों न हों, 'पाको गुजरात' उनके काले कामों के खिलाफ आवाज उठाता रहेगा। (अगर आपके इलाके में भी ऐसी कोई गैर-कानूनी गतिविधियां चल रही हैं, तो हमें कमेंट बॉक्स में बताएं और इस रिपोर्ट को ज्यादा से ज्यादा शेयर करें!)

राजनांदगांव की बेटी काम्या झा का बास्केटबॉल में 'वर्ल्ड क्वालिफिकेशन', सर्बिया में लहराएंगी तिरंगा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की माटी ने एक बार फिर खेल जगत में वैश्विक स्तर पर अपना परचम लहराया है। सहदेव नगर निवासी नारायण झा की होनहार सुपुत्री काम्या झा का चयन भारतीय स्कूल बास्केटबॉल टीम में हुआ है, जो सर्बिया के ज्लातिबोर में 13 से 22 जून 2026 तक आयोजित 'विश्व स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता' में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। काम्या की इस ऐतिहासिक सफलता पर छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री ने उन्हें विशेष शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'बेटी गौरव होती है' और काम्या ने पूरे प्रदेश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। 8 साल की उम्र से शुरू हुआ सफर, गुरुओं ने दिया 'निःशुल्क' तराश काम्या झा की इस कामयाबी के पीछे कड़ी मेहनत और उनके कोच का बड़ा योगदान है। मात्र आठ साल की उम्र से ही काम्या ने अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रशिक्षक कालवा राजेश्वर राव और कालवा राधा राव से निःशुल्क बास्केटबॉल का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था। काम्या की असाधारण प्रतिभा को देखते हुए 'दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव' ने उन्हें अपने स्कूल में निःशुल्क एडमिशन दिया। शुरुआती दिनों में दिग्विजय स्टेडियम में अभ्यास करने वाली काम्या को डीपीएस राजनांदगांव ने अपने हॉस्टल में रखा और रेवाडिह स्थित बास्केटबॉल मैदान में अभ्यास के लिए भेजा, जहां कोच कालवा राधा राव ने उन्हें तराशने का काम जारी रखा। आज उनके माता-पिता के समर्पण और गुरुओं की लगन का ही परिणाम है कि काम्या ने यह विश्व स्तरीय मुकाम हासिल किया है। उपलब्धियों से भरा रहा है काम्या का करियरः मेडल्स की लगाई झड़ी काम्या झा का अब तक का बास्केटबॉल सफर बेहद शानदार रहा है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई मेडल अपने नाम किए हैं: राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णिम सफलताः 69वीं जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल, 67वीं राष्ट्रीय शालेय बास्केटबॉल में गोल्ड मेडल और राष्ट्रीय शालेय मिनी बास्केटबॉल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल। सीबीएसई नेशनल और क्लस्टरः महेंद्रगढ़ सीबीएसई नेशनल में गोल्ड मेडल, वाराणसी सीबीएसई नेशनल में सिल्वर मेडल और कटक में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर में गोल्ड मेडल। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट्स में भागीदारीः खेलो इंडिया यूथ गेम्स, यूथ नेशनल, जूनियर नेशनल और वर्ष 2022 से अब तक विभिन्न राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिताओं में लगातार गोल्ड मेडल जीते। अंतरराष्ट्रीय अनुभवः इससे पहले काम्या सिंगापुर में आयोजित इंटरनेशनल इनविटेशनल टूर्नामेंट' में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। कड़े ट्रायल और 75 खिलाड़ियों को पछाड़कर बनाई टीम में जगह काम्या का भारतीय टीम में चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर हुआ है। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा रांची में आयोजित भारतीय स्कूल टीम के कैंप के लिए देशभर से 75 बालिका खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया था। कड़े ट्रायल्स के बाद पहले कुल 24 बालिकाओं को शॉर्टलिस्ट किया गया, और अंतिम चयन में काम्या झा ने भारतीय स्कूल टीम में अपनी जगह पक्की की। यह भारतीय टीम 12 जून को सर्बिया के लिए रवाना हो चुकी है। खेल जगत और गणमान्य नागरिकों ने दी बधाई काम्या झा की इस अद्भुत वैश्विक उपलब्धि पर उनकी माता पिंकी झा, पिता नारायण झा और उनके मार्गदर्शक व कोच कालवा राधा राव तथा कालवा राजेश्वर राव को चारों तरफ से बधाइयां मिल रही हैं। पत्रकार संगठन 'आईरा' के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा सहित विभिन्न खेल संघों, साथी खिलाड़ियों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने बेटी की इस कामयाबी पर हर्ष व्यक्त किया है और सर्बिया में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

खेड़ा जिला या गुंडे-बुटलेगरों की महफूज़ जागीर खाकी के व्यापार में कानून लहूलुहान

LCB के 'केवल राज' में वलीदार मुकेश बारोट और जयेश रबारी का खुला आतंक, गांधीनगर SMC तुरंत करे सर्जिकल स्ट्राइक—जनता की आखिरी पुकार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। आज कानून और व्यवस्था जैसे शब्द सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। जिनके कंधों पर जनता की जान-माल की सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वही खाकीधारी आज मवालियों, जुआरियों और नामी बुटलेगरों (शराब तस्करों) के मददगार बने बैठे हैं। यह कोई प्रशासनिक ढिलाई नहीं, बल्कि खेड़ा लोकल क्राइम ब्रांच के विवादित PI केवल वेकरिया और उनके खास 'वहीवटदारों' (बिचौलियों) की चौकड़ी—मुकेश बारोट और जयेश रबारी—द्वारा चलाए जा रहे भ्रष्टाचार के खूनी खेल का जीता-जागता सबूत है। महीने के 'हफ्ते' (रिश्वत) की मलाई खाने में मशगूल स्थानीय पुलिस की नाकामी के चलते पूरा जिला असामाजिक तत्वों के लिए 'सेफ हेवन' (सुरक्षित ठिकाना) बन चुका है। पुख्ता सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, क्राइम ब्रांच के आकाओं का सीधा फरमान है अपराध होते हैं तो होने दो, जनता मरती है तो मरने दो, लेकिन वहीवटदारों का डेली कलेक्शन का टारगेट किसी भी कीमत पर कम नहीं होना चाहिए! मुकेश बारोट और जयेश रबारी की 'समानांतर सरकार' पुलिस के नाम पर उगाही का धंधा खेड़ा जिले में आज सरकार का नहीं, बल्कि मुकेश बारोट और जयेश रबारी नाम के दो वसूली एजेंटों का गुंडाराज चल रहा है। PI केवल वेकरिया के एसी चैंबर को ठंडा रखने और उनके दिए गए 'कलेक्शन टारगेट' को पूरा करने के लिए इन दोनों बिचौलियों ने पूरे जिले में अपराधियों को पाप का खुला लाइसेंस बांट रखा है। जो बुटलेगर या जुआरी समय पर 'खोखे' (लाखों रुपए) पहुंचा देता है, उसे पुलिस प्रोटेक्शन की फुल गारंटी मिलती है। यह खेड़ा पुलिस नहीं, बल्कि 'केवल एंड कंपनी' का प्राइवेट लिमिटेड वसूली सेंटर बन चुका है, जो खेड़ा की युवा पीढ़ी को बर्बादी के दलदल में धकेल कर अपनी तिजोरियां भर रहा है।

बुलेट ट्रेन की रफ्तार से चल रहे पाप के अड्डेः ग्राउंड जीरो रिपोर्ट

टुंडेल और दावड़ा (बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट): वसो पुलिस के अधिकार क्षेत्र में प्रविण नाम का शातिर अपराधी—जो पहले पुलिस पर भी हमला कर चुका है—वह पश्चिम के एक रसूखदार नेता के आशीर्वाद से सरेआम जुए का अड्डा चला रहा है। यह अड्डा उसने रोमी नाम के शख्स को भारी-भरकम दैनिक किराए पर दे रखा है। वसो PI एस.एफ. चावड़ा और वहीवटदार मितेष रबारी की सीधी हिस्सेदारी के बिना यह खेल नामुमकिन है। ठीक इसी के बगल में, दावड़ा ट्रैक पर वसीम नाम का जुआरी पुलिस एजेंटों के इशारे पर रोज अपनी लोकेशन बदल-बदल कर लाखों का जुआ खिलवाड़ कर रहा है।

पीज चौकड़ी का आतंकः लिस्टेड बुटलेगर रणजीत यहां खुलेआम शराब की नदियां बहा रहा है। हाल ही में एक पार्षद के बेटे के साथ हुई उसकी झड़प और रणजीत का रसूख यह साबित करता है कि उसे कानून का कोई खौफ नहीं है, क्योंकि वह जानता है कि खाकी उसकी मुट्ठी में है।

वडोदरा का तड़ीपार नडियाद में 'सेठ': वडोदरा पुलिस ने जिसे लात मारकर जिले से तड़ीपार (निष्कासित) किया था, वह अरुण उर्फ 'मेलियो' आज नडियाद टाउन की सीमा में कनीपुरा सिंधी चाल और कब्रिस्तान चौकड़ी के पास टाउन के वहीवटदार सुभाष के दम पर बेखौफ होकर जुए का साम्राज्य चला रहा है।

केरियावी-आनंदपुरा कनालः नडियाद रूरल पुलिस की नाक के नीचे लोटियो नाम का बुटलेगर सरेआम शराब की महफिलें सजाता है, जहां वहीवटदार मुकेश चौधरी की समानांतर सत्ता चलने की चर्चा जोरों पर है।

सलुण चौकड़ी और पश्चिम पुलिस स्टेशन की लाचारीः इस इलाके में जीतु तलपदा हर रोज लाखों की विदेशी शराब का जत्था उतारता है, लेकिन LCB PI केवल वेकरिया और उनके गुर्गे मुकेश बारोट व जयेश रबारी सिर्फ अपनी कटिंग गिनने में व्यस्त हैं। पश्चिम पुलिस स्टेशन से महज 200 मीटर की दूरी पर कला मंदिर के पास सरेआम शराब बेची जा रही है, जो खाकी के भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है।

तरबूज की आड़ में पकड़ी गई शराबः सिर्फ अपनी पीठ थपथपाने का नाटक?

हाल ही में एक्सप्रेस-वे पर तरबूज की आड़ में ले जाई जा रही विदेशी शराब को पकड़कर LCB ने अपनी पीठ थपथपाने का नाटक किया है। लेकिन जनता सवाल पूछ रही है कि—साहब, हाईवे से गुजरने वाली गाड़ियों को पकड़ना तो एक रूटीन काम है; जिले के भीतर जिन अड्डों से आपके एजेंटों का बंधी-बंधाई मासिक रकम (भरण) आती है, वहां छापेमारी करते वक्त पुलिस को पसीना क्यों छूटने लगता है? आम आदमी की साइकिल चोरी हो जाए तो डंडा चमकाने वाली पुलिस इन रणजीत, मेलियो और प्रविण जैसे सफेदपोश अपराधियों के सामने लाचार क्यों हो जाती है? क्या यह सब बड़े मगरमच्छों को बचाने का फिक्सिंग गेम है?

'महानगर मेट्रो' के तीखे सवालः

1. **PI केवल वेकरियाः** आपका असली फर्ज जनता की सुरक्षा करना है या फिर अपने खास एजेंटों मुकेश और जयेश के जरिए करोड़ों की वसूली को अंजाम देना?

2. **मुकेश बारोट और जयेश रबारीः** किस कानून के तहत तुम दोनों पूरे जिले के बुटलेगरों और सटोरियों से पुलिस के नाम पर हफ्ता वसूल रहे हो? क्या तुम्हें कानून और शासन का कोई खौफ नहीं है?

3. **SP विजय पटेलः** आपकी इस बेहद लाचार और कमजोर नीति के चलते चकलासी, वडताल, मातर और महेमदाबाद में खाकीधारी एजेंट खुद शराब के धंधे में साझीदार बन चुके हैं, इस पर आप अपनी आंखें कब खोलेंगे?

4. **गृह राज्य मंत्रीः** क्या सरकार के 'जीरो टॉलरेंस' और पारदर्शी शासन में 'केवल राज' और उनके इन दो वसूलीबाजों की गुंडागर्दी के लिए कोई जगह है?

गांधीनगर स्टेट मॉनिटरिंग सेल

खेड़ा जिले की त्रस्त जनता अब इस 'पुलिस-बुटलेगर-नेता' के त्रिकोण और उनके आतंक से पूरी तरह तंग आ चुकी है। इस पूरे माफिया सिंडिकेट और भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ गांधीनगर SMC (स्टेट मॉनिटरिंग सेल) को टेलीफोनिक शिकायतों के अंबार भेजे जा चुके हैं। अब देखना यह है कि क्या गांधीनगर SMC इस पाप के साम्राज्य पर सीधी 'सर्जिकल स्ट्राइक' कर इस नेक्सस को जड़ से उखाड़ फेंकेगी? या फिर हर बार की तरह इस शिकायत को भी उसी LCB के पास जांच के लिए भेजकर, 'निल पंचनामा' (लीपापोती) कर पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा? खेड़ा की जनता इस गुंडाराज से आजादी चाहती है। जब तक यह भ्रष्ट टोली जेल की सलाखों के पीछे नहीं पहुंचती, तब तक महानगर मेट्रो इस काले कारोबार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद रखता रहेगा!

राजनीतिक आकाओं और खाकी का अपवित्र गठबंधनः 'उड़ता खेड़ा' की ओर बढ़ते कदम

नडियाद शहर के पूर्व और पश्चिम इलाके के दो 'दादा' नेताओं के वरदहस्त के बिना यह काला कारोबार चल ही नहीं सकता। विधायक पंकज देसाई और उनके भाई हेमल उर्फ भयलु पर बेहद गंभीर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने तड़ीपार गुंडे मेलिया को न सिर्फ राजनीतिक संरक्षण दिया, बल्कि उसे पद देकर 'कानूनी गुंडा' बना दिया। इस गुंडा गैंग का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों और कड़वा सच लिखने वाले पत्रकारों की आवाज दबाने और उन पर जानलेवा हमले करने के लिए किया जा रहा है। सत्ता और खाकी के इस घातक गठजोड़ ने खेड़ा जिले को पंजाब की तर्ज पर 'उड़ता खेड़ा' बनने की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

हिंदू महासभा के स्वामी चक्रपाणि महाराज ने महामहिम को सौंपा ज्ञापन

निष्पक्ष जांच और मूल हिंदू पक्षकारों को जगह देने की मांग उठाई!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर के संचालन और प्रबंधन को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और दशकों लंबे कानूनी संघर्ष में मुख्य भूमिका निभाने वाली अखिल भारत हिंदू महासभा ने अब सीधे देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का दरवाजा खटखटाया है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट में श्रीराम जन्मभूमि प्रकरण के मुख्य पक्षकार स्वामी चक्रपाणि महाराज ने राष्ट्रपति महोदया को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। ज्ञापन में 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। साथ ही, बरसों तक कोर्ट में लड़ाई लड़ने वाले मूल हिंदू पक्षकारों को ट्रस्ट से बाहर रखने पर गहरी नाराजगी जताई गई है। 'श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। इसके संचालन में पूर्ण पारदर्शिता और मूल पक्षकारों की सहभागिता बेहद जरूरी है।

'करोड़ों रामभक्तों की आस्था के साथ विश्वासघात बर्दाश्त नहीं '

स्वामी चक्रपाणि महाराज ने राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में साफ कहा है कि विभिन्न माध्यमों से मंदिर में आने वाली दान राशि, देव-द्रव्य, सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य भेंटों के प्रबंधन को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि इन आरोपों में रत्ती भर भी सच्चाई है, तो यह देश-दुनिया के करोड़ों रामभक्तों की पवित्र आस्था के साथ बहुत बड़ा और गंभीर विश्वासघात होगा। इसकी सच्चाई सामने लाने के लिए एक पारदर्शी और निष्पक्ष जांच होना बेहद अनिवार्य है। ज्ञापन में इस बात पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया गया है कि जिस राम मंदिर निर्माण के लिए हिंदू महासभा सहित देश के तमाम संतों, विचारकों और अधिवक्ताओं ने दशकों तक कानूनी और सामाजिक लड़ाई लड़ी, उन्हें मंदिर बनने के बाद पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया। 15 अक्टूबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्था समिति के सामने हुए ऐतिहासिक समझौते का जिक्र करते हुए स्वामी चक्रपाणि ने कहा कि जिन मूल पक्षकारों के संघर्ष से मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ, उन्हें सरकार द्वारा गठित 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' में कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। यह उन सभी संघर्षशील रामभक्तों के साथ सरासर अन्याय है। ट्रस्ट के पुनर्गठन की समीक्षाः ट्रस्ट की वर्तमान संरचना की दोबारा समीक्षा की जाए और राम मंदिर आंदोलन के मूल हिंदू पक्षकारों को इसमें सम्मानजनक और उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए। अधिवक्ताओं का हो सम्मान कोर्ट में रामलला का पक्ष मजबूती से रखने वाले और इस ऐतिहासिक निर्णय की नींव तैयार करने वाले अधिवक्ताओं व प्रतिनिधियों को भी ट्रस्ट में स्थान देने पर गंभीरता से विचार हो। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने पूरा भरोसा जताया है कि महामहिम राष्ट्रपति करोड़ों रामभक्तों की भावनाओं और इस राष्ट्रीय विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए जल्द ही आवश्यक संवैधानिक कदम उठाएंगी।

थराद के NDPS क्राइम में तीन महीने से फरार आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाव-थराद। जिला पुलिस द्वारा फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत L.C.B. वाव-थराद को एक और बड़ी सफलता मिली है। थराद पुलिस स्टेशन में पिछले तीन महीने से दर्ज एक फरार आरोपी को NDPS एक्ट के तहत क्राइम में पकड़ा गया है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस श्री परीक्षित राठौड़ (बनासकांठा रेंज, पालनपुर) और वाव-थराद जिला पुलिस सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस श्री चिंतन तरैया के मार्गदर्शन में जिले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एक खास अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत L.C.B. वाव-थराद पुलिस इंस्पेक्टर श्री ए.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में टीम लगातार पेट्रोलिंग कर रही थी और मुखबिरों के जरिए जानकारी इकट्ठा कर रही थी। इस बीच, सोर्स और टेक्निकल सर्विलांस की दद से मिली खास जानकारी के आधार पर, 29 के तहत रजिस्टर्ड मेफेड्रोन ड्रग्स से जुड़े क्राइम में फरार आरोपी को सांचोर, राजस्थान से पकड़ा गया।

BAPS हॉस्पिटल के पास फार्मेसी में लगी आग TVS EV शोरूम और रेस्टोरेंट तक फैली, 1

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत शहर के पॉश अडाजन इलाके से 18 जून की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। अडाजन चौराहे के पास मशहूर BAPS हॉस्पिटल के पास एक फार्मेसी (दवा की दुकान) में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते इस आग ने इतना भयानक रूप ले लिया कि यह आस-पास की दुकानों, शोरूम और मशहूर कृष्णा रेस्टोरेंट तक फैल गई। आग से पूरे अडाजन इलाके में भारी अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। सुबह-सुबह लगी आग इतनी तेज़ी से फैली कि दुकानों के बाहर खड़ी 15 से ज़्यादा गाड़ियां इसकी चपेट में आ गईं और कुछ ही देर में जलकर राख हो गईं। आग इलेक्ट्रिक गाड़ियों के शोरूम तक पहुंच गई, और धमाके के डर से आस-पास के लोगों को तुरंत बाहर निकाला गया। आसमान में दूर-दूर तक काले धुएं के गुबार उठते देखे जा सकते थे, जिससे आस-पास के लोगों में दहशत फैल गई। आग हॉस्पिटल के पास होने की वजह से सिस्टम भी चल रहा था।

मौके पर 10 से ज़्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां, मेजर कॉल जारी

घटना की खबर मिलते ही सूरत फायर डिपार्टमेंट का काफिला तुरंत मौके पर पहुंचा। आग की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की तरफ से 'मेजर कॉल' जारी किया गया और अलग-अलग स्टेशनों से 10 से ज़्यादा फायर इंजन मौके पर भेजे गए। काफी मशक्कत के बाद फायरमैन ने पानी की बौछारों का इस्तेमाल करके आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, शक है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। अच्छी बात यह है कि इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन करोड़ों रुपये का सामान और गाड़ियां जलकर राख हो गई हैं। फायर डिपार्टमेंट और लोकल पुलिस फिलहाल कुल नुकसान और आग लगने के सही कारण की जांच कर रही है।

चाणक्यपुरी में 'बालाजी वेफ़र्स' के एक पैकेट से मिट्टी और कचरा निकला, क्या कस्टमर की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात भर में स्वाद पसंद करने वाले लोगों की पहली पसंद मानी जाने वाली और घर-घर जाकर खाई जाने वाली मशहूर 'बालाजी वेफ़र्स' कंपनी के प्रोडक्ट से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अहमदाबाद के पॉश चाणक्यपुरी इलाके में एक जागरूक ग्राहक द्वारा खरीदे गए वेफ़र्स के पैकेट से आलू के वेफ़र्स की जगह मिट्टी और कचरा निकलने का गंभीर आरोप लगा है। करोड़ों रुपये के टर्नओवर वाली और ब्रांड वैल्यू का दावा करने वाली इतनी मशहूर कंपनी के प्रोडक्ट से अगर ऐसा कचरा निकलेगा, तो आम लोगों की सेहत का क्या होगा? ऐसे ज्वलंत सवाल अब खड़े हो गए हैं। पैकेट खोलते ही कस्टमर चौंक गया! मिली जानकारी के मुताबिक, चाणक्यपुरी इलाके में रहने वाले एक स्थानीय निवासी ने रेगुलर पास की एक दुकान से बालाजी वेफ़र्स का एक पैकेट खरीदा था। घर आकर जब उसने अपने बच्चों के लिए पैकेट खोला तो अंदर का नज़ारा देखकर वह चौंक गया। पैकेट के अंदर वेफर्स के साथ-साथ मिट्टी के काले ढेले और खाने लायक कचरा साफ दिख रहा था। अगर कस्टमर ने ध्यान नहीं दिया होता और बच्चे इसे खा लेते तो फूड पॉइज़निंग की बड़ी घटना हो सकती थी। कस्टमर ने तुरंत इन नज़ारों को कैमरे में कैद कर लिया। बालाजी वेफर्स गुजरात ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक बड़ा नाम है। कंपनी हर दिन लाखों पैकेट बेचती है और अपने ऑटोमैटिक प्लांट में हाइजीन बनाए रखने का दावा करती है। लेकिन अहमदाबाद में हुई इस घटना ने कंपनी के क्वालिटी कंट्रोल और पैकिंग सिस्टम की पोल खोल दी है। पैकिंग के दौरान वेफर्स में मिट्टी और कचरा कहां से आया? क्या आलू ठीक से साफ नहीं किए गए थे? या बनाने की प्रक्रिया में ही कोई बड़ी कमी है? ऐसे कई सवाल कस्टमर्स के मन में घूम रहे हैं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर कस्टमर्स में काफी गुस्सा है। जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का हेल्थ डिपार्टमेंट और फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट इस मामले में तुरंत सैंपल लेकर जांच करे और कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। लोगों का कहना है कि ब्रांड कितना भी बड़ा क्यों न हो, जनता की सेहत से बड़ा कुछ नहीं हो सकता। अब देखना यह है कि प्रशासन इस ब्रांडेड कंपनी के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है।

संक्षिप्त न्यूज

जूनियर छात्रों ने लगाए प्रताड़ना और उगाही के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। भावनगर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में जूनियर छात्रों ने सीनियर छात्रों पर रैगिंग, मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना तथा पैसे मांगने के आरोप लगाए हैं। शिकायत और पत्र वायरल होने के बाद कॉलेज की एंटी-रैगिंग कमेटी ने जांच शुरू कर दी है। मामले में दोषी पाए जाने वाले छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

काठलाल में BJP नेता ने आत्महत्या का प्रयास किया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

काठलाल। खेड़ा जिले के काठलाल क्षेत्र में BJP कार्यकर्ता जिग्नेश डाभी द्वारा कथित रूप से जहरीला पदार्थ निगलने का मामला सामने आया है। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में स्थानीय विधायक और उनके सहयोगी पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए जा रहे हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और वायरल ऑडियो क्लिप की भी जांच की जा रही है।

सूरत में कपड़ा व्यापारियों के लिए बनेगा विशेष पुलिस स्टेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। टेक्सटाइल कारोबार से जुड़े वित्तीय विवादों और धोखाधड़ी के मामलों के समाधान के लिए सूरत में विशेष पुलिस स्टेशन स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। यह केंद्र मुख्य रूप से भुगतान विवाद, आर्थिक धोखाधड़ी और फर्जी बिलिंग जैसे मामलों की जांच करेगा। व्यापारिक संगठनों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे उद्योग के लिए राहतभरा कदम बताया है।

50 लाख की फिरौती के लिए युवक ने रची खुद की किडनैपिंग की साजिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत के सरथाना क्षेत्र के एक अकाउंटेंट ने कथित तौर पर परिवार से 50 लाख रुपये वसूलने के लिए अपनी ही किडनैपिंग का नाटक रचा। परिजनों को फिरौती का धमकी भरा संदेश मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की और युवक को गोधरा के एक होटल से सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि कर्ज के दबाव के चलते उसने यह पूरी साजिश रची थी। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

साबरमती रिवरफ्रंट की जमीन आवंटन को लेकर उठे सवा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। साबरमती रिवरफ्रंट क्षेत्र की जमीन के आवंटन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कुछ पक्षों ने आरोप लगाया है कि अत्यंत मूल्यवान भूमि को कथित रूप से कम कीमत पर ट्रस्ट के नाम हस्तांतरित किया गया, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान हुआ। मामले में पारदर्शी जांच और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की पड़ताल की मांग उठ रही है। हालांकि आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

वडोदरा-हलोल रोड पर लग्जरी बस एक्सीडेंट: मां के सामने 9 साल के मासूम बेटे समेत दो दोस्तों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा-हलोल हाईवे पर एक और खूनी हादसा हुआ है। तेज रफ्तार से दौड़ रही एक लग्जरी बस ने मासूम जिंदगियों को कुचल दिया, जिससे भारी हंगामा मच गया। इस दिल दहला देने वाले हादसे में सिर्फ 9 साल के एक मासूम बच्चे ने अपनी सगी मां के सामने दम तोड़ दिया, जबकि उसके साथ मौजूद उसका सबसे अच्छा दोस्त भी इस दुनिया से चला गया। हादसा इतना भयानक था कि जब मां ने हॉस्पिटल के कॉरिडोर में अपने प्यारे बेटे का शव देखा, तो उसके मुंह से निकले दर्द भरे शब्द सुनकर वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गईं।हंसते-खेलते दो दोस्तों की जिंदगी का दुखद अंत: पल

भर में सब कुछ बिखर गया! मिली जानकारी के मुताबिक, ये दोनों मासूम बच्चे सड़क किनारे थे, तभी अचानक आई एक लग्जरी बस ने उन्हें टक्कर मार दी। बस की स्पीड इतनी खतरनाक थी कि बच्चों को सुनने का मौका भी नहीं मिला। मासूम शिकार: 9 साल का लड़का और उसका सबसे अच्छा दोस्त। घटना: वडोदरा-हलोल रोड पर एक लग्जरी बस के ड्राइवर का स्टीयरिंग से कंट्रोल खो गया, जिससे यह भयानक एक्सीडेंट हुआ। घटनास्थल का सीन: एक्सीडेंट होते ही आस-पास के लोग मौके पर दौड़े, लेकिन गंभीर चोटों के कारण दोनों दोस्त एक साथ इस दुनिया को अलविदा कह गए। 'मेरा बेटा जल्द ही जाग जाएगा...': मां की सिसकियों से हॉस्पिटल का माहौल गमगीन इस एक्सीडेंट की सबसे दिल दहला देने वाली बात तब सामने आई जब मरे हुए बच्चे की मां हॉस्पिटल पहुंची। अपने लिवर को खून से लथपथ हालत में देखकर मां के होश उड़ गए।

सवाल 1: वडोदरा-हलोल हाईवे पर अक्सर स्पीड लिमिट तोड़ने वाली लग्जरी बसों के खिलाफ RTO और ट्रैफिक पुलिस सख्ती क्यों नहीं करती?

सवाल 2: दो मासूम बच्चों की जान लेने वाली लग्जरी बस के ड्राइवर पर सिर्फ एक्सीडेंट का चार्ज क्यों है? ऐसे लापरवाह ड्राइवरों के खिलाफ मामूली जुर्म नहीं बल्कि गैर-इरादतन हत्या का जुर्म क्यों दर्ज होना चाहिए?

सवाल 3: क्या सिस्टम किसी बड़ी मुसीबत का इंतजार कर रहा है, या हाईवे पर स्पीड गवर्नर और CCTV कैमरों की सख्ती से चेकिंग शुरू की जाएगी?

सौदागरों को सजा नहीं मिल जाती। हाईवे पर ऐसी लापरवाही के खिलाफ जनता को भी जागरूक होना होगा।

इंडिया-LAC ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट फोरम 2026 के लिए GIBF को बधाई: CM मध्य प्रदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। इंडिया-लैटिन अमेरिका और कैरिबियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट फोरम 2026 का तीसरा एडिशन बड़े पैमाने पर हुआ। जिसमें पूरे भारत और 15 से ज़्यादा लैटिन अमेरिकी और कैरिबियन देशों के डिप्लोमैट, सरकारी अधिकारी, इंडस्ट्री लीडर, और एंटरप्रेन्योर एक साथ आए। ग्लोबल इंडिया बिज़नेस फोरम ने मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर यह बड़ा इवेंट ऑर्गनाइज़ किया। इस प्रोग्राम का उद्घाटन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया, उन्होंने इस पहल की तारीफ़ की और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के लिए पसंदीदा क्षेत्र के तौर पर मध्य प्रदेश की बढ़ती पहचान पर ज़ोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं GIBF और इसके फाउंडर डॉ. जितेंद्र जोशी को MPIDC के साथ पार्टनरशिप में इस पहल को शुरू करने के लिए बधाई देता हूं।' फोरम में अर्जेंटीना, ब्राज़ील, चिली, क्यूबा,

डोमिनिकन रिपब्लिक, एल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, गुयाना, मैक्सिको, पनामा, पेरू, सूरीनाम और उरुग्वे समेत कई देशों के 300 से ज़्यादा बिज़नेस लीडर्स, इन्वेस्टर्स, MSMEs, एक्सपोर्टर्स के साथ-साथ एम्बेसडर, हाई कमिश्नर और सीनियर डिप्लोमैटिक रिप्रेज़ेंटेटिव शामिल हुए। हर्ष एंटरप्राइज़ेज के डायरेक्टर आनंद कदम इस इवेंट के स्पेशल गेस्ट थे। GIBF के फाउंडर और ग्लोबल प्रेसिडेंट डॉ. जितेंद्र जोशी ने इस फोरम को भारत-लैटिन अमेरिका और कैरिबियन देशों के बीच मौकों, इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और कल्चरल एक्सचेंज को जोड़ने वाला एक ब्रिज बताया। साथ ही डॉ. जोशी ने सभी गेस्ट्स को इवेंट में आने के लिए धन्यवाद दिया।

इवेंट के दौरान GIBF की फ्लैगशिप मैगज़ीन 'द बिज़नेस'

टायकून्स का स्पेशल एडिशन मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रिलीज़ किया। इस प्रोग्राम की एक खास बात कई देशों के डिप्लोमैट्स द्वारा दी गई प्रेज़ेंटेशन थी, जिसमें उन्होंने सेक्टर के हिसाब से अपने-अपने देशों में जानकारी और इन्वेस्टमेंट के मौकों को शेयर किया। फोरम ने बड़े पैमाने पर बिज़नेस-टू-बिज़नेस और बिज़नेस-टू-गवर्नर मीटिंग्स को आसान बनाया।

दभोई पंथक में मेघमहेर: लंबे तूफान के बाद बारिश की जोरदार एंट्री, किसान खुश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दभोई। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, दभोई शहर और पूरे तालुका में मेघराजा ने जोरदार एंट्री की है। लंबे समय से असहनीय गर्मी और परेशान करने वाले तूफानों से परेशान स्थानीय लोगों को इस बारिश से काफी राहत मिली है। धीरे-धीरे शुरू हुई लगातार बारिश से कुछ ही घंटों में पूरे पंथक में ठंडक फैल गई है। सड़कें पानी से लबालब हो गई और बच्चों ने नहाने का मज़ा लिया लंबे ब्रेक के बाद मेघराजा के आते ही माहौल खुशनुमा हो गया। बारिश शुरू होते ही छोटे बच्चे अपने घरों से निकलकर सड़कों पर नहाने और बारिश के मौसम का मजा लेने लगे। वहीं, धीमी लेकिन लगातार बारिश से शहर की मुख्य सड़कों और निचले इलाकों में फिर से पानी बहने लगा, जिससे हर तरफ वॉटर-

बम जैसी स्थिति देखने को मिली। दुनिया खुश: खेती के काम को बढ़ावा मिलेगा यह बारिश डभोई पंथक के किसानों के लिए अमृत जैसी साबित हुई है। बुआई के लिए सही बारिश होते ही दुनिया खुश हो गई है। लंबे समय से बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है और उन्होंने जोश के साथ खेती के काम में जुटने की तैयारी शुरू कर दी है। कुल मिलाकर, यह बादल डभोई के लोगों के लिए गर्मी से राहत और किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है।

गांधीनगर से वापी जा रहे यात्रियों के लिए यादगार पल, गवर्नर और मुख्यमंत्री भी ट्रेन में उनके साथ रहे

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

गांधीनगर। गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन से वापी जा रही सेमी-हाई स्पीड 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेन में आज यात्रियों के लिए एक शानदार और कभी न भूलने वाला यादगार पल बना। ट्रेन में सफर कर रहे आम नागरिक उस समय हैरान रह गए जब गुजरात के माननीय गवर्नर श्री आचार्य देवव्रत जी और माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल भी साथी यात्रियों के तौर पर उनके बीच आए। दोनों गणमान्य लोगों ने आम नागरिकों की तरह ट्रेन में सफर किया राज्य के दो सबसे बड़े मुखिया वंदे भारत एक्सप्रेस से गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन से वापी के लिए रवाना हुए। सफर के दौरान से बहुत आराम से

मिले। उन्होंने यात्रियों से सीधे बातचीत की और वंदे भारत ट्रेन की सुविधाओं, स्पीड और मॉडर्नाइजेशन के बारे में लोगों के असली अनुभव और जवाब जाने। यात्रियों में ज़बरदस्त उत्साह सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल राज्य के मुख्यमंत्री और राज्यपाल को अपनी बगल वाली सीट पर बैठकर आम आदमी की तरह बातचीत करते देख यात्रियों में ज़बरदस्त खुशी और उत्साह था। नागरिकों ने इस पल को अपने कैमरों में कैद किया।

फायर सेफ्टी के मामले में AMC की कड़ी नज़र: नियम तोड़ने वाले अहमदाबाद के 6 जाने-माने होटल सील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज डिपार्टमेंट ने अहमदाबाद शहर में फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है। एडमिनिस्ट्रेशन ने शहर के 6 ऐसे होटलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है जो लोगों की सेफ्टी से समझौता कर रहे थे और जिनमें फायर सेफ्टी की गंभीर कमियां थीं और उन्हें ऑफिशियली सील कर दिया है।

नोटिस देने के बावजूद की गई सख्त कार्रवाई

मिली जानकारी के मुताबिक, फायर डिपार्टमेंट ने इन होटलों को पहले ही नोटिस जारी कर दिया था और फायर सेफ्टी इक्विपमेंट और नियमों में ज़रूरी सुधार और बदलाव करने के लिए काफी निर्देश दिए थे। लेकिन, होटल चलाने वालों ने एडमिनिस्ट्रेशन के निर्देशों को नज़रअंदाज़ किया और कोई सुधार नहीं किया। नतीजतन, फायर डिपार्टमेंट ने लोगों की जान को

खतरे में डालने वाले इन 6 होटलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। AMC की सख्त चेतावनी इस कार्रवाई के बारे में बात करते हुए, AMC अधिकारियों ने साफ कहा है कि लोगों की जान और माल की सेफ्टी सिस्टम के लिए सबसे पहली प्राथमिकता है और इसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा। फायर डिपार्टमेंट ने शहर के सभी होटल, मॉल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और सभी पब्लिक बिल्डिंग के मालिकों से सख्ती से कहा है कि वे फायर सेफ्टी नियमों का सख्ती से पालन करें और फायर हुक्क्ट को अपडेट रखें। अगर आने वाले दिनों में दूसरे कॉम्प्लेक्स में भी लापरवाही पाई गई तो उनके खिलाफ भी ऐसी ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अहमदाबाद में अवैध कंस्ट्रक्शन में बिजली का खंभा भी काट दिया गया! AMC की नाक के नीचे देखिए यह अजीब खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद स्मार्ट सिटी में कब क्या दिखेगा, यह तो तय नहीं है, लेकिन इस बार जो सामने आया है, उसे देखकर आप चौंक जाएंगे! एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिससे साबित होता है कि शहर में अवैध कंस्ट्रक्शन करने वालों को अब कानून या सिस्टम का कोई डर नहीं है। नया कंस्ट्रक्शन करते समय बिल्डर ने सरकारी बिजली के खंभे (इलेक्ट्रिक पोल) को सड़क पर हटाने या परमिशन लेने की भी जहमत नहीं उठाई, और बिल्डिंग के स्लैब के अंदर ही पूरा बिजली का खंभा काट दिया! इस अजीब कंस्ट्रक्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पोल खुल गई है। इंजीनियरिंग का एक ऐतिहासिक मज़ाक खतरे की कोई हद नहीं! यह घटना इस बात का सबूत है कि अहमदाबाद में अवैध कंस्ट्रक्शन करने वाले कितने बेरहम हो गए हैं। इस कंस्ट्रक्शन की पहचान अभी ऑफिशियली अनाउंस नहीं की गई है, लेकिन जिस तरह से

हाई-वोल्टेज बिजली का खंभा स्लैब के बीच से गुज़र रहा है, वह कभी भी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है। एडमिनिस्ट्रेटिव लापरवाही: कंस्ट्रक्शन पूरा हो गया, स्लैब भर दिया गया, लेकिन AMC के अधिकारी AC चैंबर से बाहर नहीं निकले! AMC के एस्टेट डिपार्टमेंट की शरारत या तो दिमागी दिवालियापन, या 'बड़ा भ्रम'! सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब यह कंस्ट्रक्शन चल रहा था तो AMC वार्ड इंस्पेक्टर क्या सो रहे थे? या अधिकारियों की आंखों पर भी लाइट के खंभों की तरह 'गांधी' के पैच लगे थे? 'इसे दिमागी दिवालियापन कहें या गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन की तानाशाही? जब तक सिस्टम को यह पता नहीं चल जाता कि पूरा ढाबा इस तरह से गैर-कानूनी तरीके से सरकारी प्रॉपर्टी पर कब्ज़ा करके भरा गया है, यह बात गले नहीं उतरती!

सवाल 1: वह बिल्डर कौन है जिसने यह कमाल की 'इंजीनियरिंग' की और उसके खिलाफ अभी तक कोई ज़मीन हड़पने या क्रिमिनल केस क्यों नहीं दर्ज हुआ?

सवाल 2: इस इलाके के किन अधिकारियों ने इस अतिक्रमण पर आंखें मूंद ली हैं, क्या उनकी जांच होगी?

सवाल 3: क्या इन गैर-कानूनी स्लैब को तुरंत गिरा दिया जाएगा और बिजली के खंभों को हटा दिया जाएगा, या वे किसी बड़ी मुसीबत का इंतज़ार करेंगे?

हम स्मार्ट सिटी के नाम पर ऐसे भ्रष्टाचार और लापरवाही को सामने लाते रहेंगे। इस मुद्दे को तब तक नहीं छोड़ेंगे जब तक इन बिजली के खंभे निगलने वाले बिल्डरों और भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती।

4 करोड़ रुपये से ज़्यादा की विदेशी शराब पर चला बुलडोज़र, इस साल की सबसे बड़ी तबाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा शहर पुलिस ने आज शराबबंदी के जुर्म में ज़ब्त की गई गैर-कानूनी शराब पर कानून का बुलडोज़र चलाया। वडोदरा शहर के DCP ज़ोन 1, 2 और 3 के तहत कुल 14 पुलिस स्टेशनों ने अलग-अलग छापों के दौरान 4 करोड़ रुपये से ज़्यादा की ज़ब्त की गई विदेशी शराब को आज एक पब्लिक जगह पर पूरी तरह से नष्ट कर दिया। इसे इस साल वडोदरा पुलिस द्वारा की गई सबसे बड़ी शराब की तबाही माना जा रहा है। इस शराब को नष्ट करने की ऑफिशियल कार्रवाई कोर्ट की मंज़ूरी के बाद की गई। इस बड़ी कार्रवाई के दौरान DCP ज़ोन 1 जगदीश चावड़ा, तीनों ज़ोन के ACP, 14 पुलिस स्टेशनों के PI, PSI और SDM ऑफिस के सीनियर अधिकारी मौके पर मौजूद थे। सभी अधिकारियों की सीधी निगरानी में हज़ारों शराब की बोतलों को बुलडोज़र और रोड रोलर चलाकर कचरे में बदल दिया गया। शराब तस्करों में कानून का राज कायम पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से वडोदरा शहर और आस-पास के इलाकों में शराब तस्करों में भारी खलबली मच गई है। इस मौके पर सीनियर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पुलिस शहर में नशे के धंधे पर नकेल कसने के लिए पूरी तरह तैयार है और आने वाले दिनों में भी गैर-कानूनी कामों में शामिल लोगों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

थराद-सांचोर हाईवे पर एक स्विफ्ट कार का एक्सीडेंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थराद. थराद-सांचोर हाईवे पर देर शाम एक स्विफ्ट कार का एक्सीडेंट हो गया, जिससे इलाके में अफ़रा-तफ़री मच गई। मिली जानकारी के मुताबिक, स्विफ्ट कार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से गुज़र रही थी, तभी ड्राइवर का स्टीयरिंग से कंट्रोल खो गया और कार सड़क के किनारे लगी लोहे की सेफ्टी फेंसिंग से टकरा गई। एक्सीडेंट इतना गंभीर था कि कार लोहे की फेंसिंग तोड़कर दो बार पलटी। मौके पर मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और बचाव का काम किया। खुशकिस्मती से, कार में सवार किसी भी व्यक्ति को कोई गंभीर चोट नहीं आई और बड़ी दुर्घटना टल गई। हालांकि, पता चला है कि एक्सीडेंट में कार का अगला और साइड का हिस्सा पूरी तरह डैमेज हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, थराद-सांचोर हाईवे पर तेज स्पीड के कारण अक्सर एक्सीडेंट होते रहते हैं। सड़क सुरक्षा के लिए असरदार कदम उठाने में ज़्यादा जागरूकता लाने की ज़रूरत है।

अहमदाबाद के CG रोड पर ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात भर में स्वाद पसंद करने वाले लोगों की पहली पसंद मानी जाने वाली और घर-घर जाकर खाई जाने वाली मशहूर 'बालाजी वेफ़र्स' कंपनी के प्रोडक्ट से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अहमदाबाद के पॉश चाणक्यपुरी इलाके में एक जागरूक ग्राहक द्वारा खरीदे गए वेफ़र्स के पैकेट से आलू के वेफ़र्स की जगह मिट्टी और कचरा निकलने का गंभीर आरोप लगा है। करोड़ों रुपये के टर्नओवर वाली और ब्रांड वैल्यू का दावा करने वाली इतनी मशहूर कंपनी के प्रोडक्ट से अगर ऐसा कचरा निकलेगा, तो आम लोगों की सेहत का क्या होगा? ऐसे ज्वलंत सवाल अब खड़े हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, चाणक्यपुरी इलाके में रहने वाले एक स्थानीय निवासी ने रेगुलर पास की एक दुकान से बालाजी वेफ़र्स का एक पैकेट खरीदा था। घर आकर जब उसने अपने बच्चों के लिए पैकेट खोला तो अंदर का नज़ारा देखकर हैरान रह गया। पैकेट के अंदर वेफर्स के साथ-साथ मिट्टी के काले ढेले और खाने लायक कचरा साफ़ दिख रहा था। अगर कस्टमर ने ध्यान नहीं दिया होता और बच्चे इसे खा लेते तो फ़ूड पॉइज़निंग की बड़ी घटना हो सकती थी। कस्टमर ने तुरंत इन नज़ारों को कैमरे में कैद कर लिया। बालाजी वेफर्स गुजरात ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक बड़ा नाम है।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

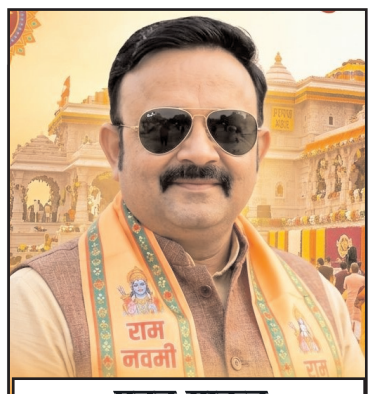

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है।

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी।

आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। यदि यह संगठन अपने भीतर बढ़ते मतभेदों को दूर कर, समानता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तभी वह विश्व समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा।

भारत को इस अवसर पर साहसपूर्वक यह संदेश देना चाहिए कि विश्व का भविष्य शक्ति-संतुलन, संवाद, सहयोग और समावेशिता में निहित है। किसी एक देश या समूह की प्रभुत्ववादी सोच से नहीं, बल्कि साझी जिम्मेदारी और साझा विकास की भावना से ही विश्व में स्थायी शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही जी-7 जैसे मंचों की वास्तविक कसौटी भी।

संपादकीय

सुरक्षित सिरप

भारत में छोटे-मोटे रोगों के उपचार के लिये मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने की लोगों में आदत पायी जाती है। यह जाने बगैर कि घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। भारत तथा कई अन्य देशों में देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिये खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिये नुकसान-रहित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। सरकार को ये कदम अनेक दुखद घटनाओं के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जब इन दवाओं के उत्पादन में गंभीर खामियां सामने आईं। कुछ समय पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया,उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन दुखद घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाया गए कदम के रूप में देखना चाहिए।

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाछ्य कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ?

पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा- पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा।

बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते। नचिकेता संकल्लित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए। यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चप्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठत और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा- महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

खाटू नरेश श्री श्याम की कहानी, शब्दों की ज़ुबानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजस्थान के सीकर जिले में रींगस तहसील में छोटे से शहर खाटू में श्री श्याम जी का सुप्रसिद्ध मंदिर है. वैसे तो श्री श्याम बाबा के भक्तों की कोई गिनती नहीं । श्याम बाबा कौन थे, उनके जन्म और जीवन चरित्र के बारे में जानते हैं इस लेख में. खाटू नरेश श्री श्याम बाबा कौन हैं - खाटू श्याम जी का असली नाम बर्बरीक है. महाभारत की एक कहानी के अनुसार बर्बरीक का सिर राजस्थान प्रदेश के खाटू नगर में दफना दिया था. इसीलिए बर्बरीक जी का नाम खाटू श्याम बाबा के नाम से प्रसिद्ध हुआ. वर्तमान में खाटूनगर सीकर जिले के नाम से जाना जाता है. खाटू श्याम बाबा जी कलियुग में श्री कृष्ण भगवान के अवतार के रूप में माने जाते हैं.

खाटू नरेश श्री श्याम बाबा की कहानी -

श्याम बाबा घटोत्कच और नागकन्या नाग कन्या मौरवी के पुत्र हैं. पांचों पांडवों में सर्वाधिक बलशाली भीम और उनकी पत्नी हिडिम्बा बर्बरीक के दादा दादी थे. कहा जाता है कि जन्म के समय बर्बरीक के बाल बब्बर शेर के समान थे, अतः उनका नाम बर्बरीक रखा गया. बर्बरीक का नाम श्याम बाबा कैसे पड़ा, आइये इसकी कहानी जानते हैं. बर्बरीक बचपन में एक वीर और तेजस्वी बालक थे. बर्बरीक ने भगवान श्री कृष्ण और अपनी माँ मौरवी से युद्धकला, कौशल सीखकर निपुणता प्राप्त कर ली थी. बर्बरीक ने भगवान शिव की घोर तपस्या की थी, जिसके आशीर्वादस्वरुप भगवान ने शिव ने बर्बरीक को 3 चमत्कारी बाण प्रदान किए. इसी कारणवश बर्बरीक का नाम तीन बाणधारी के रूप में भी प्रसिद्ध है. भगवान अग्निदेव ने बर्बरीक को एक दिव्य धनुष दिया था, जिससे वो तीनों लोकों पर विजय प्राप्त करने में समर्थ थे. जब कौरवों-पांडवों का युद्ध होने का सूचना बर्बरीक को मिली तो उन्होंने भी युद्ध में भाग लेने का निर्णय लिया. बर्बरीक अपनी माँ का आशीर्वाद लिए और उन्हें हारे हुए पक्ष का साथ देने का वचन देकर निकल पड़े. इसी वचन के कारण हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा यह बात प्रसिद्ध हुई. जब बर्बरीक जा रहे थे तो उन्हें मार्ग में एक ब्राह्मण मिला. यह ब्राह्मण कोई और नहीं, भगवान श्री कृष्ण थे जोकि बर्बरीक की परीक्षा लेना चाहते थे. ब्राह्मण बने श्री कृष्ण ने बर्बरीक से प्रश्न किया कि वो मात्र 3 बाण लेकर लड़ने को जा रहा है ? मात्र 3 बाण से कोई युद्ध कैसे लड़ सकता है. बर्बरीक ने कहा कि उनका एक ही बाण शत्रु सेना को समाप्त करने में सक्षम है और इसके बाद भी वह तीर नष्ट न होकर वापस उनके तरकश में आ जायेगा. अतः अगर तीनों तीर के उपयोग से तो सम्पूर्ण जगत का विनाश किया जा सकता है. ब्राह्मण ने बर्बरीक से एक पीपल के वृक्ष की ओर इशारा करके कहा कि वो एक बाण से पेड़ के सारे पत्तों को भेदकर दिखाए. बर्बरीक ने भगवान का ध्यान कर एक बाण छोड़ दिया. उस बाण ने पीपल के सारे पत्तों को छेद दिया और उसके बाद बाण ब्राह्मण बने कृष्ण के पैर के चारों तरफ घूमने लगा. असल में कृष्ण ने एक पत्ता अपने पैर के नीचे छिपा दिया था. बर्बरीक समझ गये कि तीर उसी पत्ते को भेदने के लिए ब्राह्मण के पैर के चक्कर लगा रहा है. बर्बरीक बोले - हे ब्राह्मण अपना पैर हटा लो, नहीं तो ये आपके पैर को वेध देगा.श्री कृष्ण बर्बरीक के पराक्रम से प्रसन्न हुए. उन्होंने पूंछा कि बर्बरीक किस पक्ष की तरफ से युद्ध करेंगे. बर्बरीक बोले कि उन्होंने लड़ने के लिए कोई पक्ष निर्धारित किया है, वो तो बस अपने वचन अनुसार हारे हुए पक्ष की ओर से लड़ेंगे. श्री कृष्ण ये सुनकर विचारमग्न हो गये क्योकि बर्बरीक के इस वचन के बारे में कौरव जानते थे. कौरवों ने योजना बनाई थी कि युद्ध के पहले दिन वो कम सेना के साथ युद्ध करेंगे. इससे कौरव युद्ध में हराने लगेंगे, जिसके कारण बर्बरीक कौरवों की तरफ से लड़ने आ जायेंगे. अगर बर्बरीक कौरवों की तरफ से लड़ेंगे तो उनके चमत्कारी बाण पांडवों का नाश कर देंगे. कौरवों की योजना विफल करने के लिए ब्राह्मण बने कृष्ण ने बर्बरीक से एक दान देने का वचन माँगा. बर्बरीक ने दान देने का वचन दे दिया. अब ब्राह्मण ने बर्बरीक से कहा कि उसे दान में बर्बरीक का सिर चाहिए. इस अनोखे दान की मांग सुनकर बर्बरीक आश्चर्यचकित हुए और समझ गये कि यह ब्राह्मण कोई सामान्य व्यक्ति नहीं है. बर्बरीक ने प्रार्थना कि वो दिए गये वचन अनुसार अपने शीश का दान अवश्य करेंगे, लेकिन पहले ब्राह्मणदेव अपने वास्तविक रूप में प्रकट हों. भगवान कृष्ण अपने असली रूप में प्रकट हुए. बर्बरीक बोले कि हे देव मैं अपना शीश देने के लिए बचनबद्ध हूँ लेकिन मेरी युद्ध अपनी आँखों से देखने की इच्छा है. श्री कृष्ण बर्बरीक ने बर्बरीक की वचनबद्धता से प्रसन्न होकर उसकी इच्छा पूरी करने का आशीर्वाद दिया. बर्बरीक ने अपना शीश कृष्ण को दे दिया. श्री कृष्ण ने बर्बरीक के सिर को 14 देवियों के द्वारा अमृत से सींचकर युद्धभूमि के पास एक पहाड़ी पर स्थित कर दिया, जहाँ से बर्बरीक युद्ध का दृश्य देख सकें. इसके पश्चात कृष्ण ने बर्बरीक के धड़ का शास्त्रोक्त विधि से अंतिम संस्कार कर दिया. महाभारत का महान युद्ध समाप्त हुआ और पांडव विजयी हुए. विजय के बाद पांडवों में यह बहस होने लगी कि इस विजय का श्रेय किस योद्धा को जाता है. श्री कृष्ण ने कहा - चूंकि बर्बरीक इस युद्ध के साक्षी रहे हैं अतः इस प्रश्न का उत्तर उन्ही से जानना चाहिए. तब परमवीर बर्बरीक ने कहा कि इस युद्ध की विजय का श्रेय एकमात्र श्री कृष्ण को जाता है, क्योकि यह सब कुछ श्री कृष्ण की उत्कृष्ट युद्धनीति के कारण ही सम्भव हुआ. विजय के पीछे सबकुछ श्री कृष्ण की ही माया थी. बर्बरीक के इस सत्य वचन से देवताओं ने बर्बरीक पर पुष्पों की वर्षा की और उनके गुणगान गाने लगे. श्री कृष्ण वीर बर्बरीक की महानता से अति प्रसन्न हुए और उन्होंने कहा - हे वीर बर्बरीक आप महान है. मेरे आशीर्वाद स्वरुप आज से आप मेरे नाम श्याम से प्रसिद्ध होओगे. कलियुग में आप कृष्णअवतार रूप में पूजे जायेंगे और अपने भक्तों के मनोरथ पूर्ण करेंगे. भगवान श्री कृष्ण का वचन सिद्ध हुआ और आज हम देखते भी हैं कि भगवान श्री खाटू श्याम बाबा जी अपने भक्तों पर निरंतर अपनी कृपा बनाये रखते हैं. बाबा श्याम अपने वचन अनुसार हारे का सहारा बनते हैं. इसीलिए जो सारी दुनिया से हारा सताया गया होता है वो भी अगर सच्चे मन से बाबा श्याम के नामों का सच्चे मन से नाम ले और स्मरण करे तो उसका कल्याण अवश्य ही होता है। अगर अभी तक आप खाटू धाम नहीं जा पाएँ हैं तो कोई बात नहीं, इस बार आप अपने परिवार एवं मित्रों के साथ जरूर खाटू धाम होकर आइये।

ज़िंदगी का फ़लसफ़ाः अंदर की खुशी और सच्ची शांति ही इंसान का असली कैरेक्टर है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आज के मॉडर्न और दिखावटी ज़माने में हमारी ज़िंदगी दूसरों की राय की गुलाम हो गई है। सोशल मीडिया पर लाइक और कमेंट के ज़माने में हम सब एक अंधेरी दौड़ में भाग रहे हैं, जहाँ हर किसी को बस यही चिंता है कि 'लोग मुझे अच्छा समझेंगे'। हमारा कैरेक्टर कैसा है, समाज हमारे बारे में क्या कहता है, इस टेंशन में हम अपने मन की शांति और रात की नींद छीन लेते हैं। लेकिन क्या हमने कभी शांत मन से बैठकर सोचा है कि 'कैरेक्टर' का असल में मतलब क्या है? दुनिया को दिखाने या लोगों का सर्टिफ़िकेट लेने के लिए साफ़-सुथरा कैरेक्टर बनाने में कोई एनर्जी बर्बाद करने की ज़रूरत नहीं है। असली मेहनत, असली कोशिश तो खुद को अंदर से खुश, प्रसन्न और शांत रखना है। ज़िंदगी का असली नियम यह है कि समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। खुशी के बाद दुख और धूप के बाद छांव आना तो आम बात है। हालात कितने भी बुरे हों, हालात हमारी मर्ज़ी के खिलाफ़ हों, फिर भी अंदर से बिना परेशान हुए शांत और स्थिर रहने की कला सीखना ही ज़िंदगी का सच्चा इनाम है। कहते हैं कि दुनिया में जैसा मुँह, वैसी बातें। लोग सामने वाले को अपनी नज़र, अपनी सोच, अपनी सोच और अपनी समझ के हिसाब से नापते हैं। हम हमेशा खुद को दूसरों की नज़र से देखते हैं और मान लेते हैं कि हमारा चरित्र अच्छा है या बुरा। लेकिन ज़रा सोचिए, अगर आपको अंदर से बहुत ज़्यादा संतुष्टि और शांति महसूस हो रही है, तो घमंड करने या यह सोचने की भी ज़रूरत नहीं है कि आपका चरित्र कैसा है।

खुशी और शांतिः बेहतरीन चरित्र का कुदरती सर्टिफिकेट

जो इंसान अपनी आत्मा से बात कर सकता है, जो अंदर से शांति और सुकून महसूस करता है, यही स्थिरता उसके बेहतरीन चरित्र का पक्का सबूत है। यह दुनिया और कुदरत का एक अटल नियम है कि जब भी हम कुछ गलत, गलत या बुरा करते हैं, तो हमारा मन कभी शांत नहीं रह सकता। जो इंसान चोर, धोखेबाज, लालची, धोखेबाज या चालबाज होता है, वह चाहे कितने भी भौतिक सुख भोग ले, वह कभी भी अंदर से सच्चा सुखी या शांत नहीं हो सकता। जो इंसान धोखे या कॉम्पिटिशन की आग में जलता रहता है, वह हमेशा एक अनजान डर और बेचैनी की भट्ठी में जलता रहता है। पाप का सीधा संबंध बेचैनी से और पुण्य का सीधा संबंध परम शांति से होता है।

चरित्र की परिभाषा बदलने की ज़रूरत है

हमारे समाज में चरित्र की परिभाषा बहुत सीमित और छोटी कर दी गई है। आम तौर पर लोग चरित्र को किसी व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंधों या शारीरिक संबंधों तक ही सीमित कर देते हैं। लेकिन असलियत यह है कि चरित्र एक बहुत बड़ा शब्द है। इसे सिर्फ़ शारीरिक पवित्रता के दायरे में नहीं बांधा जा सकता। असल में, जिसका मन नफ़रत से मुक्त हो, जिसकी भावनाएँ साफ़ शीशे की तरह पारदर्शी हों, जो कभी किसी का बुरा न सोचे या किसी को नुकसान न पहुँचाए, और जो अपने होने से संतुष्ट, खुश और संतुष्ट हो, वही सच्चा चरित्रवान इंसान है। चरित्र बाज़ार से खरीदा जाने वाला कपड़ा नहीं है, यह एक खुशबू है जो इंसान की आत्मिक और मानसिक परिपक्वता से अपने आप निकलती है। जब कोई इंसान किसी भी मुश्किल हालात में भी सीधा बैठ सकता है, लालच और लालच के सामने बिना डगमगाए डटा रह सकता है, तो उसकी अंदर की शांति उसके कैरेक्टर को रोशन करती है। आसान शब्दों में कहें तो, कैरेक्टर और अंदर की शांति एक-दूसरे से जुड़ी हुई चीज़ें हैं जिन्हें एक ही नज़रिए से देखा जा सकता है। लोग क्या कहेंगे और क्या सोचेंगे, यही दुनिया की सबसे बड़ी बीमारी है। इस बीमारी से छुटकारा पाने के लिए, आपको अपनी खुशी और खुद होने की खुशी पर ज़्यादा ध्यान देना चाहिए। अगर आपके अंदर गंगा जैसी पवित्र शांति बहती है, तो आपका कैरेक्टर अपने आप साफ़ हो जाएगा, उसे साफ़ करने के लिए अलग से साबुन या पाउडर की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। समाज में इज़्ज़त और सम्मान लोगों की राय से तय नहीं होता, क्योंकि यह वही दुनिया है जो एक पल के लिए भगवान में भी कमियां निकालती है। इसलिए, लोगों से इज़्ज़त या सम्मान की भीख मांगने के बजाय, पहले अपनी नज़रों में खुद की इज़्ज़त करना सीखें। जब आप रात को सोते समय गर्व और संतोष के साथ शीशे में अपनी आंखों में देखते हुए खड़े हो सकें, तो समझ लें कि आपके अंदर का इंसान ज़िंदा है, जागा हुआ है और उसका कैरेक्टर सबसे ऊंचा है।

पुजारी ने 30 साल पहले कबाड़ी से 50 रुपये में खरीदा था पीतल का बिल्ला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दतिया। मध्य प्रदेश की धरती अपने भीतर इतिहास के न जाने कितने राज दफन किए हुए है। राज्य में चल रहे 'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत पुरातत्वविदों की टीम को एक ऐसी कामयाबी मिली है, जिसने इतिहास के पन्नों को एक नया मोड़ दे दिया है। ताजा खोज बुंदेलखंड के दतिया जिले में रहने वाले 75 वर्षीय पुजारी राधावल्लभ मिश्रा के घर से हुई है, जहां सालों से संदूक में बंद दो नायाब ऐतिहासिक कड़ियां सामने आई हैं। पुजारी के संग्रह से लगभग 150 से 200 साल पुराना एक दुर्लभ सामूहिक चित्र मिला है। इसे 'पूना फोटोग्राफिक कंपनी' ने तैयार किया था। इस ऐतिहासिक तस्वीर में ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया के इर्द-गिर्द बड़ौदा, मैसूर, इंदौर, ग्वालियर, जयपुर, त्रावणकोर और नागपुर के महाराजाओं के साथ हैदराबाद के निजाम और उनके प्रधानमंत्री नवाब आसमान जाह नजर आ रहे हैं। हालांकि, वक्त की मार के कारण तस्वीर का निचला हिस्सा टूट चुका है, जिससे दो राजाओं के नाम हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों से मिट गए हैं। पुजारी राधावल्लभ ने इस तस्वीर को 50 साल पहले एक फोटो फ्रेम करने वाले की दुकान से तब उठाया था, जब कोई इसे लेने नहीं आया। पुरातत्व विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. वसीम खान ने बताया कि इस सर्वे के दौरान एक और चौंकाने वाली चीज मिली। यह झांसी के राजमहल के चपरासी की वर्दी पर लगने वाला पीतल का एक आधिकारिक बैज है। इस पर 'चपरास श्री महाराजाधिराज झांसी संवत 1896' (1840 ईस्वी) लिखा हुआ है। यह खोज रानी लक्ष्मीबाई से शादी से पहले राजा गंगाधर राव के प्रशासनिक तंत्र की गवाही देने वाला पहला आधिकारिक बैज है।

माथे पर त्रिपुंड, गले में रुद्राक्ष और साथ में हिंदू लड़की... महाकाल मंदिर पहुंचा सरफराज शेख, एंट्री पर मचा बवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। रात के करीब दो बजे थे. उज्जैन में महाकाल की भस्म आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी थी. हरसिद्धि चौराहे के आसपास भी हलचल थी. इसी बीच एक युवक चाय की दुकान पर बैठा दिखाई दिया. माथे पर त्रिपुंड, गले में रुद्राक्ष की माला और साथ में एक युवती. कुछ देर बाद उसकी पहचान को लेकर सवाल उठे और फिर घटनाक्रम ने ऐसा मोड़ लिया कि मामला थाने तक पहुंच गया. रात के करीब दो बजे थे. महाकाल की भस्म आरती में शामिल होने के लिए लोग कतारों में लग रहे थे. हरसिद्धि चौराहे पर भी चहल-पहल थी. तभी एक युवक चाय की दुकान पर बैठा दिखाई दिया. माथे पर गाढ़ा त्रिपुंड, गले में रुद्राक्ष की माला और साथ में एक युवती. पहली नजर में वह किसी आम श्रद्धालु जैसा लग रहा था. लेकिन कुछ मिनट बाद किसी ने उसका नाम पूछा और फिर जो हुआ, उसने रातों-रात पूरे उज्जैन में चर्चा छेड़ दी. कहानी महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी से शुरू होती है. यहां रहने वाला सरफराज शेख अपनी एक हिंदू युवती के साथ बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन पहुंचा था. रात करीब दो बजे दोनों चलित भस्मारती के जरिए महाकाल मंदिर में जाने वाले थे, लेकिन महाकाल पहुंचने से पहले ही उनकी यात्रा विवाद में बदल गई. देर रात सरफराज और उसकी महिला मित्र हरसिद्धि चौराहे के पास मौजूद थे. इसी दौरान कुछ लोगों की नजर युवक पर पड़ी. माथे पर त्रिपुंड और गले में रुद्राक्ष की माला देखकर वह पूरी तरह एक हिंदू श्रद्धालु जैसा दिखाई दे रहा था. लेकिन फिर किसी को उसके बारे में शक हुआ. नाम और पहचान पूछी गई. आरोप है कि शुरुआत में उसने खुद को हिंदू बताया. हालांकि बाद में उसके दस्तावेज देखे गए, जिनमें उसका नाम सरफराज शेख बताया गया. यहीं से कहानी ने नया मोड़ ले लिया. पहचान को लेकर चर्चा शुरू हुई तो वहां हिंदूवादी संगठनों और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी पहुंच गए. युवक से सवाल-जवाब होने लगे. माहौल गरमाता गया और फिर बहस हाथापाई तक पहुंच गई. इस मामले से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिखाई देता है कि युवक को घेरकर उससे पूछताछ की जा रही है. कुछ लोग उस पर अपनी पहचान छिपाने का आरोप लगा रहे हैं. इसी दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई. वीडियो में सरफराज खुद को छोड़ देने की गुहार लगाता दिखाई देता है, लेकिन वहां मौजूद लोग लगातार उससे सवाल पूछते रहते हैं. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. वीडियो वायरल होते ही बहस शुरू हो गई. एक पक्ष का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति गलत पहचान बताकर धार्मिक स्थल में एंट्री करने की कोशिश कर रहा था तो इसकी जांच होनी चाहिए.

एक पेड़ काटने पर लगाने होंगे 20 नए पौधे, प्रोजेक्ट में 80% पेड़ शिफ्ट करना अनिवार्य सरकार की 'ट्री ट्रांसलोकेशन पॉलिसी'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विकास के बीच संतुलन बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने मंगलवार को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के समक्ष 'ट्री ट्रांसलोकेशन पॉलिसी-2026' का ड्राफ्ट पेश किया। इस नीति का मुख्य उद्देश्य विकास परियोजनाओं (जैसे रोड, मेट्रो, फ्लाईओवर) के नाम पर होने वाली अंधाधुंध पेड़ों की कटाई को रोकना और वयस्क पेड़ों को वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित दूसरी जगह शिफ्ट करने को प्राथमिकता देना है।

'20-फॉर-1' का कड़ा और नया नियम

इस प्रस्तावित नीति की सबसे बड़ी खासियत इसका '20-फॉर-1' वृक्षारोपण फॉर्मूला है। अगर किसी बेहद अपरिहार्य स्थिति में एक पेड़ को काटना पड़ता है, तो संबंधित निर्माण एजेंसी को उसके बदले 20 नए पौधे लगाने होंगे। नियमों के मुताबिक, इनमें से 10 पौधे सीधे तौर पर कटे हुए पेड़ के मुआवजे के रूप में होंगे, जबकि शेष 10 पौधे इसलिए लगाए जाएंगे ताकि ट्रांसप्लांटेशन के दौरान जिन वयस्क पेड़ों की जान नहीं बच पाती, उनके नुकसान की भरपाई की जा सके।

ग्वालियर के थाटीपुर मामले से लिया सबक

दरअसल, यह पूरी कवायद ग्वालियर के थटीपुर पुनर्विकास योजना के दौरान सामने आई लापरवाही के बाद शुरू हुई है। वहां बड़ी संख्या में शिफ्ट किए गए पेड़ देखरेख के अभाव में मर गए थे, जिस पर हाई कोर्ट ने कड़ा संज्ञान लेते हुए सरकार से एक व्यापक नीति मांगी थी। अब नए नियमों के तहत प्रोजेक्ट डिजाइन में बदलाव करके पहले पेड़ बचाने की कोशिश करनी होगी। पेड़ काटना केवल अंतिम विकल्प होगा।

ऑनलाइन डैशबोर्ड से जनता करेगी निगरानी

भ्रष्टाचार और कागजी दावों को रोकने के लिए सरकार ने इस बार तकनीक का सहारा लिया है। नीति के अनुसार, सभी ट्रांसप्लांट किए गए पेड़ों और नए रोपे गए पौधों की अनिवार्य रूप से जियो-टैगिंग की जाएगी। इसके लिए एक सार्वजनिक ऑनलाइन डैशबोर्ड बनाया जाएगा। इस डैशबोर्ड पर पेड़ों की सटीक लोकेशन, उनकी तस्वीरें और रखरखाव का पूरा रिकॉर्ड रीयल-टाइम में अपडेट होगा, जिससे आम नागरिक भी इसकी सीधे निगरानी कर सकेंगे।

भोपाल: रेस्टोरेंट से मंगाया सैंडविच, उसमें निकली मरी हुई मक्खी, महिला ने फूड डिपार्टमेंट से की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। एक महिला रेस्टोरेंट पहुंची थी. आरोप है कि वहां जो सैंडविच लिया, उसमें मक्खी निकल आई. महिला ने वीडियो बना लिया, जो वायरल हो गया. इस मामले की शिकायत फूड डिपार्टमेंट तक पहुंच गई. अब इस मामले की जांच की जा रही है. वहीं पूरा मामला सामने आने के बाद फूड सेफ्टी को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं. मामला भोपाल के टीटी नगर इलाके के प्लेटिनम प्लाजा का है. यहां रहने वाली शोभा अहिरवार ने इलाके के एक फास्ट फूड आउटलेट से सैंडविच मंगाया था. सब कुछ सामान्य था, लेकिन खाते-खाते उनकी नजर सैंडविच के अंदर किसी काले रंग की चीज पर पड़ी. जब उन्होंने ध्यान से देखा तो पता चला कि वह एक मृत मक्खी थी. शोभा के मुताबिक, मक्खी देखकर उन्होंने तुरंत खाना बंद कर दिया और सैंडविच का वीडियो और फोटो रिकॉर्ड किया. फिर सीधे फूड डिपार्टमेंट से शिकायत कर दी. उनका कहना है कि खाने में इस तरह की गंदगी मिलना सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ है. इधर शिकायत मिलते ही खाद्य सुरक्षा विभाग भी हरकत में आ गया. विभाग की टीम संबंधित फास्ट फूड सेंटर पहुंची और जांच शुरू कर दी. अधिकारियों ने मौके पर जायजा लिया., खाद्य सामग्री की जांच की और जरूरी सैंपल लिए. अब इन सैंपलों की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. इस घटना के बाद इलाके के लोगों में भी नाराजगी है. स्थानीय लोगों का कहना है कि बाहर खाना आजकल लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है. ऐसे में रेस्टोरेंट और फास्ट फूड सेंटरों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है. अगर साफ-सफाई के नियमों का पालन नहीं होगा तो लोगों की सेहत खतरे में पड़ सकती है. फिलहाल इस मामले में जांच जारी है. अब सबकी नजर खाद्य सुरक्षा विभाग की रिपोर्ट और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी है. अगर शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित प्रतिष्ठान पर नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है.

कंधे पर एक स्टार, बालों का अनोखा स्टाइल और जवाब ऐसे कि छूट पड़ी हंसी... मिर्जापुर का 'फिल्मी दरोगा'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मिर्जापुर। कलेक्ट्रेट में पुलिस की वर्दी पहनकर घूम रहे एक युवक को लोगों ने शक होने पर पकड़ लिया. कंधे पर स्टार और नेमप्लेट लगाकर खुद को इंस्पेक्टर बताने वाला युवक सवालों के जवाब में बार-बार उलझता रहा. सूचना पर पहुंची पुलिस उसे शहर कोतवाली ले गई. जांच में उसकी पहचान प्रयागराज के करछना निवासी शिव कुमार पाल के रूप में हुई. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. यूपी के मिर्जापुर कलेक्ट्रेट में ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसे देखकर पहले लोग हैरान हुए, फिर मुस्कुराए और आखिर में पुलिस को बुलाना पड़ गया. कंधे पर चमकता एक स्टार, पुलिस की वर्दी, सीने पर नेमप्लेट और चेहरे पर ऐसा आत्मविश्वास मानो किसी थाने का पूरा जिम्मा इन्हीं के कंधों पर हो. लेकिन कुछ ही मिनटों की बातचीत में लोगों को समझ आ गया कि कहानी में कुछ गड़बड़ है. कलेक्ट्रेट परिसर में घूम रहे इस युवक ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया, लेकिन जब उससे साधारण सवाल पूछे गए तो उसके जवाबों ने लोगों का शक और गहरा कर दिया. देखते ही देखते आसपास भीड़ जमा हो गई और फिर शुरू हुई सवालों की ऐसी बौछार, जिसने कथित दरोगा की पूरी कहानी को उलझाकर रख दिया. कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद लोगों ने बताया कि युवक पूरे रौब के साथ घूम रहा था. उसने पुलिस की वर्दी पहन रखी थी. कंधे पर एक स्टार लगा था और नेमप्लेट पर 'शिवपाल इंस्पेक्टर' लिखा हुआ था. पहली नजर में देखने वाले को लग सकता था कि कोई पुलिस अधिकारी किसी सरकारी काम से आया है. लेकिन लोगों को उसके हावभाव और बातचीत का तरीका कुछ अलग लगा. किसी ने पूछा कि किस थाने में तैनाती है तो जवाब कुछ और मिला. दूसरा सवाल हुआ तो बात कहीं और पहुंच गई. तीसरा सवाल आया तो जवाब और ज्यादा उलझ गया. बस यहीं से लोगों का शक बढ़ने लगा. कौन से थाने से हो और शुरू हो गई कहानी स्थानीय लोगों ने जब युवक से पूछा कि वह किस थाने में तैनात है तो उसने बताया कि वह प्रयागराज से आया है और थाना तलाश रहा है. फिर कहा कि उसकी पोस्टिंग महिला थाने में है. कुछ देर बाद उसने कहा कि वह इंस्पेक्टर बनने वाला है. फिर बोला कि कागज बनवाने आया है. मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक उसके जवाब लगातार बदल रहे थे. एक व्यक्ति ने पूछा, मिर्जापुर के कप्तान साहब का नाम जानते हो ? युवक ने जवाब दिया, हम नहीं जानते. इसके बाद भीड़ में खड़े लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई. सवाल पर सवाल होते गए और कथित दरोगा के जवाब लोगों को संतुष्ट करने के बजाय और ज्यादा हैरान करते रहे. बसे दिलचस्प बात यह रही कि उसकी वर्दी पर लगी नेमप्लेट पर 'शिवपाल इंस्पेक्टर' लिखा था, लेकिन जब लोगों ने नाम पूछा तो उसने खुद को शिवपाल बताया. बाद में पूछताछ में उसकी पहचान शिव कुमार पाल के रूप में सामने आई. लोगों को यह बात भी अजीब लगी कि जो व्यक्ति खुद को पुलिस अधिकारी बता रहा है, वह अपने विभाग, तैनाती और अधिकारियों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था. घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में लोग लगातार उससे सवाल पूछ रहे हैं और वह अलग-अलग जवाब देता दिखाई दे रहा है. कभी वह कहता है कि महिला थाने में पोस्टिंग है, कभी कहता है कि इंस्पेक्टर बनने जा रहा है. कभी बताता है कि कागज बनवाने आया है तो कभी किसी और बात का जिक्र करने लगता है. मौके पर मौजूद लोगों ने उससे बार-बार पूछा कि पुलिस की वर्दी कहां से मिली. वर्दी किसने दी. नेमप्लेट कहां से बनवाई गई. लेकिन इन सवालों का भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला. यही वजह रही कि लोगों ने उसे रोक लिया और पुलिस को सूचना दे दी है.

नोएडा: यमुना डूब क्षेत्र में बने अवैध फार्म हाउसों पर 20 को गरजेगा बुलडोजर,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। सोशल मीडिया पर इस समय यमुना-हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में चल रही अवैध बनावट और नोएडा प्राधिकरण की सख्त कार्रवाई की जमकर चर्चा हो रही है। दरअसल, नोएडा प्राधिकरण ने 20 जून तक सभी अवैध पक्के निर्माण तोड़ने का आदेश दिया है। सीईओ कृष्णा करुणेश ने निर्देशों का पालन नहीं होने पर जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की चेतावनी दी है। सीईओ के इस आदेश को लेकर लोग तरह-तरह की बात कर रहे है। लोग यमुना-हरनंदी के डूब क्षेत्र में चल रही अवैध बनावट और नोएडा प्राधिकरण की सख्त कार्रवाई पर गर्मा-गर्म बहस कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कई यूजर्स ने नोएडा प्राधिकरण के कदम का स्वागत किया है और इसे पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक बताया है। समर्थक ये तर्क दे रहे हैं कि अवैध फार्महाउस, रिसॉर्ट और स्विमिंग पूल जैसी संरचनाओं ने नदियों के प्राकृतिक बहाव को बाधित कर बाढ़ के समय जोखिम बढ़ा दिया है। कुछ लोग कार्रवाई को देर से उठाया गया सही कदम मानते हुए अधिकारियों से त्वरित और पारदर्शी एक?शन की मांग कर रहे हैं। वहीं, आलोचक भी कम नहीं हैं। कुछ यूज़र्स ने यह भी कहा कि लंबे समय से नोटिफाइड डूब क्षेत्रों में स्थायी निर्माण कैसे संभव हुआ, यह प्रशासनिक लापरवाही का सबूत है और जवाबदेही तय की जानी चाहिए। नोएडा प्राधिकरण ने यमुना-हरनंदी के बाढ़ प्रभावित इलाके में स्थित सभी अनधिकृत निर्माण 20 जून तक गिराने का आदेश जारी किया है। सीईओ कृष्णा करुणेश ने कहा कि निर्देश का पालन नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी से हटा दिया जाएगा। यमुना-हरनंदी के डूब इलाके में तेजी से फैल रहे अवैध निर्माण नदियों के अस्तित्व के लिए गंभीरखतरा बन रहे हैं।

बैंक की तिजोरी से गायब हो गए सोने से भरे 96 पैकेट, फिरोजाबाद में तीन अफसरों पर FIR दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। थाना अरांव क्षेत्र के ग्राम भारौल स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में बड़ा घोटाला सामने आया है। बैंक की मुख्य तिजोरी से ग्राहकों द्वारा गोल्ड लोन के एवज में गिरवी रखे गए सोने के करीब 96 पैकेट गायब हो गए। बैंक के जोनल कार्यालय की आंतरिक जांच में करोड़ों रुपये के सोने के गबन का खुलासा होने के बाद तीन बैंक अधिकारियों को नामजद करते हुए अरांव थाने में संगीन धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस बड़ी वारदात से बैंकिंग और जिला प्रशासन में खलबली मच गई है। प्राथमिकी के अनुसार, बैंक ऑफ इंडिया की भारौल शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक अधिकारी दिलीप कुमार बीती 27 मई से बिना बताए शाखा से गायब हैं। चूंकि बैंक की मुख्य तिजोरी (गोल्ड सेफ) टू-वे कॉम्बिनेशन से खुलती है, जिसकी एक चाबी स्टाफ अधिकारी और दूसरी चाबी शाखा प्रबंधक या अन्य नामित अधिकारी के पास रहती है, इसलिए स्टाफ अधिकारी दिलीप कुमार के गायब होने से बैंक का काम पूरी तरह ठप हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आगरा जोनल कार्यालय से वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा) अंकित एवं घिरोर शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कुमार को जांच के लिए भारौल भेजा गया। 15 जून को जब विशेषज्ञों की मदद से सेफ की डुप्लीकेट चाबी बनवाकर तिजोरी को खोला गया, तो अंदर का नजारा देख जांच टीम के होश उड़ गए। ग्राहकों द्वारा गिरवी रखे गए 96 गोल्ड पैकेट सेफ से गायब थे। बैंक के पैनल एडवोकेट शिवकुमार शर्मा की विधिक रिपोर्ट के बाद, बैंक ऑफ इंडिया आगरा जोनल कार्यालय के मुख्य प्रबंधक आदित्य प्रताप सिंह ने अरांव थाने में लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी स्टाफ अधिकारी दिलीप कुमार निवासी ग्राम बासगांव, सरेहर, इटावा, नरेश कुमार निवासी रायपुरा करकोली, सादाबाद, हाथरस और धोखाधड़ी में प्राथमिकी दर्ज की है। एसएसपी आदित्य लांग्हे ने बताया कि अरांव थाना पुलिस और बैंक की विजिलेंस टीम ने संयुक्त रूप से मामले की जांच शुरू कर दी है।

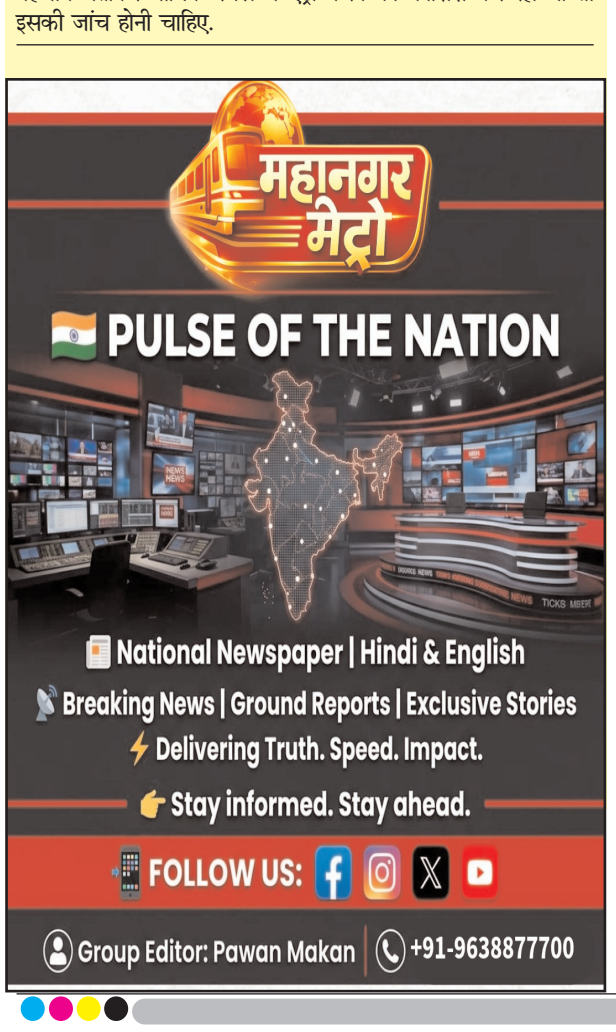

3 दिन में 6 साल के चंदे- खर्चे के हिसाब दें! श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट को लीगल नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में चंदा चोरी के मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टियों यानी महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज (अध्यक्ष), श्री चंपत राय (महासचिव) और स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज (कोषाध्यक्ष) को लीगल नोटिस मिला है. इस नोटिस में ट्रस्ट से कहा गया है कि वे नोटिस मिलने के तीन दिनों के भीतर, वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 के बीच मिले दान और किए गए खर्च का पूरा और साल-दर-साल ब्योरा दें. इसमें ऑडिट की गई बैलेंस शीट, आय-व्यय का विवरण, ऑडिटर की रिपोर्ट, ट्रस्ट द्वारा खरीदी गई ज़मीन की जानकारी, बैंक खाते की जानकारी और U FCRA के तहत मिले किसी भी विदेशी योगदान का ब्योरा शामिल होना चाहिए. ये नोटिस बिहार के बक्सर से RJD के मौजूदा सांसद सुधाकर सिंह ने उन्हें भेजा है. एडवोकेट सत्यम सिंह राजपूत ने कहा, 'यह नोटिस पूरी तरह से जनहित में जारी किया गया है, न कि किसी राजनीतिक, पक्षपाती या व्यक्तिगत मकसद से. ट्रस्ट भारत और विदेशों में लाखों भक्तों द्वारा दिए गए सार्वजनिक चंदे को एक ट्रस्टी (अमानतदार) के तौर पर संभालता है. जहां जनता का पैसा शामिल हो, वहां पारदर्शिता और जवाबदेही कोई एहसान नहीं है. ये हर दानदाता और आम जनता के प्रति एक जिम्मेदारी है.' इधर, सांसद सुधाकर सिंह ने कहा, 'मेरी चिंता बस यह पक्का करने की है कि भक्तों द्वारा नेक नीयत से दिए गए फंड का हिसाब-किताब पारदर्शी तरीके से हो. ज़मीन की खरीद, ऑडिट की गई जानकारी न देने और खर्च में पारदर्शिता की कमी को लेकर लगातार खबरें और चिंताएं सामने आती रही हैं. इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80ज के तहत रजिस्टर्ड और जनता का पैसा संभालने वाले ट्रस्ट की यह जिम्मेदारी है . कानून के तहत, ट्रस्ट के लिए इन्हें बनाए रखना और मांगे जाने पर इन्हें पेश करना अनिवार्य है.

मेरठ में मुस्लिम युवक संग बीवी को खरीदारी करते देख पति ने खोया आपा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। लालकुर्ती पैठ बाजार में बुधवार को उस समय हंगामा मच गया जब एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को दूसरे समुदाय के युवक के साथ खरीदारी करते हुए देख लिया। देखते ही देखते बढ़ गई। दोनों के बीच पहले जमकर कहा-सुनी हुई जो बाद में मारपीट में तब्दील हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस महिला के प्रेमी को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पुलिस ने बताया कि भावनपुर के रहने वाले युवक की शादी तीन साल पहले हुई थी। युवक की पत्नी का इंस्टाग्राम पर शहर के रहने वाले युवक से पहले दोस्ती हुई। बाद में दोनों चोरी-छिपे मिलने लगे। पत्नी की हरकतों पर पति को शक हुआ। वह उसका पीछा करते हुए लालकुर्ती पैठ पहुंच गया। वहां पत?नी को उसका प्रेमी मिला। दोनों एक दुकान में खरीदरी करने लगे। पति ने पहले दोनों का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों में हाथापाई शुरू हो गई। स्थानीय दुकानदारों में पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को अपने साथ थाने ले गई। थाने में पति ने आरोप लगाए कि उसकी पत्नी का ब्रेनवॉश कर उसके धर्मांतरण की तैयारी की जा रही है। वहीं, पत्नी ने कहा कि वो बालिग है और अपनी इच्छा से किसी के साथ रहने के लिए स्वतंत्र है, इसलिए वह अपने प्रेमी के साथ ही रहेगी।

हिंदू संगठनों ने भी किया हंगामा

सूचना पर पहुंचे हिंदू संगठन के लोगों ने भी जमकर हंगामा किया। अखिल भारतीय हिंदू संगठन से पहुंचे सचिन सिरोही ने कहा कि मुलिम युवक पिछले 6 महीने से हिंदू महिला को लव जेहाद में फंसा रखा है। ये लोग सोशल मीडिया के माध्यम से हिंदू महिला ओर युवतियों से दोस्ती करते हैं। बाद में उनका धर्मांतरण करवाते है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की तो वो थाने पर धरना-प्रदर्शन करेंगे।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

कॉकरोच जनता पार्टी फिर 20 जून को जंतरमंतर पर करेगी प्रोटेस्ट, पुलिस से मांगी परमिशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने बुधवार को कहा कि उसने 20 जून को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस से इजाजत मांगी है और उसे भरोसा है कि इस मांग पर मंजूरी मिल जाएगी. पार्टी ने एक बयान में कहा कि उसने पुलिस की सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन की जानकारी सौंप दी है, जिसमें वॉलंटियर्स की तादाद और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दूसरी व्यवस्थाएं शामिल हैं. इससे पहले, CJP के संस्थापक अभिजीत दिपके ने ऐलान किया था कि वे 20 जून से जंतर-मंतर पर तब तक अनिश्चितकालीन धरना देंगे, जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते. CJP के प्रवक्ता सौरव दास ने बयान में कहा, 'हमने दिल्ली पुलिस को औपचारिक रूप से 20 जून, 2026 को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन और धरने के बारे में जानकारी दे दी है. दिल्ली पुलिस ने कहा है कि वे कल सुबह हमें जवाब देंगे. हमें भरोसा है कि पुलिस इजाजत दे देगी. ' पुलिस अधिकारियों से मिलने के बाद एक वीडियो बयान में सौरव दास ने कहा कि उन्होंने प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से जुड़ी जरूरी प्रक्रियाओं को पूरा करने में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में अपना पूरा दिन बिताया. उन्होंने कहा, 'मैंने पूरी योजना, जरूरी वॉलंटियर्स की तादाद और पुलिस की जरूरत के हिसाब से बाकी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं. हमें उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस हमारा सहयोग करेगी. CJP ने पुलिस को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया और कहा कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण होगा. उन्होंने कहा, 'देश भर में हमारे हर दूसरे विरोध प्रदर्शन की तरह, यह विरोध प्रदर्शन भी शांतिपूर्ण होगा. देश भर से लोग जंतर-मंतर पर हमारे साथ एक ही मांग के लिए जुड़ेंगे- धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा. दास ने आगे कहा, 'हमने अपना पूरा सहयोग देने की पेशकश की है.

डॉक्टर की पत्नी ने शादी के 48 दिन बाद किया सुसाइड, पति ने नजर रखने के लिए घर के अंदर बाहर लगाए थे CCTV

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंबरनाथ से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के महज 48 दिन बाद 26 वर्षीय विशाखा तिलकर ने घरेलू उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। विशाखा की शादी 30 अप्रैल को डॉक्टर नितिन तिलकर से हुई थी। परिवार का कहना है कि शादी से पहले सब कुछ सामान्य था, लेकिन शादी के कुछ ही दिनों बाद ससुराल वालों का व्यवहार अचानक बदल गया। आरोप है कि विशाखा पर लगातार मायके से पैसे, गहने और अन्य कीमती सामान लाने का दबाव बनाया जा रहा था। विशाखा के परिजनों ने बताया कि उसके पति नितिन तिलकर ने घर के अंदर और बाहर कई सीसीटीवी कैमरे लगवा रखे थे। इससे वो उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी जाती थी। परिवार का आरोप है कि उसकी निजी जिंदगी पूरी तरह खत्म कर दी गई थी। यहां तक कि अगर वह किसी पड़ोसी या बाहरी व्यक्ति से बात कर लेती थी तो घर लौटते ही उसके साथ मारपीट की जाती थी। आत्महत्या से दो दिन पहले भी विशाखा को सिर्फ पड़ोसन से बात करने पर बेरहमी से पीटा गया था। उसने फोन कर अपनी पीड़ा बताई थी। उसने बताया था कि कैसे ससुराल वाले उसपर अत्याचार कर रहे हैं। हम उसे वापस घर लाने की तैयारी कर रहे थे। इस लगातार हो रहे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न से वह पूरी तरह टूट चुकी थी। घर लाने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन इससे पहले ही उन्हें उसकी आत्महत्या की खबर मिल गई। इस घटना के बाद अंबरनाथ के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में पति नितिन तिलकर, उसकी मां छाया तिलकर और भाई निनाद तिलकर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का मामला दर्ज किया गया है।

बस 48 मिनट में तय होगी इन दो शहरों की दूरी, भारत खुद बनाएगा अगला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। बुलेट ट्रेन के बन जाने से मुंबई से पुणे की 170 किलोमीटर की दूरी को मात्र 48 मिनट में तय किया जा सकेगा. रेल मंत्री ने पुणे से हैदराबाद के बीच बनने वाले बुलेट ट्रेन के बारे में कहा कि 500 किलोमीटर की ये दूरी बुलेट ट्रेन 2 घंटे 8 मिनट में तय करेगी. रेल मंत्री ने बुधवार को पुणे में कहा कि बुलेट ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है. अब देश में बुलेट ट्रेन बनाने की क्षमता है. प्रधानमंत्री मोदी ने 7 नए कॉरिडोर का ऐलान किया है. इनमें से मुंबई-पुणे कॉरिडोर पर काम अगले साल शुरू किया जाएगा. अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के पहले हिस्से में अगले साल काम चालू हो जाएगा और इसका उद्घाटन भी होगा. काम तेजी से चल रहा है. अब देश में बुलेट ट्रेन बनाने की क्षमता है. इसलिए प्रधानमंत्री ने एक कॉरिडोर पर फैसला लिया है. इस कॉरिडोर के बनने से मुंबई-पुणे कॉरिडोर (170 किलोमीटर लंबी) के बीच का सफर सिर्फ 48 मिनट का रह जाएगा. इसका मतलब है कि मुंबई और पुणे ट्विन शहर बन जाएंगे और यह सुविधा एक बहुत अच्छा आर्थिक कॉरिडोर और बेहतरीन सांस्कृतिक केंद्र साबित होगी. ' केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि बुलेट ट्रेन शुरू होने का मतलब होगा कि पुणे, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत, वापी और ठाणे. ये सभी मिलकर एक बहुत अच्छा आर्थिक इकोसिस्टम बनाएंगे. उन्होंने कहा कि हमारे किए गए कामों का सीधा असर दिख रहा है. हमने हाल ही में पुणे से कई नई ट्रेनें शुरू की हैं. यह क्षमता बढ़ाने की वजह से मुमकिन हो पाया है. साथ हीअलग-अलग स्टेशनों पर भी काम बहुत अच्छे से चल रहा है. ये सभी स्टेशन बहुत जटिल हैं और यहां बहुत ज़्यादा ट्रैफ़िक रहता है. लेकिन काम बहुत मेहनत और सावधानी से किया जा रहा है, ताकि ट्रैफ़िक में कम से कम रुकावट आए और पूरी सुरक्षा बनी रहे.

UBT की व्हिप वाली मीटिंग में पहुंचे सिर्फ 3 सांसद, 6 बागी सांसद लापता, अनिल देसाई बोले- नोटिस भेजकर मांगेंगे जवाब

उद्धव ठाकरे के बुलावे के बावजूद उनकी पार्टी की अहम बैठक में सिर्फ तीन सांसदों का पहुंचे है। यह घटनाक्रम पार्टी के लिए बड़े राजनीतिक संकट की ओर इशारा कर रहा है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। शिवसेना यूबीटी की संसदीय दल की बैठक में नौ में से तीन ही लोकसभा एमपी पहुंचे। छह लोकसभा एमपी व्हिप के बाद भी नहीं आए। उद्धव गुट की मीटिंग में पहुंचने वाले सांसदों में राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे, अनिल देसाई और अरविंद सावंत शामिल है। बाकी के 6 सांसद की कोई खबर नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि उन्होंने अलग गुट बनाया है और शिंदे की शिवसेना में विलय के लिए हस्ताक्षर कर दिए। बागी गुट का कहना है कि उद्धव ठाकरे पार्टी को कांग्रेस में विलय करना चाहते हैं, इससे बचने के लिए उन्होंने अलग रास्ता अपनाया है।

व्हिप का उल्लंघन करने वाले सांसदों को भेजेंगे नोटिस

बागी सांसदों को कहना है कि उन्हें अब पार्टी नेतृत्व पर भरोसा नहीं रह गया है। उद्धव गुट के सांसद अनिल देसाई ने 6 सांसदों की गैरहाजिरी पर कहा कि व्हिप का उल्लंघन करने वाले सांसदों को कारण बताओ नोटिस भेजा जाएगा। संसदीय दल की बैठक में मौजूद शिवसेना सांसद राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे ने कहा कि वह पार्टी के संपर्क में हैं। उनकी लीडरशिप से लगातार बातचीत हो रही है। इस बीच सांसद ओमप्रकाश राजे निंबालकर के शिव सेना (यूबीटी) से बगावत करने की चर्चाओं की पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र में उनके धाराशिव निर्वाचन क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं ने चेताया है कि पार्टी छोड़ने वालों के चेहरे पर गोबर पोता जाएगा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी को धोखा देने वालों को धाराशिव में खुलेआम बाहर निकलने नहीं दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, बढ़ते राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना (यूबीटी) के बागी नेताओं के एक समूह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष बिरला से अनौपचारिक मुलाकात की और निचले सदन में पार्टी के नौ सांसदों में से छह के समर्थन का दावा किया।

प्रियंका चतुर्वेदी ने BT के बागी सांसदों को कहा सपोला, बीजेपी को दी नसीहत, आज हमें डंसा, कल आपकी बारी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे एक बार फिर से मुश्किलों में नजर आ रहे हैं। उन्हें एक बार फिर पार्टी में टूट का सामना करना पड़ सकता है। शिवसेना यूबीटी के 9 में से 6 सांसदों के शिंदे की शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। प्रियंका ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसे पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि बीजेपी इस भ्रम में ना रहे के सपोलों की टोली जमा करके, सांपों को दूध पिलायेंगे और वह सिर्फ विपक्ष को डसेंगे। आपका समय भी आयेगा क्योंकि सांप की फितरत ही डंसना है, आज अगर हमारी बारी है, कल आपकी भी हो सकती है। वहीं प्रियंका चतुर्वेदी ने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं और कथित 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो नेता किसी राजनीतिक दल के नाम और चुनाव चिह्न पर जीतकर संसद या विधानसभा पहुंचते हैं, उनके लिए पार्टी छोड़ने के बाद भी उस सीट पर बने रहना उचित नहीं है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यदि किसी नेता को अपनी पार्टी से असंतोष है तो उसे जनता के बीच जाकर अपने दम पर चुनाव लड़ना चाहिए और नया जनादेश प्राप्त करना चाहिए। ऐसे राजनीतिक घटनाक्रमों को 'ऑपरेशन टाइगर' कहना गलत है। इसे 'ऑपरेशन गद्दारी' कहा जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस मामले में उनकी पार्टी ने लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष संविधान का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखा है। यह मामला अभी भी न्यायिक प्रक्रिया में लंबित है और पार्टी कानूनी लड़ाई लड़ रही है। शिवसेना (यूबीटी) सांसदों को तोड़ने के लिए 15-15 करोड़ रुपए का ऑफर दिए जाने संबंधी संजय राउत के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यदि कोई वरिष्ठ नेता किसी संभावित राजनीतिक घटनाक्रम की जानकारी होने का दावा करता है, तो उसके पीछे कुछ न कुछ आधार अवश्य हो सकता है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों से संपर्क साधे जाने और संभावित दलबदल की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे में इस तरह की चर्चाओं पर उन्हें कोई हैरानी नहीं होगी। प्रियंका चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की राजनीति में पहले भी खरीद-फरोख्त और राजनीतिक सौदेबाजी के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे घटनाक्रम लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक ईमानदारी पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

बारिश में देरी से बढ़ी किसानों की टेंशन, खरीफ फसलों पर संकट! बुवाई को लेकर एडवाइजरी जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। देश में मॉनसून की शुरुआत के साथ किसानों के चेहरे पर खुशी आ जाती है लेकिन इस बार चिंता की लकीरें दिखाई दे रही हैं. कम बारिश के अनुमान के बीच मॉनसून की सुस्त ने किसानों की टेंशन बढ़ा दी है. बारिश में देरी की वजह से खरीफ सीजन की फसलों की बुवाई पर असर पड़ रहा है. जून का आधा महीना बीत चुका है लेकिन आसमान से बादल नदारद हैं. मौसम की बेरुखी ने किसानों को मायूस कर दिया है. दरअसल, मौसम विभाग ने इस साल औसत से कम बारिश का अनुमान जताया है, जिससे बुवाई के लिए तैयार किसानों के सामने दोहरी समस्या खड़ी हो गई है. मॉनसून में देरी और कम बारिश को देखते हुए महाराष्ट्र के ठाणे जिला प्रशासन ने किसानों को खरीफ फसलों की बुवाई फिलहाल टालने की सलाह दी है. कृषि विभाग ने कहा है कि कम से कम 100 मिमी बारिश होने के बाद ही बुवाई की जाए ताकि पौधों की बेहतर वृद्धि हो सके. प्रशासन ने सूखे की स्थिति से निपटने के लिए आकस्मिक फसल योजना भी तैयार की है.

क्या करें किसान? जल्दी पकने वाली धान की किस्में बोएं नर्सरी में 1 प्रतिशत यूरिया का घोल छिड़काव करें. इससे पौधों में सूखे का सामना करने की क्षमता बढ़ेगी. ाधुनिक खेती के लिए जिला परिषद 500 टिलर मशीनें सब्सिडी पर बांट रही है. जिला प्रशासन ने पहले ही कई तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम और El Nino जागरूकता अभियान चलाए हैं. किसानों को सब्सिडी वाली अच्छी क्वालिटी के बीज भी उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि खरीफ मौसम में उत्पादन पर कम असर पड़े. महाराष्ट्र में हालत चिंताजनक महाराष्ट्र में जून के पहले पखवाड़े में सिर्फ 26 प्रतिशत ही सामान्य बारिश हुई है. राज्य सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक में इस स्थिति की समीक्षा की. कैबिनेट ने चिंता जताते हुए कहा कि किसान फसल बुवाई में जल्दबाजी न करें. बैठक में जलाशयों में पानी का स्टॉक घटने और पानी का सावधानी से उपयोग करने की जरूरत पर भी जोर दिया गया. कृषि विभाग के अधिकारी किसानों से अपील कर रहे हैं कि वे मौसम की खबरों पर नजर रखें और बिना पर्याप्त बारिश के बुवाई न करें. इससे फसल खराब होने का खतरा कम हो जाएगा और किसानों को नुकसान से बचाया जा सकेगा.

शिकंजी, ORS और साफ पानी की व्यवस्था; री-नीट एग्जाम के लिए दिल्ली सरकार ने बनाए स्पेशल कूलिंग जोन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देशभर में 21 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने मानवीय पहल की है। सरकार ने नीट परीक्षार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों की सुविधा का भी विशेष प्रबंध किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह पहली बार है, जब परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने वालों के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिजनों के आराम एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए कूलिंग जोन बनाए जा रहे हैं, जहां उनके बैठने की सुविधा, स्वच्छ पेयजल, शिकंजी आदि आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में नीट परीक्षा के लिए कुल 97 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 69 सरकारी विद्यालय में तथा 28 केंद्रीय विद्यालयों में हैं। इन परीक्षा केंद्रों के आसपास जिला प्रशासन द्वारा विशेष कूलिंग जोन स्थापित किए जा रहे हैं, जहां अभिभावकों और परिजनों के बैठने, विश्राम करने तथा गर्मी से राहत पाने की समुचित व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि हर वर्ष लाखों परिवार अपने बच्चों के भविष्य के सपनों के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचते हैं। परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी तो केंद्र के भीतर होते हैं, लेकिन बाहर कई घंटे तक प्रतीक्षा कर रहे माता-पिता की चिंता, धूप, गर्मी और असुविधा पर अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाता। दिल्ली सरकार ने इस मानवीय पहलू को समझते हुए यह निर्णय लिया है कि परीक्षा के दिन अभिभावकों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

आरामदायक प्रतीक्षा व्यवस्था उपलब्ध होगी

रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि अब तक अक्सर देखा जाता था कि परीक्षा के दौरान परिजन कभी किसी पेड़ की छांव तलाशते थे, कभी पार्क में बैठकर समय बिताते थे, तो कभी आसपास की बाजारों में इधर-उधर भटकते रहते थे। कई लोगों को भीषण गर्मी में लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता था। अब ऐसी स्थिति नहीं होगी। परीक्षा केंद्रों के बाहर ही उनके लिए आरामदायक प्रतीक्षा व्यवस्था उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि डिविजनल कमिश्नर (डीएम) के निर्देश से संबंधित अधिकारी सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास कूलिंग जोन की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं। इन कूलिंग जोन में बैठने की सुविधा, स्वच्छ पेयजल, शिकंजी, ओआरएस, चाय तथा प्राथमिक चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी ताकि अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

परीक्षा से जुड़ा अनुभव बनेगा बेहतर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल परीक्षा का सफल आयोजन नहीं, बल्कि परीक्षा से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के अनुभव को बेहतर बनाना है। जब अभिभावक सहज और निश्चिंत रहेंगे तो विद्यार्थियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा और युवाओं के भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों और उनके परिवारों को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है। यह पहल केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि उन लाखों माता-पिता के प्रति सम्मान का प्रतीक है .

छत पर मेड की लाश और पास में बैठा डॉक्टर, दिल्ली में सनसनीखेज वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के काफी पॉश इलाके कैलाश हिल्स में बुधवार को एक महिला की हत्या से हड़कंप मच गया. मृतका की पहचान 45 साल की मीना के रूप में हुई है, जो घरों में मेड तौर पर काम करती थी. पुलिस ने इस मामले में एक डॉक्टर को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है.

'खून में सनी है महिला, पास में बैठा डॉक्टर'

गुरुवार सुबह करीब 11:36 बजे अमर कॉलोनी थाने में पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि माउंट कैलाश इलाके में एक मकान की छत पर एक महिला खून से लथपथ हालत में पड़ी है. सूचना मिलते ही एसीपी कालकाजी, एसएचओ अमर कॉलोनी और स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची. जांच के दौरान पुलिस को छत पर महिला का शव मिला. मौके पर आरोपी व्यक्ति भी मौजूद था, जिसकी पहचान 50 साल से अधिक उम्र के एक डॉक्टर के रूप में हुई. पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में महिला पर पहले बैट से हमला करने और बाद में चाकू का इस्तेमाल करने की बात कबूली है. घटनास्थल से बैट और चाकू भी बरामद किए गए हैं, जिन्हें हत्या में इस्तेमाल किए जाने की आशंका है. पुलिस ने आरोपी को मौके से ही पकड़ लिया और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी. फिलहाल पुलिस हत्या के पीछे की वजह जानने का प्रयास कर रही है. शुरुआती जांच में दोनों के बीच किसी विवाद की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है.

सीएम रेखा गुप्ता की अधिकारियों को चेतावनी, मॉनसून में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि मानसून के दौरान जलभराव को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. आगामी मॉनसून और बाढ़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए, उन्होंने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय राजधानी में चिन्हित किए गए प्रत्येक जलभराव स्थल पर एक समर्पित नोडल अधिकारी तैनात किया जाए, जिसकी जवाबदेही और जिम्मेदारियां पूरी तरह से तय हों. सीएम ने सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग की शीर्ष समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिया. मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, 'यदि किसी भी क्षेत्र में जलभराव होता है, तो संबंधित अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा. सभी विभाग अपनी टीमों को अलर्ट पर रखें और मानसून के दौरान किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें. ' मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राहत और बचाव कार्यों में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों की जांच तय नियमों के अनुसार की जानी चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि यदि बाढ़ के कारण लोगों को किसी इलाके से सुरक्षित बाहर निकालना पड़े, तो इसके लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं. एक अधिकारी ने बताया, '22 मुख्य नालों सहित कुल 77 नालों से 30 लाख मीट्रिक टन से अधिक गाद निकाली जा चुकी है, जबकि बचा हुआ काम युद्ध स्तर पर जारी है.' इसके अलावा, हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने, पल्ला क्षेत्र में पानी के बहाव और यमुना नदी के जलस्तर की लाइव जानकारी के लिए विभाग द्वारा एक नया डिजिटल सिस्टम विकसित किया गया है. मुख्यमंत्री गुप्ता ने बताया कि इस साल स्थायी, मोबाइल और ट्रैक्टर वाले पंपों की संख्या बढ़ाकर 243 से अधिक कर दी गई है. आपातकालीन स्थिति के लिए उपलब्ध नावों की संख्या भी 41 कर दी गई है.

जो आएंगे वो हमारे, जो नहीं आएंगे वो बेईमान और गद्दार', संसद पहुंचते ही बोले संजय राउत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। शिवसेना में संभावित फूट की अटकलों के बीच, पार्टी की संसदीय बैठक के लिए गुरुवार दोपहर तक सिर्फ तीन लोकसभा सांसद ही पहुंचे, जबकि सदस्यों को सुबह 11 बजे की बैठक के बारे में जानकारी दी गई थी. बागी खेमे में माने जाने वाले किसी भी सांसद ने अब तक बैठक में हिस्सा नहीं लिया है. राज्यसभा सांसद और पार्टी के सीनियर नेता संजय राउत के अलावा, लोकसभा सांसद अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे मीटिंग के लिए पहुंचे. इस बीच, संजय राउत ने संसद परिसर में पहुंचने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि जो आएंगे वो हमारे और जो नहीं आएंगे, वो बेईमान और गद्दार हैं.

मीटिंग के लिए कौन पहुंचा?

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट में संभावित दलबदल की अटकलों के बीच, शिवसेना के नेता संजय राउत, अरविंद सावंत और राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे गुरुवार को पार्टी की संसदीय दल की बैठक में शामिल होने के लिए संसद पहुंचे. इस बैठक पर बारीकी से नजर रखी जा रही है क्योंकि पार्टी के संसदीय खेमे में संभावित फूट की खबरें लगातार आ रही हैं. उम्मीद है कि पार्टी नेता अपने खेमे में समर्थन का आकलन करेंगे और बदलती राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करेंगे. PM मोदी पर संजय राउत का तंज मीटिंग में शामिल होने संसद के लिए निकलने से पहले शिवसेना के सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेश देने के बजाय पहले देश के अंदर के घटनाक्रमों पर ध्यान दिया जाना चाहिए. राउत ने आगे कहा कि अरविंद सावंत ने पार्टी व्हिप जारी किया है.

गरीबों को धमकाकर 3 लाख रुपये का लालच दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। एक तरफ बेघर हुए गरीब प्रभावित लोग न्याय के लिए भटक रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह चौंकाने वाला आरोप लगा है कि इस पूरे मामले को दबाने के लिए दबंग तत्वों और बिल्डर लॉबी ने एक मास्टर प्लान तैयार किया है जो पर्दे के पीछे खेल रहे हैं। पीड़ितों को धमकाकर मुंह बंद रखने के लिए 3 लाख रुपये देने की चर्चा ने सूरत की राजनीति और प्रशासन में काफी गर्मी पैदा कर दी है। जिस तरह से बिना किसी ऑफिशियल नोटिस के रातों-रात गरीबों के घरों पर बुलडोजर चला दिया गया, उससे लोकल लोगों में बहुत गुस्सा है। 20 दिन बाद भी किस बड़े आदमी के कहने पर यह 'भूतिया तोड़-फोड़' का खेल खेला गया, इसकी फाइल क्यों दबा दी गई इस मामले पर कॉर्पोरेशन या पुलिस सिस्टम चुप क्यों बैठा है? मुंह बंद रखने के लिए 3 लाख रुपये का ऑफर और 'गारंटी लेटर' का खतरनाक खेल! प्रभावित लोगों के लगाए आरोप बेहद गंभीर और चौंकाने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक, मामले को कोर्ट या ऊपर तक पहुंचने से रोकने के लिए पीड़ितों पर फेस-ऑफ, फाइन और भेदभाव की पॉलिसी अपनाई जा रही है।'पीड़ितों को डरा-धमकाकर खास तौर पर तैयार किए गए 'गारंटी लेटर' पर साइन करवाने का प्लान बनाया गया है। माना जा रहा है कि इस लेटर में ऐसा टेक्स्ट है कि 'हमने अपनी मर्ज़ी से अपना घर खाली कर दिया है.

परिवार ने मेडिकल लापरवाही के गंभीर आरोपों के साथ PM की मांग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के सरसपुर इलाके में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा चलाया जाने वाला शारदाबेन हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों के भंवर में फंस गया है। डिलीवरी (प्रसव) के लिए हॉस्पिटल आई एक प्रेग्नेंट महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई, जिससे भारी हंगामा मच गया। मृतक महिला के परिवार ने हॉस्पिटल के डॉक्टरों और स्टाफ़ पर मेडिकल लापरवाही के बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित परिवार का दावा है कि जब मरीज़ की हालत बेहद गंभीर थी, तो हेड डॉक्टर मौजूद रहने के बजाय फ़ोन पर बैठकर स्टाफ़ को निर्देश दे रहे थे। इस मामले में परिवार ने इंसाफ़ के लिए हॉस्पिटल के आंगन में गुस्सा जताया है और बॉडी का पैनल PM (पोस्टमॉर्टम) कराने की मांग की है। भगवान माने जाने वाले डॉक्टरों की ऐसी लापरवाही? परिवार ने लगाए सनसनीखेज आरोप मिली जानकारी के मुताबिक, महिला को डिलीवरी के लिए सरसपुर के शारदाबेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

करोड़ों की ज़मीन हड़पने के लिए मरी हुई औरत को ज़िंदा किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। गुजरात में लैंड माफिया और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत के मामले बार-बार सामने आते रहते हैं, लेकिन इस बार जिसे सुनकर कानून के रखवाले भी अपना सिर हिला देंगे! अंबाजी इलाके में करोड़ों रुपये की कीमती ज़मीन हड़पने के लिए लैंड माफिया ने न भूत-प्रेत का खेल खेला है, न किस्मत का, न कानून का और न खुद भगवान का। सालों पहले मर चुकी एक औरत को कागज़ों में 'ज़िंदा' कलेक्टर ऑफिस लाने, उसका डॉक्यूमेंट बनाने और अरबों की ज़मीन बेचने का बड़ा स्कैम किया गया है!

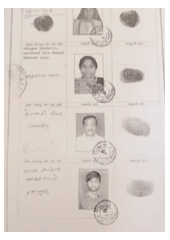

काम करने का तरीका: 'मरी हुई' औरत कलेक्टर ऑफिस कैसे पहुंची?

यह पूरा स्कैम किसी फ़िल्म की स्क्रिप्ट जैसा है। लैंड माफिया ने कीमती ज़मीन हड़पने के लिए एक सिस्टमैटिक नेटवर्क बनाया था, जिसके मेन पॉइंट इस तरह हैं

डमी औरत बनाई गई: असली मालिक, यानी सालों पहले मर चुकी औरत के नाम पर एक डमी (बोगस) औरत बनाई गई।

सरकारी ऑफिस में सेटिंग: इस डमी औरत को पूरे भरोसे के साथ कलेक्टर ऑफिस में पेश किया गया। सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत या बड़ी लापरवाही की वजह से, उस डमी औरत के फिंगरप्रिंट भी बिना किसी क्रॉस-वेरिफिकेशन के सरकारी डॉक्यूमेंट्स पर ले लिए गए!

बैंक अकाउंट का खेल: स्कैम को लीगल रंग देने के लिए मरी हुई औरत के नाम पर एक बोगस बैंक अकाउंट खोला गया। उसमें ज़मीन की कीमत के तौर पर 15 लाख भी जमा किए गए।

एक झटके में पैसा: जैसे ही अकाउंट में पैसा आया, वह सारा पैसा एक पल में निकालकर गैंग की जेब में डाल दिया गया और अकाउंट साफ हो गया क्या 'मोती माया' के असर में सिस्टम अंधा हो गया हैं.

पंजाब के विकास की रफ्तार धीमी नहीं पड़ने दूंगा: मुख्यमंत्री मान

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि पंजाब अब पिछली सरकारों की गलतियों और बुरे कार्यों का शिकार नहीं बनेगा, बल्कि विकास, मौकों और समृद्धि के एक नए युग की ओर निरंतर बढ़ रहा है। होशियारपुर के टांडा स्थित भट्टलां गांव में उन्होंने कहा कि उपजाऊ भूमि, प्रचुर जल संसाधनों और मेहनती लोगों के बावजूद, पिछली सरकारों ने राज्य के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी, जिसके कारण पंजाब अपनी पूरी क्षमता से विकास नहीं कर सका।

मुख्यमंत्री मान ने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने तथा एक ऐसा रंगला पंजाब सृजित करने की बात कही, जहाँ किसी भी युवा को बेहतर भविष्य की तलाश में विदेशों की ओर जाने की जरुरत नहीं होगी। उन्होंने अपनी सरकार की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाकर कहा कि बरगाड़ी बेअदबी और बहिबल कलां-कोटकपूरा गोलीकांड के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा कर जेल भेजा जाएगा। सीएम मान ने जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 का भी जिक्र किया, जो बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान करता है। उन्होंने अकाली नेतृत्व पर आरोप लगाया कि उन्होंने गुरबानी के नाम पर वोट मांगे, लेकिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा करने में विफल रहे।

सीएम मान ने पंजाब के सफर पर कहा कि राज्य ने 1947 के विभाजन, 1984 के दंगों और पिछली सरकारों द्वारा वर्षों की लूट-खसोट जैसे कई दुख झेले हैं, लेकिन अब इस प्रगति को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि पंजाब में संसाधनों की कोई कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से ऐसी नेतृत्व क्षमता की कमी थी जो निजी और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर राज्य के हितों को सर्वोपरि रखे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से भावुक अपील की कि उन्हें केवल कनाडा, अमेरिका या अन्य विदेशों के सपने देखने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए, क्योंकि सरकार पंजाब में ही मौके पैदा कर रही है।

इस दिशा में, पंजाब सरकार ने ग्रुप-सी और ग्रुप-डी की महिला कर्मचारियों को उनके घरों से 40 किलोमीटर के दायरे में तैनात करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे हजारों महिला कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने हाई-टेंशन बिजली की तारों को भूमिगत करने की देश की पहली परियोजना, 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली, किसानों को दिन के समय बिजली और सिंचाई को मजबूत करने के लिए 14,000 किलोमीटर से अधिक पाइपलाइनें बिछाने जैसी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त, मावां-धियां सम्मान योजना के तहत सभी वर्गों की 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह और अनुसूचित जाति भाईचारे की महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा पंजाब उनका परिवार है और लोगों द्वारा दिखाया गया प्यार व विश्वास उन्हें और अधिक समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है।

पीएम मोदी पर कथित टिप्पणी: खरगे के खिलाफ विशेषाधिकार समिति से शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ दायर शिकायत को राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति को जांच और विचार के लिए सौंपा गया है। यह कदम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के छह सांसदों द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पर सदन और उसके सदस्यों की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाली अपमानजनक, टिप्पणियाँ करने का आरोप लगाने के बाद उठाया गया है।

राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सदन के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने नियम 203 के तहत मामले को समिति के पास भेज दिया है। इसकी शिकायत भाजपा सांसद बृजलाल, मिथिलेश कुमार, सुमित्रा बाल्मिक, शिवेश कुमार, सिकंदर कुमार और नागेंद्र राय ने संयुक्त रूप से दाखिल की थी। अधिसूचना में इस संबंध में 16 जून, 2026 की तारीख का उल्लेख है।

बीजेपी सांसदों ने शिकायत में आरोप लगाया है कि कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष खरगे लगातार और जानबूझकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ इसतरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे संसद की गरिमा कम हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संवैधानिक पद पर आसीन किसी व्यक्ति से मर्यादित भाषा और जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा होती है, और खरगे की टिप्पणियाँ संसदीय परंपराओं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ हैं। यह विशेषाधिकार नोटिस राज्यसभा की कार्यवाही और कामकाज संचालन नियमावली के नियम 188 के तहत दाखिल हुआ था। नियम 188 सदस्यों को सदन की गरिमा, विशेषाधिकार या संसदीय परंपराओं के उल्लंघन के मामलों में नोटिस देने की अनुमति देता है। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष हैं। समिति के अन्य सदस्यों में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, दीपक प्रकाश, सुमेर सिंह सोलंकी, सुरेंद्र सिंह नागर, मनन कुमार मिश्रा और निर्दलीय सांसद कार्तिकेय शर्मा शामिल हैं।

दलाई लामा का शांति संदेश: तिब्बती कूटनीति और चीन की बढ़ती रणनीतिक चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बतियों के सर्वोच्च आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष संदेश साझा किया, इसमें उन्होंने मानवीय मूल्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्नेह और गर्मजोशी से मिलने वाली खुशी से आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे डर कम होता है, आपसी भरोसा पैदा होता है और दोस्ती विकसित होती है। दलाई लामा ने सहयोग को सामाजिक प्राणी के रूप में मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक बताकर भरोसे पर आधारित बताया। उन्होंने रेखांकित किया कि एक दयालु मन और गर्मजोशी भरा व्यवहार आसपास के माहौल को अधिक सकारात्मक बनाता है। हालांकि, इस शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक ट्वीट ने वैश्विक स्तर पर तत्काल ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि भू-राजनीतिक विशेषज्ञ इसमें एक गहरा राजनीतिक निहितार्थ देख रहे हैं, जो सीधे तौर पर चीन के लिए एक नई चिंता और चुनौती बन सकता है।

यह संदेश चीन के लिए इसलिए संवेदनशील है क्योंकि तिब्बत पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 70 वर्षों के सख्त नियंत्रण के बावजूद, बीजिंग को हमेशा वहां चीन-विरोधी आंदोलन के फिर से भड़कने का डर बना रहता है। दलाई लामा आज भी दुनिया भर के तिब्बती समुदाय के लिए सबसे प्रभावशाली और सर्वमान्य नेता हैं। चीन के तमाम राजनीतिक और प्रशासनिक सुधारों के बाद भी उनकी आध्यात्मिक पकड़ कमजोर नहीं हुई है। इसी संवेदनशीलता के चलते बीते साल चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तिब्बत की राजधानी ल्हासा का एक दुर्लभ और अचानक दौरा किया था, जो क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखने की बीजिंग की छटपटाहट को दिखाता है।

चीन की सबसे बड़ी रणनीतिक चिंता लामा के उत्तराधिकारी और उनके पुनर्जन्म के मुद्दे पर टिकी है। हाल ही में दलाई लामा ने स्पष्ट कर दिया था कि उनके भविष्य के पुनर्जन्म को मान्यता देने का एकमात्र विधिक और धार्मिक अधिकार केवल गादेन फोड्रंग ट्रस्ट के पास है। यह रुख बीजिंग के उस दावे के बिल्कुल विपरीत है, जिसमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी इस पूरी प्रक्रिया को अपना आंतरिक मामला और एकमात्र संप्रभु अधिकार मानती है। इसके अलावा, चीन पड़ोसी देश नेपाल को लेकर भी सतर्क है, जहां लगभग 12,000 निर्वासित तिब्बती शरणार्थी रहते हैं और जिसकी भौगोलिक सीमा तिब्बत से सटती है। वहीं दूसरी ओर, भारत ने साल 1959 से ही लामा और निर्वासित तिब्बती समुदाय को ससम्मान शरण दे रखी है। भारत सरकार हमेशा से धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करती है और आस्था से जुड़े आंतरिक मामलों पर कोई राजनीतिक पक्ष नहीं लेती, जिससे दलाई लामा की आध्यात्मिक प्रामाणिकता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परोक्ष रूप से मजबूत समर्थन मिलता है। चीन जहां इस धार्मिक परंपरा को राजनीति के चश्मे से देखता है, वहीं वैश्विक समुदाय और स्वयं तिब्बती लोग इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानते हैं।

PM इंटर्नशिप स्कीम में 15,000 करोड़ का बड़ा घोटाला, CAG ने गड़बड़ियों का पर्दाफाश किया: डॉ. मनीष दोशी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। केंद्र की मोदी सरकार की सबसे ज़्यादा प्रचारित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम एक बड़े घोटाले में बदल गई है, जिसमें देश और गुजरात के लाखों युवाओं के साथ धोखा हुआ है। कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ़ इंडिया (ष्टत्र) ने इस स्कीम में ?15,000 करोड़ की चौंकाने वाली गड़बड़ियों का पर्दाफाश किया है। इस मामले में गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर और स्पोक्सपर्सन डॉ. मनीष दोशी ने BJP सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि जिस स्कीम को 1 करोड़ युवाओं के लिए सुनहरा मौका बताया गया था, वह असल में क्रोनी कैपिटलिज्म और पॉलिटिकल प्रोटेक्शन का टूल बन गई है।

CAG रिपोर्ट ने सामने लाई कड़वी सच्चाई

कांग्रेस स्पोक्सपर्सन डॉ. मनीष दोशी ने एक प्रेस रिलीज में कहा है कि ष्टत्र रिपोर्ट ने मोदी सरकार के 'यूथ एम्पावरमेंट' के दावों की असली तस्वीर सामने ला दी है। यह पता चला है कि स्कीम में 95 परसेंट से ज़्यादा बेनिफिशियरी के रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ की गई है या वे गलत हैं। कई बेनिफिशियरी के बैंक अकाउंट इनवैलिड हैं, मोबाइल नंबर गलत हैं और इंटर्नशिप के दावे पूरी तरह से फेक हैं। फैंटम बेनिफिशियरी बनाकर और गलत डेटा दिखाकर बड़े पैमाने पर फंड का गलत इस्तेमाल किया गया है, जिससे पता चलता है कि यह गवर्नेंस नहीं बल्कि युवाओं के नाम पर पब्लिक के पैसे की ऑर्गनाइज्ड लूट है। गुजरात मॉडल भी घोटाले से नहीं बचा गुजरात के युवाओं के साथ हुए धोखे के बारे में डॉ. मनीष दोशी ने कहा कि गुजरात, जिसे BJP सरकार अपना मॉडल स्टेट कहती है, वह भी इस घोटाले से बच नहीं पाया। गुजरात में भी इसी तरह की गड़बड़ियां, गलत रजिस्ट्रेशन, ज़ीरो अकाउंटेबिलिटी और फंड का गलत इस्तेमाल देखा गया है। देश के दूसरे राज्यों की तरह गुजरात के युवाओं के साथ भी इस स्कीम में धोखा हुआ है, जिससे साबित होता है कि यह भ्रष्टाचार सिर्फ़ एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह केंद्र सरकार का स्पॉन्सर्ड घोटाला है।

जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी से जांच की मांग

गुजरात कांग्रेस ने 15,000 करोड़ की इन गड़बड़ियों की तुरंत, समय पर और स्वतंत्र जांच के लिए एक जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी बनाने की मांग की है। इसके साथ ही, यह मांग भी की गई है कि गलत इस्तेमाल किए गए सभी फंड को ब्याज के साथ वसूला जाए, घोटाले में शामिल सभी अधिकारियों और बिचौलियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और ष्टत्र रिपोर्ट समेत सभी संबंधित डॉक्यूमेंट्स जनता को पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराए जाएं। युवाओं की स्कीमें BJP के चहेतों के लिए ATM बन गई हैं कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि PMKVY से लेकर इस नई इंटर्नशिप स्कीम तक, युवाओं के लिए हर स्कीम सत्ताधारी पार्टी के चहेतों के लिए ऑल-टाइम मनी बन गई है। कांग्रेस पार्टी ने धमकी दी है कि वह इस स्कैम को छिपने नहीं देगी और जब तक सच सामने नहीं आ जाता, पार्लियामेंट से लेकर हर फोरम पर इस मुद्दे को उठाती रहेगी। भविष्य में मोदी सरकार को इस ऑर्गनाइज़्ड लूट का नतीजा भुगतना पड़ेगा।

राजभर को गंभीरता से नहीं लेता कोई: शिवपाल ने बताया सपा एकजुट

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर के सपा में अंदरूनी फूट के आरोपों को सिरे से खारिज किया है, इस बयान को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सुनियोजित साजिश बताया। गुरुवार को शिवपाल यादव ने बीजेपी और उसके सहयोगियों पर राजनीतिक लाभ के लिए झूठ फैलाने और समय-समय पर साजिशें रचने का आरोप लगाया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सपा का कोई भी सांसद पार्टी छोड़कर नहीं जाएगा, और ऐसी बातें केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने और चुनाव में सीटें हासिल करने के लिए होती हैं। शिवपाल ने राजभर पर निशाना साधकर कहा कि उनके बयान पैसे के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मुझे लगता है कि उन्हें ट्वीट करने के लिए पैसे मिलते हैं, इसीलिए वे ऐसी बातें कहते हैं और झूठ बोलते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

शिवपाल ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में राजभर को कोई गंभीरता से नहीं लेता। गौरतलब है कि एसबीएसपी नेता और उत्तर प्रदेश के मंत्री राजभर, जो पहले समाजवादी पार्टी के सहयोगी थे, अब बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के सदस्य हैं।

इसके पहले गुरुवार को राजभर ने समाजवादी पार्टी की आलोचना कर आरोप लगाया था कि पार्टी नेतृत्व केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की चल रही जांचों से खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा था कि राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जो चिट्ठी भेजी थी, उसमें पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से जुड़ी सीबीआई एफआईआर का जिक्र है। राजभर ने दावा किया था कि गायत्री प्रजापति जेल में हैं, जबकि अखिलेश यादव अभी बाहर हैं। उन्होंने गोमती रिवर फ्रंट मामले में राम गोपाल यादव के बेटे, शिवपाल यादव और उनके बेटे सहित परिवार के कई सदस्यों के शामिल होने का भी जिक्र किया, जिसके चलते समाजवादी पार्टी ने अपनी जान बचाने के लिए एक सूची जारी की थी।

तमिलनाडु विधानसभा में पारंपरिक प्रोटोकॉल बहाल : पहले राज्य गीत और फिर राष्ट्रगान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा ने गुरुवार को महत्वपूर्ण कदम उठाकर अपने लंबे समय से चले आ रहे पारंपरिक प्रोटोकॉल को बहाल किया। अब सदन की कार्यवाही की शुरुआत राज्य गीत तमिल थाई वाज्थु के गायन से हुई, और समापन राष्ट्रगान के साथ होगा। यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गानों के क्रम को लेकर उपजे बड़े राजनीतिक विवाद के ठीक एक महीने बाद हुआ है।

दरअसल यह बहाली दशक पुरानी परंपरा की वापसी है, जिसके तहत तमिलनाडु में सभी सरकारी और आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत राज्य गीत तमिल थाई वाज्थु से होती है, और समापन हमेशा राष्ट्रगान से होता है। हालांकि, बीते महीने मुख्यमंत्री विजय के शपथ ग्रहण समारोह में परंपरा को बदल दिया गया था। इस बदलाव पर न केवल विपक्षी दलों, बल्कि टीवीके का समर्थन करने वाले कई सहयोगियों ने कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। विवाद तब और गहरा गया जब समारोह के दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय के जनवरी 2026 के निर्देश के अनुसार वंदे मातरम का पूरा छह-पद वाला संस्करण बजाया गया।

विजय को 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत दिलाने में मदद करने वाले कई सहयोगियों ने फैसले पर सवाल उठाए थे। सीपीआई के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने तमिल थाई वाज्थु को सर्वोच्च स्थान देने पर जोर दिया था, जबकि वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन और पीएमके संस्थापक एस. रामदास ने भी इस क्रम की आलोचना कर विजय सरकार से तमिल स्तुति गीत को उचित महत्व देने का आग्रह किया था। डीएमके ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल ने सबसे पहले वंदे मातरम गाने पर जोर दिया और दावा किया कि यह घटनाक्रम विजय के भाजपा के करीब आने का संकेत है।

बढ़ती आलोचनाओं के बीच, टीवीके नेता आधव अर्जुन ने स्पष्टीकरण देकर जोर दिया कि उनकी सरकार बदले हुए क्रम का समर्थन नहीं करती। उन्होंने इस प्रारूप को तमिलनाडु के लिए अनुपयुक्त बताया और खुलासा किया कि जब तमिल थाई वाज्थु को कार्यक्रम में तीसरे स्थान पर रखा गया था, तब पार्टी ने राजभवन के समक्ष आपत्ति जाहिर की थी। अर्जुन के अनुसार, राजभवन ने उन्हें बताया था कि राज्यपाल को केंद्र सरकार द्वारा जारी नए सर्कुलर के अनुसार कार्य करना था।

शिवसेना में बगावत: पार्टी के इतिहास में चार बड़ी फूट की यादें हुईं ताजा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति फिर इतिहास को दोहराया जा रहा है, जहाँ शिवसेना (यूबीटी) उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में एक और बड़े दलबदल के खतरे का सामना कर रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उद्धव गुट के नौ लोकसभा सांसदों में से सात सांसद दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्ताधारी शिवसेना में शामिल होने के इच्छुक हैं। सूत्रों के अनुसार, इस संभावित बगावत की मुख्य वजह पार्टी के भीतर उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे को बड़ी संगठनात्मक और नेतृत्व भूमिका देने की तैयारी है। शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि कई मौजूदा सांसद आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में काम करने में सहज नहीं हैं। अटकलें हैं कि आगामी 19 जून को, जो अविभाजित शिवसेना का 60वां स्थापना दिवस है, शिवसेना (यूबीटी) आदित्य ठाकरे को लेकर कोई बड़ी घोषणा कर सकती है। इन अटकलों को बल तब मिला जब उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई सांसदों की बैठक में नौ में से केवल चार सांसद (अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजाभाऊ राजे और संजय पाटिल) ही व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे, हालांकि पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने अन्य सांसदों के फोन के ज़रिए संपर्क में होने की सफाई दी।

यह पहली बार नहीं है जब शिवसेना को अपने शीर्ष नेताओं की बगावत का सामना करना पड़ रहा है। बाल ठाकरे के दौर से लेकर आज तक, पार्टी ने कई बड़े कूटनीतिक और ऐतिहासिक विभाजन देख चुकी हैं। पार्टी के इतिहास में सबसे पहला बड़ा झटका 1991 में लगा, जब वरिष्ठ नेता छगन भुजबल 17 विधायकों के साथ शिवसेना से अलग होकर कांग्रेस में शामिल हुए थे, जिसने बाल ठाकरे के मज़बूत नियंत्रण पर पहली बार दरार डाली। इसके बाद, 2005 में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे को पार्टी से निकाले जाने के बाद उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया, जिससे कोंकण क्षेत्र में शिवसेना का आधार कमज़ोर हुआ। उसी साल, बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे, जिन्हें कभी उनका राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता था, ने नेतृत्व संघर्ष के बाद पार्टी छोड़ दी और 2006 में अपनी खुद की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) बनाकर शिवसेना के मराठी वोट बैंक के लिए नई चुनौती खड़ी की।

हालांकि, शिवसेना के इतिहास की सबसे बड़ी फूट 2022 में देखी गई, जब वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने बगावत की अगुवाई की, इसके परिणामस्वरूप उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। इस बगावत की जड़ में उद्धव ठाकरे का 2019 में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर सरकार बनाने का फैसला था, जिसे शिंदे गुट ने बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा से समझौता बताया। बागी विधायकों ने उद्धव तक पहुंच की कमी और सरकारी फंड के बंटवारे में असमानता जैसे आरोप लगाए। यह राजनीतिक संकट जून 2022 में महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में क्रॉस-वोटिंग के बाद तेज़ी से बढ़ा, जब शिंदे और 11 विधायक गुजरात के सूरत और फिर असम के गुवाहाटी चले गए। कुछ ही दिनों में, शिंदे ने शिवसेना के 55 में से 39 विधायकों का समर्थन पा लिया, जो दलबदल-विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए जाने से बचने के लिए ज़रूरी दो-तिहाई बहुमत था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रस्ट वोट पर रोक लगाने से इंकार करने के बाद, उद्धव ठाकरे ने 29 जून 2022 की रात को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया। इस बगावत ने न सिर्फ़ शिवसेना को दो गुटों में बांट दिया, बल्कि महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य को भी पूरी तरह से बदल दिया। अब एक बार फिर, उद्धव ठाकरे के सामने अपनी पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती आ खड़ी हुई है।

पीएफ खाता खोलना हुआ आसान, ईपीएफओ ने शुरू की चेहरा पहचान तकनीक

तकनीकी अड़चनें खत्म, बुजुर्ग कर्मचारियों को भी सुविधा

नई दिल्ली ।

देश के करोड़ों नौकरीपेशा कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी घोषणा की है। अब पीएफ खाते से जुड़े यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) को एक्टिवेट करने के लिए न तो आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आने वाले ओटीपी का इंतजार करना होगा और न ही बायोमेट्रिक मशीन पर उंगलियों के निशान देने होंगे। ईपीएफओ ने यूएमएएनजी ऐप पर फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरा पहचानने वाली हाई-टेक तकनीक) की नई सुविधा शुरू की है, जिससे यह प्रक्रिया अब काफी आसान और तेज हो जाएगी। अब तक यूएएन एक्टिवेट करने में आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी न आने या पुराना नंबर बंद होने जैसी तकनीकी दिक्कतें आती थीं, जिससे कर्मचारियों का काम हफ्तों अटका रहता था। साथ ही, उम्र बढ़ने या कठिन शारीरिक श्रम के कारण जिन बुजुर्ग या कामकाजी कर्मचारियों के उंगलियों के निशान मशीन पर मैच नहीं हो पाते थे, उनके लिए भी अब केवल चेहरा स्कैन करना ही काफी होगा। यह नई सुविधा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की लाइव फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक के साथ जोड़ी गई है। इसका लाभ लेने के लिए फोन में आधार फेसआरडी ऐप डाउनलोड होना जरूरी है। यह ऐप केवल लाइव चेहरे को पहचानता है, जिससे पुरानी फोटो या वीडियो के जरिए किसी भी तरह की धोखाधड़ी की आशंका पूरी तरह खत्म हो जाती है। यह आधुनिक सुरक्षा प्रणाली पीएफ फंड को बेहद सुरक्षित और फुलप्रूफ बनाती है।

नवी मुंबई से हर माह 10 लाख यात्री भरेंगे उड़ान

अदाणी समूह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की भी कर रहा तैयारी

मुंबई ।

अदाणी समूह द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) ने आगामी नवंबर तक हर महीने 10 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही का लक्ष्य रखा है। यदि यह लक्ष्य हासिल होता है, तो यह देश का आठवां हवाई अड्डा बन जाएगा जो मासिक आधार पर इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को संभालेगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ बातचीत के बाद, समूह ने विमानों की दैनिक आवाजाही 150 से बढ़ाकर 250 करने की योजना बनाई है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। एनएमआईए ने दिसंबर 2025 के अंत में वाणिज्यिक उड़ानें शुरू की थीं और तब से यात्रियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में 2.21 लाख यात्रियों से बढ़कर मई में यह आंकड़ा 6.42 लाख तक पहुंच गया है। परिचालन शुरू होने के बाद शुरुआती पांच महीनों में ही हवाई अड्डे ने 17.7 लाख से अधिक घरेलू यात्रियों की आवाजाही संभाली है और मार्च में ही यह शीर्ष 10 घरेलू हवाई अड्डों में जगह बना चुका है। सूत्रों के अनुसार सीमा शुल्क और आव्रजन विभागों से मंजूरी मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शीघ्र शुरू होंगी, जिसकी उम्मीद जून के अंत तक है। एनएमआईए ने वित्त वर्ष 2028 तक 2 करोड़ यात्रियों का आंकड़ा छूने का बड़ा लक्ष्य रखा है, जिसके हासिल होने पर यह भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला हवाई अड्डा बन सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए 1.1 करोड़ यात्रियों का लक्ष्य निर्धारित है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े हवाई अड्डों की तुलना में एनएमआईए को अभी लंबा सफर तय करना है। एनएमआईए हब-ऐंड-स्पोक मॉडल की योजना बना रहा है, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन सकेगा, जहां से यात्री देश के अन्य शहरों के लिए आसानी से जा सकेंगे।

डॉलर के मुकाबले 13 पैसे गिरकर 94.66 पर खुला

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी गुरुवार को 13 पैसे कमजोर होकर 94.66 पर खुला। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से रुपये को कुछ राहत मिली है, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से डॉलर मजबूत बना हुआ है। बुधवार को भारतीय रुपया मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.56 रुपए पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों के सकारात्मक संकेतों ने घरेलू मुद्रा को सहारा दिया, जिससे रुपये ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांचवे दिन तेजी जारी, सेंसेक्स 254 अंक उछलकर बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के सत्र में लगातार पांचवे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,409.98 और निफ्टी 82.30 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,168.00 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,379.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,705.60 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व हेल्थकेयर और रियल्टी ने किया। सूचकांकों में निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी टॉप गेनर थे। निफ्टी पीएसई, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज गेनर्स थे। वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयलएंडगैस लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एमएंडएम और आईटीसी गेनर्स थे। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और भारती एयरटेल लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार ने सत्र में एक सीमित दायरे में सकारात्मक रुख के कारोबार किया, क्योंकि अमेरिका-ईरान शांति समझौते को लेकर शुरुआती उत्साह यूएस फेड के सख्त बयानों से कुछ कम हो गया है। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे केंद्रीय बैंक साल के आखिरी हिस्से में ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

शेयर बाजार में 26 अरब डॉलर के लॉक-इन खुलने की तैयारी

71 कंपनियों के प्री-आईपीओ व शुरुआती निवेशकों के शेयर होंगे लॉक-इन से मुक्त

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में अगले कुछ महीने निवेशकों के लिए काफी अहम रहने वाले हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 17 जून से सितंबर 2026 के बीच 71 कंपनियों के लगभग 26 अरब डॉलर मूल्य के शेयर लॉक-इन अवधि से बाहर आ जाएंगे। इससे बाजार में शेयरों की आपूर्ति बढ़ सकती है, जिससे कुछ स्टॉक्स में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी शेयर तुरंत बिक्री के लिए आ जाएंगे, क्योंकि इसमें प्रमोटरों और समूह कंपनियों की बड़ी हिस्सेदारी होती है, जो अमूमन तुरंत बिक्री नहीं करते। फिर भी, लॉक-इन खत्म होने की तारीखें निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट बताती है कि 19 जून को आईसीआईसीआई प्रू एएमसी के 34.4 करोड़ शेयर (कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 70 फीसदी) लॉक-इन से मुक्त होंगे, जिस पर बाजार की पैनी नजर रहेगी।

घरेलू एयरलाइंस के मुनाफे में 10-15 फीसदी गिरावट का अनुमान

मुंबई ।

चालू वित्त वर्ष घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। एक रेटिंग एजेंसी के अनुमान के मुताबिक इस वित्त वर्ष में घरेलू एयरलाइंस के परिचालन मुनाफे में 10-15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इसकी मुख्य वजह हवाई ईंधन (एटीएफ) की ऊंची कीमतें, हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियां और पश्चिम एशिया में जारी टकराव के चलते रुपये की कमजोरी है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में लगभग 19,000 करोड़ रुपये रहा यह मुनाफा चालू वित्त वर्ष में घटकर 16,000-17,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। एजेंसी ने बताया कि किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में जेट ईंधन का हिस्सा सामान्यतः 40 प्रतिशत होता है, लेकिन कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के कारण यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह स्थिति एयरलाइंस के कामकाज, मार्ग योजना और किराये की स्थिरता को सीधे प्रभावित करती है। हालांकि, अगर पश्चिम एशिया में चल रहे टकराव का समाधान निकलता है और जेट ईंधन की कीमतें घटती हैं, तो एयरलाइंस को ईंधन लागत में और बढ़ोतरी से बचाया जा सकेगा।

श्रम संहिताओं के लिए एकीकृत डिजिटल प्रणाली राज्यों से पोर्टल जोड़ने का आग्रह

देश में श्रम प्रशासन के लिए एक सुसंगत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने राज्यों से अपने-अपने श्रम पोर्टलों को केंद्र के श्रम सुविधा और समाधान पोर्टलों के साथ जोड़ने का आग्रह किया है। यह कदम देश में चार श्रम संहिताओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और श्रम प्रशासन के लिए एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस पहल का उद्देश्य अनुपालन, पंजीकरण, निरीक्षण, शिकायत निवारण और विवाद समाधान पर केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं का निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है। जिन राज्यों के पास पहले से अपने श्रम पोर्टल हैं, उन्हें अपने एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) को केंद्रीय प्लेटफार्मों से जोड़ने को कहा गया है। वहीं, जिन राज्यों के पास समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म नहीं हैं, उन्हें केंद्र द्वारा आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और एकीकरण में तकनीकी सहायता की पेशकश की गई है। मौजूदा स्थिति में, श्रम सुविधा पोर्टल पर राज्यों द्वारा एकीकृत सेवाओं में काफी भिन्नता है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक ने 15 स्वीकृतियों को जोड़ा है, वहीं गुजरात और केरल में केवल दो-दो, जबकि कुछ राज्यों में कोई एकीकरण नहीं हुआ है।

श्रम सुविधा पोर्टल कानून अनुपालन के लिए और समाधान पोर्टल विवादों के निवारण के लिए है।

ये दोनों पोर्टल श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन में अहम होंगे। अधिकांश राज्यों ने मसौदा नियम तैयार किए हैं, लेकिन कई ने अभी तक अंतिम नियम अधिसूचित नहीं किए हैं।

अवतार इंडस्ट्रीज एसएमई से मेन बोर्ड पर माइग्रेट करने की तैयारी में

-कंपनी ने यह फैसला वित्त वर्ष 2025-26 में शानदार प्रदर्शन के बाद लिया

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की उभरती हुई कंपनी अवतार इंडस्ट्रीज लिमिटेड जिसे पहले एएसएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, उसने अपने कॉरपोरेट डेवलपमेंट की दिशा में कई बड़े फैसलों का एलान किया है। कंपनी की तरफ से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक कंपनी अब नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एसएमई प्लेटफॉर्म से निकलकर मेन बोर्ड पर माइग्रेट करने की तैयारी कर रही है, जो इसके कॉरपोरेट डेवलपमेंट में बड़ा कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अवतार इंडस्ट्रीज की आधिकारिक शुरुआत 1992 में हुई थी, मगर इसने कारोबार 1983 में ही शुरू कर दिया था। आज ये कंपनी ऑटोमोबाइल पार्ट्स, रेलवे या ट्रामवे के पार्ट्स और जॉबवर्क समेत अन्य संबंधित सेवाओं का निर्माण और ट्रेड करती है। कंपनी आयरन और स्टील, शीट मेटल पार्ट्स, फोर्ज्ड पार्ट्स और असेंबली का कारोबार करती है और टीएमएल की अधिकृत सेल्स और सर्विस डीलर है। यह रेलवे, डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए शीट मेटल प्रेसिंग और डीप ड्राइंग, मशीन्ड असेंबली, फैब्रिकेटेड ऑटो पार्ट्स और फोर्ज्ड प्रोडक्ट्स की ओईएम है।

इस समय अवतार इंडस्ट्रीज के क्लाइंट्स में टीआरएफ, यॉर्क ट्रांसपोर्ट इक्विपमेंट, टाटा स्टील और इंडियन रेलवे के अलावा जेओएसटी और डीजीओएस शामिल हैं। 17 जून को हुई बोर्ड बैठक में कंपनी ने शासन और नेतृत्व को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। बोर्ड ने रिचा राठौड़ को कंपनी का नया एमडी नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया। कंपनी का यह फैसला वित्त वर्ष 2025-26 में इसके शानदार प्रदर्शन के बाद आया है। अवतार इंडस्ट्रीज ने इस अवधि में 10,287.38 लाख रुपए का रेवेन्यू और 137.32 लाख का प्रॉफिट दर्ज किया है। कंपनी का ध्यान अब तेजी से बढ़ते एआई,

सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन और एडवांस्ड एनालिटिक्स के अवसरों पर है। इसका शेयर आज 150.30 रुपए पर है और इसकी मार्केट कैपिटल 157 करोड़ रुपए है। इन रणनीतिक फैसलों पर सदस्यों की अनुमति लेने के लिए बोर्ड ने पोस्टल बैलेट नोटिस को मंजूरी दी है।

वित्तीय धोखाधड़ी रोकने में सीएफओ की महत्वपूर्ण भूमिका एनएफआरए

राजेश एक्सपोर्ट्स समेत कई मामलों में सीएफओ की लापरवाही से छिपी रही वित्तीय अनियमितताएं

नई दिल्ली ।

नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) के एक प्रमुख अ धिकारी ने कंपनियों की वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ) को सीधा जिम्मेदार ठहराया है। एसोचैम के एक कार्यक्रम में उन्होंने राजेश एक्सपोर्ट्स जैसे ऐतिहासिक वित्तीय घोटालों का जिक्र करते हुए सीएफओ की जवाबदेही पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों में कॉरपोरेट फर्जीवाड़ा हुआ, राजेश एक्सपोर्ट्स भी उनमें से एक है, उनकी बैलेंसशीट बाहर से साफ-सुथरी दिखती थी। लेकिन बाद में कमियां सामने आईं क्योंकि सीएफओ ने खातों को पारदर्शी तरीके से पेश नहीं किया। उन्होंने रचनात्मक लेखांकन (क्रिएटिव अकाउंटिंग) को एक बड़ी समस्या बताया, जहां कई जानकारियों का खुलासा नहीं होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीएफओ में वित्तीय जानकारी को पारदर्शिता के साथ पेश करने का साहस और क्षमता होनी चाहिए। हाल ही में सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स पर वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच अपनी कुल आय को लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है, जिसमें लगभग 99 फीसदी आय विदेशी सहायक कंपनियों से दर्शाई गई थी।

वैश्विक गिरावट के बावजूद तत्काल सस्ता नहीं होगा ईंधन केंद्रीय मंत्री

पश्चिमी एशिया संकट से केंद्र को 12,000 करोड़ का हुआ नुकसान

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद भारत में ईंधन की दरें तत्काल कम नहीं की जा सकतीं। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री ने इस स्थिति के लिए कई जटिल कारकों को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें सस्ते तेल के भारत पहुंचने में लगने वाला समय भी शामिल है। मंत्री गोपी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वैश्विक कच्चे तेल की दरें घटने पर भी ईंधन की कीमतों में तुरंत कमी करना संभव नहीं है। इसका मुख्य कारण सस्ते कच्चे तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचने में लगने वाला समय है, जिससे जहाजों की आवाजाही बढ़ती है और स्थिति सामान्य होने में देरी होती है। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में हालिया वृद्धि से लगभग 3.94 रुपये प्रति लीटर का ही प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसे तुरंत वापस नहीं लिया जा सकता। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस साल फरवरी से पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध ने तेल कंपनियों पर गहरा असर डाला है, जिसका

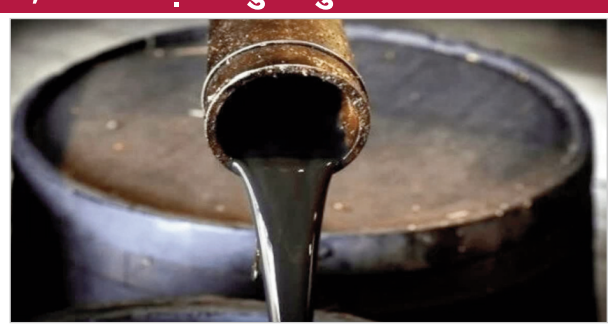

अधिकांश बोझ केंद्र सरकार ने उठाया है। इस प्रभाव को झेलने के चक्कर में केंद्र सरकार को 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य ने ईंधन की बढ़ी कीमतों पर उत्पाद शुल्क घटाकर अपने राजस्व का त्याग नहीं किया, जबकि केंद्र सरकार को अपना कामकाज चलाना है और तेल कंपनियों को भी अपना अस्तित्व बनाए रखना अनिवार्य है।

सोने पर सीमा शुल्क बढ़ाना सफल आयात में 70 फीसदी की भारी गिरावट

नई दिल्ली ।

देश में सोने के आयात में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा सोने पर सीमा शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने के बाद सोने का मासिक आयात करीब 70 प्रतिशत घटकर महज 25-30 टन रह गया है। यह जानकारी गुरुवार को एक अधिकारी ने दी, जो सरकार के गैर-जरूरी आयात पर अंकुश लगाने और बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के प्रयासों की सफलता को दर्शाती है। केंद्र सरकार ने देश की विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए सोना और चांदी दोनों पर आयात शुल्क को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया था। इस फैसले का सीधा असर सोने के आयात की मात्रा पर दिखा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मासिक सोने का आयात करीब 70 प्रतिशत कम होकर 25-30 टन पर आ गया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की ऊंची कीमतों के कारण मई में मूल्य के लिहाज से आयात सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 3.41 अरब डॉलर हो गया। भारत जो चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता है, में आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग से प्रेरित रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनावश्यक विदेशी मुद्रा खर्च कम करने के लिए सोने की खरीद पर नियंत्रण और सादगी अपनाने की अपील की है।

एनएसई का 30,000 करोड़ का मेगा आईपीओ जल्द

सेबी के पास डीआरएचपी फाइल, हुंडई का रिकॉर्ड तोड़ने को तैयार

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल कर दिया है। अनुमानित 30,000 करोड़ रुपये का यह मेगा इश्यू पूरी तरह मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा, और यह अक्टूबर 2024 में आए हुंडै मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को तोड़कर देश का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है। डीआरएचपी के अनुसार इस आईपीओ में कुल 14.89 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी, जिसके जरिए मौजूदा शेयरधारक सामूहिक रूप से एनएसई में अपनी करीब 6 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। प्रमुख हिस्सेदारी विक्रेताओं में भारतीय स्टेट बैंक 2.48 करोड़ शेयर बेचेगा, जबकि एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड 1.60 करोड़ शेयर, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड 1.19 करोड़ शेयर, अरांडा इन्वेस्टमेंट्स 1.12

करोड़ शेयर, बैंक ऑफ बड़ौदा 1.10 करोड़ शेयर और स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया 1.09 करोड़ शेयर बेचेंगे। हालांकि एनएसई में सबसे बड़ी 10.72 फीसद हिस्सेदारी रखने वाली भारतीय जीवन बीमा निगम इस इश्यू में कोई भी शेयर नहीं बेचेगी। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से आएगा, जिसमें खुदरा (रिटेल) निवेशकों के लिए 35 फीसदी शेयर आरक्षित रखे जाएंगे, जो उन्हें इस बहुप्रतीक्षित लिस्टिंग में शामिल होने का एक बड़ा मौका देगा। योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए अधिकतम 50 फीसदी और गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए कम से कम 15 फीसदी हिस्सा आरक्षित होगा। एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को इस प्रस्तावित आईपीओ को सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद मंजूरी दी थी।

भारतीय क्रिप्टो निवेशकों का एसआईपी और दीर्घकालिक निवेश पर बढ़ा भरोसा

सर्वे में खुलासा म्यूचुअल फंड की तर्ज पर हर महीने निवेश कर रहे भारतीय, महिलाएं पुरुषों से आगे

नई दिल्ली ।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर निवेशकों की सोच तेजी से बदल रही है। जल्द पैसा कमाने की बजाय अब भारतीय लंबी अवधि के निवेश और क्रिप्टो एसआईपी को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक सर्वे ने इस परिपक्वता को उजागर किया है। सर्वे के अनुसार 41.2 फीसदी भारतीय निवेशक अब लंबी अवधि के लिए क्रिप्टो होल्ड करना पसंद करते हैं, जबकि शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग में केवल 25.8 फीसदी ही बचे हैं।

म्यूचुअल फंड की तर्ज पर क्रिप्टो एसआईपी की लोकप्रियता में 220 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

निवेशक अब औसतन 4,000 से 6,000 रुपये मासिक एसआईपी बिटकॉइन और एथेरियम जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में कर रहे हैं, जो उनकी सुनियोजित रणनीति का संकेत है।

खास बात है कि 46.4 फीसदी महिलाओं में क्रिप्टो को लंबे समय तक होल्ड करने का जज्बा पुरुषों से अधिक है।

वहीं 35 से 44 वर्ष के आयु वर्ग के निवेशक भी दीर्घकालिक रणनीति पर सर्वाधिक भरोसा दिखा रहे हैं।

बाजार में अचानक गिरावट आने पर भी 91 फीसदी भारतीय निवेशक डरकर अपनी क्रिप्टो नहीं बेचते, बल्कि शांत रहते हैं या अतिरिक्त निवेश का अवसर देखते हैं।

केवल 9 फीसदी लोग ही घबराकर बिकवाली करते हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे राज्य के निवेशक इस मामले में सबसे समझदार साबित हुए हैं।

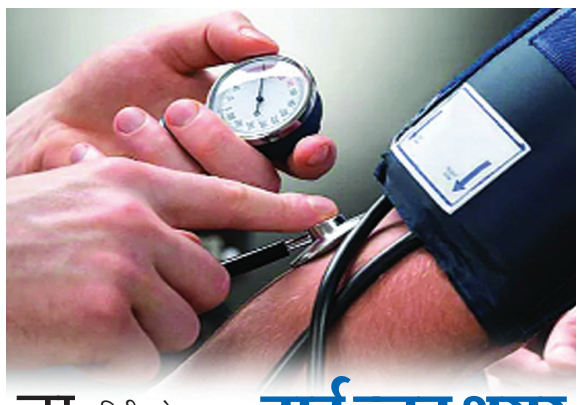

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्रकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्रकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैटस और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

फीफा विश्व कप : डियाज़ के अच्छे प्रदर्शन से कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। लुई डियाज़ के अच्छे प्रदर्शन से फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में कोलंबिया ने अपने पहले ही मैच में उज्बेकिस्तान को 3-1 से हरा दिया। इस मुकाबले में कोलंबिया की जीत के नायक रहे अनुभवी खिलाड़ी लुई डियाज़। डियाज ने एक गोल करने के साथ ही एक अन्य गोल में सहायता की थी। यह जीत कोलंबिया के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उसने अपने पहले ही मैच में दमदार प्रदर्शन करते हुए आगामी मुकाबलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है।इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष हुआ। कोलंबियाई टीम की ओर से पहले हाफ के 40वें मिनट में डियाज़ के शानदार पास पर डेनियल मुनोज ने कर गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं इसके बाद दूसरे हाफ में

उज्बेकिस्तान ने वापसी के प्रयास किये और 60वें मिनट में फैजुल्लायेव अब्बोसबेक ने गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद कोलंबियाई टीम ने 65वें मिनट में डियाज़ के गोल से फिर बढ़त हासिल कर ली। इससे कोलंबिया 2-1 से आगे हो गयी। इसके बाद जैमिंटन कैम्पाज ने कोलंबिया की ओर से तीसरा गोल दागकर अपनी टीम की जीत तय कर दी। स्कोर 3-1 होने से उज्बेकिस्तान की वापसी संभव नहीं हुई। यह मैच उज्बेकिस्तान के लिए ऐतिहासिक था, क्योंकि उन्होंने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में एस्टाडियो एज्टेका में अपना पहला फीफा विश्व कप मैच खेला। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज कोलंबिया को 50वें स्थान की टीम उज्बेकिस्तान पर जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, और टीम ने उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन किया। इस शानदार जीत के साथ, कोलंबियाई टीम ग्रुप में पुर्तगाल और कांगो से आगे निकलकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब कोलंबिया का मुकाबला मैक्सिको के ग्वाडालाजारा में कांगो से होगा, जबकि उज्बेकिस्तान की टीम ह्यूस्टन में दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम से खेलेगी।

बॉक्सिंग वर्ल्ड कप: भारतीय मुक्केबाज मीनाक्षी ने पोलैंड की बॉक्सर को 5-0 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के गुइयांग में आयोजित बॉक्सिंग वर्ल्ड कप (स्टेज-2) में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारत की स्टार बॉक्सर मीनाक्षी ने दमदार जीत दर्ज करते हुए महिलाओं की 51 किलोग्राम भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

48 किलोग्राम वर्ग की मौजूदा विश्व चैंपियन और पूर्व विश्व नंबर-1 मीनाक्षी ने ओलंपिक 51 किलोग्राम वर्ग में खेलते हुए पोलैंड की नतालिया कुचेव्स्का को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया।

हालांकि पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में भारत के अविनाश जमवाल को किर्गिस्तान के मिज़ोखिद इमामनाज़ारोव के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया।

अब तक भारत के पांच मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुके हैं। इनमें निखिल (55 किग्रा), दीपक (70 किग्रा), मीनाक्षी (51 किग्रा), प्राची (57 किग्रा) और सनेह (65 किग्रा) शामिल हैं। वहीं ज्योति (48 किग्रा) और जुगनू (85 किग्रा) सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए पदक पहले ही पक्का कर चुके हैं।

टूर्नामेंट के पांचवें दिन चार भारतीय मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में उतरेंगे। महिलाओं के वर्ग में मीनाक्षी का सामना कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा, सनेह का मुकाबला पोलैंड की किंगा क्रोव्का, जबकि प्राची का मुकाबला चीनी ताइपे की शिह यी वू से होगा। पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग में निखिल का सामना अजरबैजान के अमीन मम्मदज़ादा से होगा।

फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन (एजेंसी)। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है।

केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। हाफ टाइम से ठीक पहले उन्होंने मैच का अपना दूसरा गोल दागकर अपने देश के लिए एक नया इतिहास रच दिया। अब हैरी केन और गैरी लिनेकर दोनों के नाम 12 विश्व कप मैचों में 10-10 गोल दर्ज हैं।

हैरी ने पहली बार फीफा विश्व कप साल 2018 में खेला था, जहां उन्होंने अपने पहले ही टूर्नामेंट में 6 गोल के साथ गोल्डन बूट जीता था और इंग्लैंड को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। इसके बाद 2022 के विश्व कप में 2 गोल किये थे।

फुटबॉल की दुनिया में केन का नाम इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में पहले से ही दर्ज है। उन्होंने 2018 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, और 2020 व 2024 के यूरो कप फाइनल जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में इंग्लैंड की ओर से गोल किये थे।

इंग्लैंड के लिए फीफा विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में केन और लिनेकर दोनों ही 10 गोल के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद ज्योफ हर्स्ट 6 मैचों में 5 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि दिग्गज बॉबी चार्लटन ने 14 मैचों में 4 गोल किए हैं। माइकल ओवेन ने भी 12 मैचों में 4 गोल दागे हैं। डेविड बेकहम, स्टीवन गेरार्ड, मार्कस रैशफोर्ड, रोजर हंट, डेविड प्लैट, बुकायो साका और नेट लॉफ्टहाउस जैसे खिलाड़ियों ने 3-3 गोल किये है।

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में विफल रहे रोनाल्डो ने वापसी का वादा किया

कांगो ने पुर्तगाल को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

न्यूजर्सी (एजेंसी)। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मैच में असफल रहे है। इस कारण कांगों ने मुकाबले में पुर्तगाल को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन से पुर्तगाल के प्रशंसकों को भी भारी निराशा हुई। कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मुकाबले में रोनाल्डो प्रभावहीन दिखे जिसका भी नुकसान पुर्तगाल को हुआ। छठी बार विश्वकप खेल रहे रोनाल्डो से इस प्रकार के खराब प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं थी।

रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, यह वैसी शुरुआत नहीं थी जैसी हम चाहते थे पर कहा कि कि अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। हिम्मत रखो और अगले मैच पर ध्यान दोरो। उनके इन शब्दों में निराशा के साथ-साथ अगले मैच में वापसी करने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। यह संदेश सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के लिए भी था कि उन्हें हौसला नहीं छोड़ना चाहिये।

वहीं पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने भी रोनाल्डो का पूरा समर्थन किया। जब उनसे पूछा गया

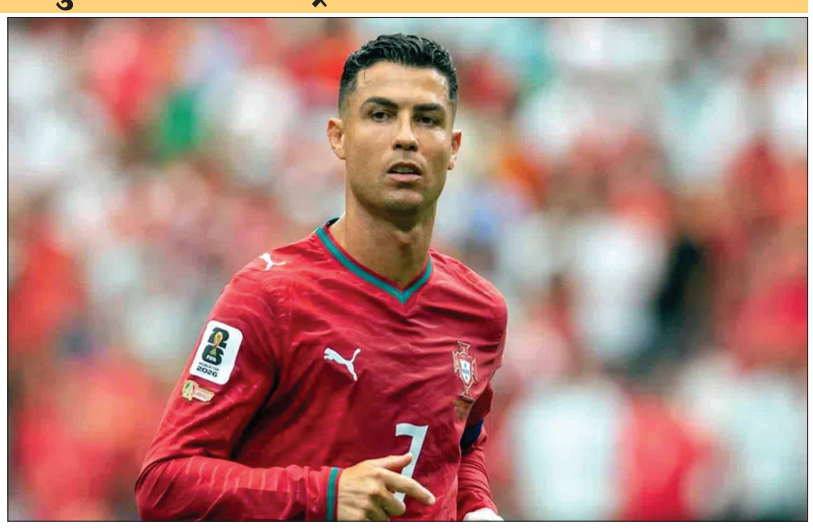

कि क्या उन्होंने रोनाल्डो को शुरुआती एकादश से बाहर रखने पर विचार किया था, तो मार्टिनेज ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को बाहर रखना समझदारी नहीं होती है। हमारे लिए रोनाल्डो का अनुभव महत्वपूर्ण है। कोच के इन शब्दों से साफ है कि वे अभी भी रोनाल्डो पर पूरा भरोसा करते हैं और उनका मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी की उपस्थिति और नेतृत्व टीम के लिए बेहद मूल्यवान है।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 291 रन बनाये

केनिंग्टन ओवल । न्यूजीलैंड ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में शुरू हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 77 ओवरों में 7 विकेट पर 291 रन बना लिए थे। स्टंप के समय ग्लेन फिलिप्स 49और काइल जैमीसन 6 रन बनाकर खेल रहे थे। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने टॉस जीतकर मेहमान कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उसके गेंदबाजों ने शुरुआती विकेट गिरा दिये पर कीवी टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने हालात संभाल लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे केवल 9 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद कप्तान टॉम लैथम और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभाला। लैथम ने 75 गेंदों में 27 रन बनाए। वहीं हेनरी निकोल्स ने 24 रनों की पारी खेली। एक समय न्यूजीलैंड ने 79 रनों पर ही अपने 3 खिलाड़ी खो दिये थे। इसके बाद कठिन समय में रचिन रवींद्र और डैरिल मिचेल ने पारी संभाली। रचिन ने 51 गेंदों में 6 चौकों की सहायता से 33 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल ने डैरिल मिचेल के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 81 रनों की शानदार साझेदारी की. मिचेल ने 74 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 44 रनों की अच्छी पारी खेली। वहीं ब्लंडेल ने अर्धशतक बनाया। ब्लंडेल ने 51 रनों की पारी खेलकर कीवी टीम को संभाला। ब्लंडेल के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने तेजी से रन बनाये। उन्होंने नाबाद 49 रनों की पारी खेली। वहीं इंग्लैंड के गेंदबाजों की बात करें तो स्पिन ऑलराउंडर जैकब बेथेल ने 5 ओवरों में 8 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए।

अफगानिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक नहीं लगा पाने से निराश हैं शुभमन

लखनऊ । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में शतक लागने के बाद भी खुश नहीं है। शुभमन के अनुसार उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना था पर वह पूरा नहीं हो पाया। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम को बड़ी जीत मिली। शुभमन ने इस मैच में कठिन हालातों के बीच भी 154 रनों की पारी खेली। शुभमन ने मैच के बाद खुलासा किया कि उनका लक्ष्य दोहरा शतक बनाना था, जो वह हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद अपनी टीम टीम की 170 रन की जीत को लेकर शुभमन ने बल्लेबाजी पर संतोष जताया पर कहा कि वह अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, मैं जहां गेंद को मारना चाह रहा था, गेंद वहीं जा रही थी। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ था। मेरा लक्ष्य मैच जल्दी समाप्त करना और 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था। मैं 200 रन बनाना चाहता था पर लगातार शॉट खेलने के दबाव में डीप कवर पर कैच आउट हो गया। मैं चाहता था कि टीम 430 रन तक पहुंचे। शुभमन ने माना है कि तेज गर्मी के कारण उन्हें सूजन और जकड़न की समस्या का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, थोड़ी तकलीफ थी, शरीर में अलग-अलग जगहों पर ऐंठन हुई। बहुत गर्मी थी, लेकिन मैंने 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी की। अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं और अच्छी स्थिति में हूं। उन्होंने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर प्रशंसा। शुभमन ने कहा, टॉस से ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। अगर हमें 310-320 रन का लक्ष्य मिला होता तो टीम पर अच्छा दबाव होता। सब कुछ अच्छी स्थिति में है। तेज गेंदबाज लगातार सही जगह पर गेंदबाजी कर रहे हैं, जो आसान नहीं है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहीदी अपनी टीम के प्रदर्शन, खासकर गेंदबाजों से निराश दिखे। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

भारत के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले हॉकी स्टार मनप्रीत ने फिटनेस को दिया श्रेय, कोहली को मानते हैं आदर्श

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने वाले मनप्रीत सिंह ने इतने लंबे करियर का श्रेय फिटनेस को देते हुए कहा कि वह इस मामले में चैम्पियन क्रिकेटर विराट कोहली का अनुसरण करते हैं। मनप्रीत ने बुधवार को स्व॥ प्रो लीग में जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की का 412 अंतरराष्ट्रीय मैचों का रिकॉर्ड तोड़ा। अब 413 मैचों के साथ वह सर्वकालिक सूची में पांचवें स्थान पर हैं और शीर्ष पांच में अकेले सक्रिय खिलाड़ी हैं।

इस अनुभवी मिडफील्डर ने रोटरडम से मीडिया से आनलाइन बातचीत में कहा, 'सभी को पता है कि विराट फिटनेस को कितनी अहमियत देते हैं। मेरे लिए ही नहीं बल्कि हर खिलाड़ी के लिए वह आदर्श है। हर कोई उनसे सीखता है कि शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा खेलने के लिये कैसे फिट रहना है।' उन्होंने कहा, 'मैंने भी उनसे काफी कुछ सीखा है। वह मैदान पर आक्रामक रहते हैं और अपना शत प्रतिशत देते हैं। वह भी मेरी तरह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के प्रशंसक हैं। वह भी काफी ध्यान रखते हैं कि क्या खाना है और क्या नहीं।'

तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को 41 साल बाद कांस्य पदक दिलाने वाले पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के लिए लंबे समय तक खेलने की ललक ने उन्हें फिटनेस बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए खेलते रहने की ललक ने मुझे

फिटनेस बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। विश्व स्तरीय हॉकी में फिट रहना बहुत जरूरी है और उम्र के साथ मैने इस पर अधिक ध्यान देना शुरू किया है।'

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी ख्वाहिश विश्व कप में पदक और ओलंपिक स्वर्ण जीतने की है। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना ओलंपिक स्वर्ण और विश्व कप में पदक जीतना है। मुझे पता है कि युवाओं से प्रतिस्पर्धा के लिए फिट रहना जरूरी है। मेरा परिवार मुझे हमेशा इसके लिए प्रेरित करता है।' मनप्रीत ने अगले लक्ष्य के बारे में कहा, 'मैं लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलना चाहता हूं लेकिन उसके लिए फिट रहना होगा। मैं इस पर मेहनत कर रहा हूं। एशियाई खेलों के बाद अपनी फिटनेस का आकलन करूंगा और लगता है कि पूरी तरह फिट नहीं हूं तो फैसला लूंगा।'

विश्व कप के पहले सप्ताह में कई गुमनाम खिलाड़ियों ने प्रभाव छोड़ा

टोरंटो । वे लियोनेल मेस्सी जैसे नहीं हैं, वे काइलियान एमबाप्पे जैसे नहीं हैं। वे एर्लिंग हालैंड या हैरी केन जैसे भी नहीं हैं। विश्व कप में फुटबॉल के सबसे बड़े नाम ही सुर्खियां नहीं बटोर रहे हैं, कुछ ऐसे कुछ गुमनाम खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। इन खिलाड़ियों में केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा भी शामिल हैं। स्पेन के खिलाफ पहले मैच में शानदार प्रदर्शन से उन्होंने दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इससे इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या एक करोड़ 30 लाख तक पहुंच गई है। क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। उन्होंने विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे छोटे देश की तरफ से पहला गोल किया। क्यूरासाओ के प्रशंसकों को शायद जर्मनी के हाथों अपनी टीम की 7-1 से मिली करारी हार याद न हो लेकिन उन्हें कोमेनेंसिया का गोल हमेशा याद रहेगा। कतर के बौलेम खौखी ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। इस 35 वर्षीय सेंटर बैक को भले ही गोल का श्रेय नहीं मिलेगा, लेकिन उनकी बदौलत ही कतर ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच ड्रॉ कराया। खौखी ने स्विस मिडफील्डर मिरो मुहेम के साथ मिलकर गेंद पर नियंत्रण बनाने के लिए छलांग लगाई। इस तरह से उन्होंने मुहेम को आत्मघाती गोल करने के लिए मजबूर किया। बोस्निया और हर्जेगोविना के जोवो लुकिच ने कनाडा के खिलाफ शुरुआती मैच से पहले अपने देश के लिए कभी गोल नहीं किया था। कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण उन्हें इस मैच में खेलने का मौका मिला और वह गोल करने में सफल रहे। न्यूजीलैंड के एलिजा जस्ट ने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया। ईरान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में उन्होंने दो गोल करके न्यूजीलैंड के लिए यह मैच यादगार बना दिया। मिस्र के इमाम अशूर ने भी विश्व कप मैच में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला गोल किया। उनके शानदार गोल से मिस्र ने यूरोपीय दिग्गज बेल्जियम को 1-1 से बराबरी पर रोका।

डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा की वापसी, श्रीलंका के उभरते हुए स्टार पथिरागे से होगा मुकाबला

दोहा (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि जब वह शुक्रवार को यहां दोहा डायमंड लीग में फॉर्म में चल रहे शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ वापसी करेंगे तो चोट के कारण प्रतियोगिताओं से अनुपस्थिति उनकी लय को प्रभावित नहीं करेगी। इसमें भाग लेने वाले शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों में श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश थरंगा पथिरागे भी शामिल होंगे जिन्होंने कुछ दिन पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है।

दूसरी ओर 28 वर्षीय चोपड़ा पीठ की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाए थे और इस प्रतियोगिता में वह 84.03 मीटर के औसत थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे थे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कतर स्पोर्ट्स क्लब में वह शुरुआत से ही अपनी लय हासिल कर लेंगे। दोहा उनके लिए भाग्यशाली रहा है। यहीं पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने पिछले साल मई में 90 मीटर का थ्रो किया था। वह 90.23 मीटर के थ्रो से जर्मनी के जूलियन वेबर (91.06 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

यह प्रतियोगिता 8 मई को सत्र की शुरुआत के तौर पर आयोजित होने वाली थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे टाल दिया गया था। तुर्किए में 'रिहैबिलिटेशन' के बाद 25 मई से स्विट्जरलैंड में ट्रेनिंग कर रहे चोपड़ा को नौ खिलाड़ियों वाले इस ग्रुप में देर से शामिल किया गया। चोपड़ा ने प्रतियोगिता से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैंने डेढ़ महीने पहले थ्रो करना शुरू किया और हमने जल्दबाजी नहीं की। फिर मैंने दोहा (आयोजकों) से पूछा कि क्या यह संभव है कि मैं उन्हें एक हफ्ता पहले दोहा डायमंड लीग में भाग लेने के बारे में बताऊं। वे सहमत हो गए और फिर अंतिम सत्र के बाद हमने तय किया कि चोट ठीक है और दोहा में हिस्सा लेते हैं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बार फिर 90 मीटर थ्रो का लक्ष्य बना रहे हैं तो चोपड़ा ने कहा, 'मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। मैं बहुत अच्छा और फिट महसूस कर रहा हूं, देखते हैं कल क्या होता है।' चोपड़ा को रविवार को आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत की 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया। इसके लिए उन्हें भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के 82.61 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को हासिल करना होगा जो उनके मानकों के हिसाब से कोई मुश्किल काम नहीं है।

चोपड़ा का मुकाबला पथिरागे से होगा जो इस सत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। चार जून को डायमंड लीग के रोम चरण में 92.62 मीटर के शानदार थ्रो से यह 24 साल का श्रीलंकाई खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में शीर्ष पर बना हुआ है। वह 90 मीटर का अहम आंकड़ा पार करने वाले चौथे एशियाई और कुल मिलाकर 28वें खिलाड़ी बन गए। इस सत्र में पथिरागे ने दो बार 89 मीटर से ज्यादा का थ्रो किया है। वह प्रतिष्ठित गोल्डन स्पाइक मीट में 86.57 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल करने के बाद दोहा डायमंड लीग में आए हैं। रोम में उनका प्रदर्शन पाकिस्तान के अरशद नदीम के पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले 92.97 मीटर के थ्रो से थोड़ा कम था, लेकिन उन्होंने चीनी ताइपे के चाओ-त्सुन चेंग (91.36 मीटर) और चोपड़ा (90.23 मीटर) को पीछे छोड़ दिया। उनका थ्रो दुनिया की सर्वकालिक सूची में आठवें नंबर पर है। यह नदीम के 2024 ओलंपिक फाइनल के प्रयास के बाद दुनिया का सबसे अच्छा थ्रो भी था। चोपड़ा और पथिरागे तीसरी दफा एक दूसरे के आमने सामने होंगे और यह डायमंड लीग के मंच पर उनकी पहली भिड़ंत होंगी।

दोनों का रिकॉर्ड अभी तक 1-1 से बराबर

रहा है। चोपड़ा ने जुलाई 2025 में बेंगलुरु में आयोजित एन सी क्लासिक में स्वर्ण पदक जीता था जबकि पथिरागे 84.34 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि, पिछले साल तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में चोपड़ा निराशाजनक रूप से आठवें स्थान पर रहे जबकि पथिरागे 84.38 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, 'यह सच में कमाल की उपलब्धि है। वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है, मेरा अच्छा दोस्त है। उसने श्रीलंका के लिए जो किया है, मैं उसके लिए खुश हूं।'

दोहा डायमंड लीग में शामिल अन्य खिलाड़ियों में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मौजूदा विश्व चैंपियन केशोर्न वालकॉट, ग्रेनाडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, अमेरिका के विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता कर्टिस थॉम्पसन, कीनिया के जूलियस येगो, चेक गणराज्य के जैकब वाडलेच, मिस्र के मोहम्मद हुसैन अहमद सामेह और आर्तुर फेल्फनर शामिल हैं। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने 12 जून को अपनी भागीदारी की घोषणा के बाद अपना नाम वापस ले लिया।

टी20 महिला विश्वकप : भारतीय टीम नीदरलैंड को हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में नीदरलैंड के खिलाफ 95 रनों की बड़ी जीत दर्ज कर ग्रुप-ए की अंकतालिका में चार अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। इससे पहले भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 64 रनों की बड़ी जीत दर्ज की थी। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम17.3 ओवर में 114 रन पर ही सिमट गयी। भारतीय टीम ने की ओर से स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत की। दोनों खिलाड़ियों ने 70 गेंदों में ही 115 रन बना दिये। शेफाली 38 गेंदों में 10 चौकों के साथ 55 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। वहीं मंधाना ने जेमिमा के साथ दूसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 47 रन बनाये। मंधाना ने 47 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 74 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से ऋचा 20 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 12 रन बनाये। डच टीम की ओर से कैरोलिन डी लैंग ने 2 विकेट लिए। वहीं आइरिस ज्विलिंग, हीथर सीगर्स और मर्थे वैन डेन राड को 1-1 विकेट मिला। डच टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.3 ओवरों में 114 रनों पर ही आउट हो गयी। हीथर सीगर्स ने सबसे अधिक 21 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने 19 रन देकर 4 विकेट जबकि शेफाली वर्मा ने 20 रन देकर 3 विकेट निकाले। 2 विकेट नंदिनी शर्मा को मिले।

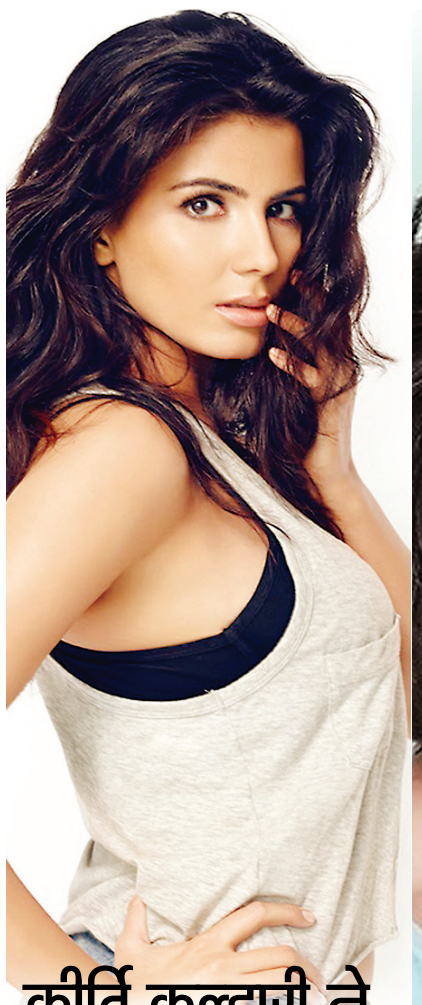

कीर्ति कुल्हारी ने मानवी गगरू के लिए लिखी खास बात

अभिनेत्री पत्रलेखा और मानवी गगरू स्टारर कॉमेडी ड्रामा 'हीर सारा और पुडुचेरी' बड़े पर्दे पर प्रदर्शित हो चुकी है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने फिल्म और मानवी गगरू को बधाई देते हुए एक दिलचस्प पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री इंस्टाग्राम पर फिल्म का क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'इस खास दिन पर मानवी गगरू को दिल से ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं। आप पहले से भी ज्यादा चमकें और फिल्म को खूब प्यार मिले, यही कामना है। ढेर सारा प्यार, बड़ी-सी झप्पी और हीर सारा की पूरी टीम को शुभकामनाएं। दोस्तों, जाइए और इस खूबसूरत फिल्म को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में देखकर अपना प्यार दीजिए।' निर्देशक कार्तिक चौधरी द्वारा बनाई गई यह फिल्म दो महिलाओं की भावनात्मक यात्रा पर आधारित है, जो व्यक्तिगत संकटों और सामाजिक दबावों के बीच जीवन में मुक्ति और नया उद्देश्य तलाशती हैं। सारा (पत्रलेखा) एक महत्वाकांक्षी बाइकर हैं और हीर (मानवी गागरू) एक अन्य महिला हैं जो जीवन के अलग-अलग दौर से गुजर रही हैं। सारा अपनी मां को खोजने के लिए इंदौर से पांडिचेरी (पुडुचेरी) की यात्रा पर निकलती हैं, जबकि हीर अपने बॉयफ्रेंड की शादी को रोकने का प्रयास करती है। यह फिल्म पहचान, महिला दोस्ती और सामाजिक अपेक्षाओं के बंधनों से मुक्त होकर खुद को फिर से खोजने के साहस का जश्न मनाती है।

फिल्म का निर्माण मेघा क्रिएशन्स (दिनेश सोनी), नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस (नीरज रुहिल और सुभव शर्मा) और ऑप्टिकस इंक ने मिलकर किया है। फिल्म को सोनी म्यूजिक इंडिया का सहयोग मिला है। फिल्म में आरिफ जकारिया, निशंक वर्मा और श्वेता साल्वे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। उनका मानना है कि फिल्म का मूल विचार बहुत अच्छा था, लेकिन पटकथा थोड़ी सुस्त है और इसमें रोमांच या हास्य की कमी है। कई विषयों को छूने के बावजूद, फिल्म उनमें गहराई तक नहीं उतर पाती।

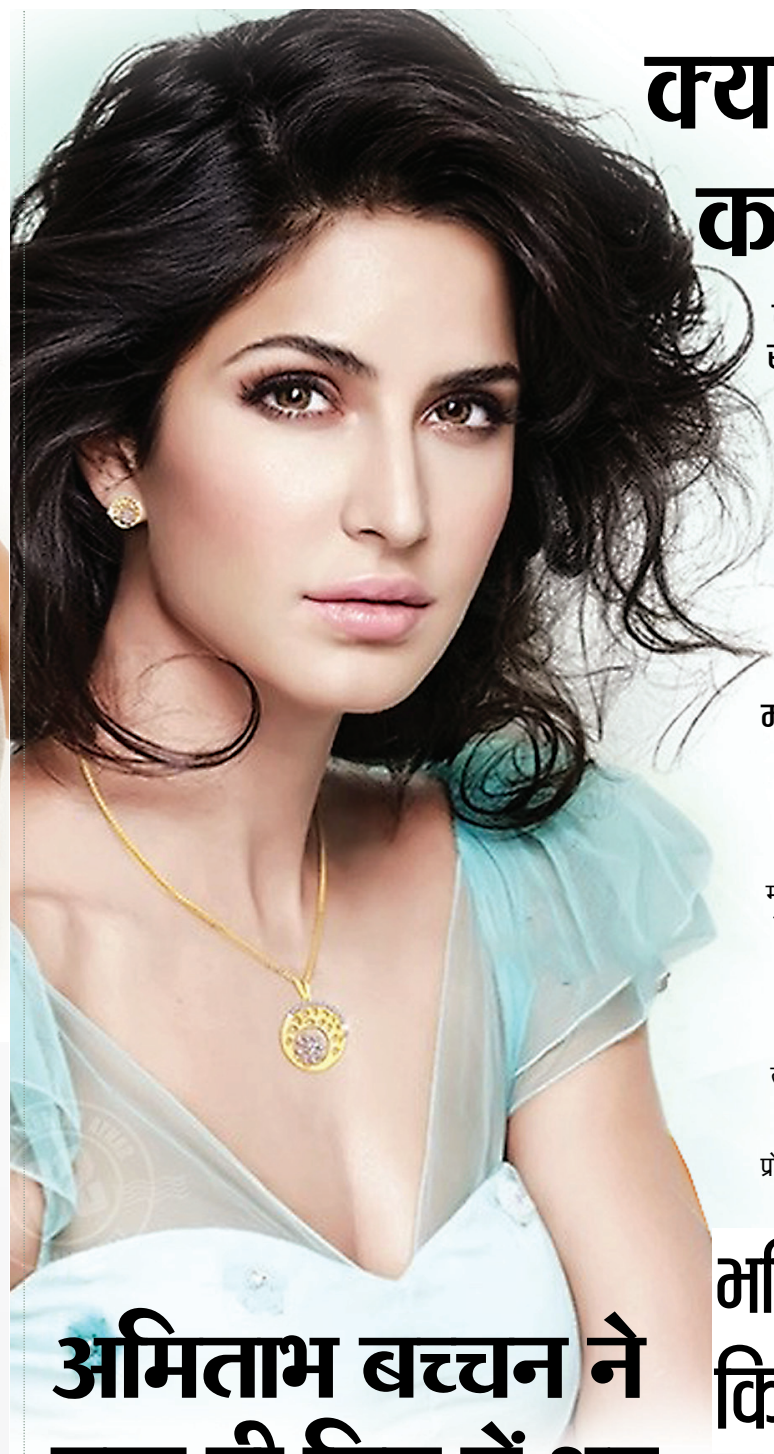

क्या बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी कटरीना कैफ?

कटरीना कैफ के फैंस लंबे समय से उनकी बड़े पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में खबर है कि अभिनेत्री एक सीक्वल के लिए बातचीत कर रही हैं। इस फिल्म में तब्बू भी शामिल हो सकती हैं। हालांकि इसकी जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, मगर इस प्रोजेक्ट ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है।

बड़े पर्दे पर वापसी कर सकती हैं कटरीना?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कटरीना कैफ एक सीक्वल से जुड़ सकती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में मूल फिल्म की अभिनेत्री तब्बू भी नजर आ सकती हैं। हालांकि मेकर्स ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई हैं। कटरीना के इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की संभावना ने फैंस के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्मफेयर के मुताबिक कटरीना कैफ पर 2001 की फिल्म 'चांदनी बार' के सीक्वल 'चांदनी बार 2' के लिए विचार किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन अजय बहल कर रहे हैं और फिलहाल इसकी कास्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

क्या है 'चांदनी बार' की कहानी

'चांदनी बार' (2001) का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था। इस क्राइम ड्रामा में मुंबई के अंडरवर्ल्ड की काली सच्चाइयों को दिखाने की कोशिश की गई थी। यह फिल्म मुमताज की कहानी है, जिसका किरदार तब्बू ने निभाया है। मुमताज एक युवा महिला है जिसे बार डांसर के तौर पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

कटरीना कैफ का वर्कफ्रंट

कटरीना कैफ की हालिया फिल्मों में 'सूर्यवंशी', 'फोन भूत', 'टाइगर 3' और 'मेरी क्रिसमस' शामिल हैं। एक्टिंग के साथ-साथ, उन्होंने अपने ब्यूटी ब्रांड को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया है।

अमिताभ बच्चन ने एक ही दिन में शूट की 12 शॉर्ट फिल्में

अमिताभ बच्चन 83 वर्ष की उम्र में भी इंडस्ट्री में न केवल सक्रिय हैं, बल्कि पूरी ऊर्जा और क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। इसे लेकर वे अपने प्रशंसकों के साथ अपडेट भी साझा करते रहते हैं। बिग बी नियमित रूप से ब्लॉग लिखते हैं। हालिया ब्लॉग में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने 12 फिल्मों की शूटिंग एक ही दिन में पूरी कर ली। हालांकि, ये शॉर्ट फिल्में थीं, लेकिन यह भी कोई मजाक नहीं है।

अमिताभ बच्चन ने 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग का काम एक ही दिन में निपटा देने के साथ ही दो स्टिल शूट भी उसी दिन पूरे किए। बिग बी ने अपने ब्लॉग में एक नोट के साथ तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने ब्लॉग में लिखा है, 'काम तो काम है। आज 12 शॉर्ट फिल्में शूट कीं और दो स्टिल शूट किए और अब आप पर काम कर रहा हूं'। आगे लिखा है, 'बिना किसी देरी के, जोड़ने की यह प्रक्रिया ही आज का मुख्य काम है। बाकी सब तो चलता रहेगा। ये रुकना नहीं चाहिए। ब्लॉगिंग के शौकीन अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा कि काम के दिन से पहले पूरी तैयारी के साथ पढ़ाई और अभ्यास करना चाहिए। परिस्थितियां कैसी भी हों, कभी समझौता नहीं करना चाहिए। बता दें कि अमिताभ बच्चन इन दिनों निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं।

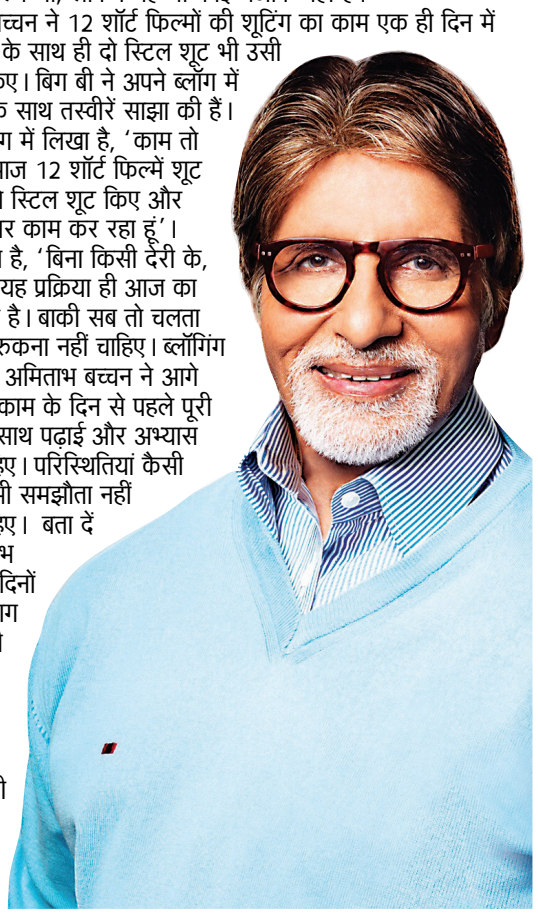

भविष्य में नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है

कहते हैं कि सपने बड़े देखो तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है और संघर्ष ही इस कीमत को वसूलता भी है। कई सफल टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने करियर के सफर, संघर्ष और सफलता को लेकर खुलकर बात की है। 'इमली' जैसे चर्चित टीवी शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का उनका रास्ता आसान नहीं था, लेकिन हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर बनने की प्रेरणा दी।

सुम्बुल ने बताया, 'मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। इंडस्ट्री में मेरा सफर डांस रियलिटी शो से शुरू हुआ, लेकिन मेरा सपना अभिनय करना था। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने निभाने हर किरदार से कुछ नया सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती शोज से लेकर वर्तमान शो 'इत्ती सी खुशी' तक, अलग-अलग किरदारों को पर्दे पर जीवंत करना उन्हें बेहद पसंद है। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए हर किरदार एक नई चुनौती और सीख लेकर आता है। सुम्बुल ने यह भी माना कि कई बार दर्शक किसी कलाकार और उसके किरदार के बीच फर्क करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार दर्शकों के दिलों तक पहुंचता है और लोग उस पर मजबूत प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह कलाकार के काम की सबसे बड़ी सफलता होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक निभाए गए सभी किरदारों पर गर्व है और भविष्य में भी नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है। दर्शकों की सोच पर बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि लोग अक्सर पर्दे पर निभाए गए किरदारों के आधार पर कलाकारों की छवि बना लेते हैं। अगर कोई कलाकार नायक या नायिका की भूमिका निभाता है तो दर्शक उससे वास्तविक जीवन में भी वैसा ही व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं।

वीर दास होंगे 'बारह नंबर' के निर्देशक

एक्टर, कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दास ने अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' का एलान किया है। इस फिल्म में शीबा चड्ढा, अरुणोदय सिंह, एहसास चन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार होंगे। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। दास ने इस साल की शुरुआत में स्पाई कॉमेडी फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था।

कवि शास्त्री के साथ दोबारा जुड़े वीर दास

'बारा नंबर' के लिए वीर दास एक बार फिर 'हैप्पी पटेल' के को-डायरेक्टर कवि शास्त्री के साथ काम करेंगे। इस फिल्म से वह क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दास भी फिल्म में बतौर एक्टर काम करेंगे। इसमें निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नय्यर, पूजा स्वरूप और नवीन कौशिक भी शामिल हैं। वीर दास ने बताया 'इस प्रोजेक्ट की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें ऐसे कलाकार साथ आए हैं, जिनकी मैं तारीफ करता हूं। शीबा, अतुल, अरुणोदय, श्रिया, एहसास, निहारिका, सुहैल और नवीन, हर कोई फिल्म में एक अलग ऊर्जा और असलियत लेकर आता है।'

कब अच्छी लगती है हॉरर फिल्म?

उन्होंने आगे कहा 'हॉरर फिल्म तब अच्छी लगती है जब दर्शकों को हर पल असली लगे और इस कलाकारों की टीम ने कहानी को उस स्तर से कहीं आगे पहुंचा दिया है, जो मैंने इसे लिखना शुरू करते समय सोचा था।' 'पेद्दी' के एक्शन डायरेक्टर ने आमिर खान से की राम चरण की तुलना, शूटिंग के दौरान इस वजह से याद आई फिल्म 'दंगल'

वीर दास ने किया इन फिल्मों में काम

'देली बेली', 'गो गोवा गॉन' जैसी फिल्मों और 'कॉल मी बे' जैसी सीरीज में काम करने के लिए मशहूर वीर दास, अपने बैनर 'जजू प्रोडक्शंस' के जरिए 'बारा नंबर' को प्रोड्यूस करेंगे।

थिएटर में नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी

अहाना कुमरा ने अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को तराशने पर बातें की हैं। उन्होंने शहर की सीख और वैल्यूज के साथ मुंबई में काम पर बातें कीं। उन्होंने कहा- थिएटर में उन्हें नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी।

अहाना ने थिएटर पर की बात

थिएटर की सख्ती, अपने फैसलों की कीमत और इंडस्ट्री की सियासत, इन सबके बीच अपनी अलग पहचान बनाने वाली अहाना कुमरा की सोच उतनी ही साफ है, जितनी वह बेबाक हैं। नसीरुद्दीन शाह से मिली सीख ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया तो लखनऊ की तहज़ीब और जिद आज भी उनके काम में झलकती है। अहाना कुमरा ने इस खास बातचीत में अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को लगातार तराशने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। लखनऊ ने मुझे तहजीब और जिद दोनों दी हैं। अगर कहें तो मुंबई में जाकर आप तहजीब भूल जाते हैं (ठहाके लगाते हुए)। हालांकि, इस शहर ने एक जिद जरूर दी है क्योंकि जब आप ऐसे शहरों से आते हैं, जहां आपको अपने शहर का नाम रोशन करना है तो अंदर एक जिम्मेदारी सी रहती है। मैं यहां अब रहती नहीं हूं लेकिन साल में एक-दो बार आना-जाना जरूर हो जाता है। कभी खाने के बहाने तो कभी किसी इवेंट में शिरकत करने। लखनऊ आते ही ऐसा लगता है कि मुझे इसका नाम रोशन करना है। मुझे इसके लिए पांच या दस साल लग जाएं लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैं हमेशा जुटी रहूं और डटी रहूं। इस शहर ने जो सीख और वैल्यूज दी हैं, उन्हें साथ लेकर ही मैं मुंबई में काम कर रही हूं।

नसीरुद्दीन शाह ने कहा, यह तुम्हारी जिम्मेदारी है

थिएटर में सबसे पहली चीज आप अनुशासन और शिद्दत सीखते हैं। आपको जो बोला गया है, वो आपको करना होगा और इसके पैसे नहीं मिलते हैं। फिल्मों की तरह 10 लोग आपके आजू-बाजू नहीं रहते हैं। याद है जब मैंने अपना पहला शो 'मॉटली' में किया था तो बैकस्टेज अपने कपड़े खुद सेट किए थे। हमारी बिलॉन्गिंग्स और चेंजेस होते हैं, जिन्हें चेक किया जाता है और वो मैंने ठीक से नहीं किया। उस पर नसीरुद्दीन शाह सर ने मुझे बहुत डांट लगाई थी। उन्होंने कहा था- तुमको क्या लगता है कि यहां तुम्हारे काम अलग से कोई करेगा? चुपचाप जाकर अपने सारे कॉस्ट्यूम चेक करो। देखो कहां क्या रखा है। यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि तुम जब वापस स्टेज से आओगे और दूसरे सीन के लिए तैयार होने जाओगे तो तुम्हें पता हो कि कहां पर क्या रखा है। हम यहां तक ड्रेस रिहर्सल करते थे कि अगर 30 सेकेंड हैं तो कैसे अपनी ड्रेस को अनजिप करें और कैसे नई ड्रेस जिप करके स्टेज पर फटाफट पहुंचें। अगर आप ये चीजें नहीं सीखते तो काम नहीं चलेगा। थिएटर में आपके पास समय नहीं है और वहां आपका काम कोई दूसरा नहीं करेगा। वहां आपको आत्मनिर्भर बनना पड़ता है। आजकल के ऐक्टर्स में मैंने देखा है कि वे काम बाद में शुरू करते हैं, पहले उनके इर्द-गिर्द 10 चेले-चपाटे आ जाते हैं। वो चीजें आपको थिएटर में नहीं मिलती हैं। मैं हमेशा कहती हूं कि कोई भी यंग ऐक्टर जो ऐक्टिंग शुरू करना चाहता है, उसे थिएटर जरूर करना चाहिए।

अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है

हमेशा से कहती आई हूं कि जो मैं अपने डिसिजन लेती हूं, उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मुझे यह जिम्मेदारी भी पूरी करनी है कि ऐसे रोल करूं, जिन्हें लोग बरसों याद रखें। उसके बारे में बाद में मुझे सोचकर यह ना लगे कि वो रोल क्यों किया। इन रोल्स को करने के लिए हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अगर आप हमारे जैसे प्रोफेशन में रिस्क नहीं लेंगे तो फिर यहां आने का कोई मतलब नहीं। आप नाइन टू फाइव जॉब कर लीजिए। बड़े-बड़े ऐक्टर्स रिस्क लेते हैं। रिस्क जिन्होंने नहीं लिया, उनके करियर बहुत जल्दी नीचे आ गए। मैंने अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है। बहुत लोगों की गालियां सुनी हैं। बहुत लोगों से यह भी सुना है कि तुम्हारे साथ आज के बाद काम नहीं करेंगे। मैंने उनसे यही कहा कि आप अकेले नहीं हैं। अगर आप मेरे साथ काम नहीं करेंगे तो भी मुझे काम मिलेगा। मैं खुद को इतना ग्रो कर चुकी हूं कि मुझे किसी की धमकी की जरूरत नहीं है। मैं तो अब प्रोड्यूस भी कर रही हूं।

जहां लोगों के पास दो-दो आधार और राशन कार्ड हैं! लेकिन सच बताने पर गिरफ्तारी का डर है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोटिया बॉर्डर। भारत में मैप पर बॉर्डर साफ दिखते हैं, लेकिन कोटिया ग्राम पंचायत इलाका इस बात का जीता-जागता सबूत है कि ज़मीनी हकीकत कितनी कन्फ्यूजिंग हो सकती है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बॉर्डर पर बसे

21 गांव और उनके 933 परिवार आज ऐसी अजीब हालत में जी रहे हैं, जो शायद पूरे देश में कहीं और देखने को नहीं मिलती। ये गांव किसके हैं? आंध्र प्रदेश या ओडिशा? इस सवाल का जवाब दोनों राज्यों के पास नहीं है, लेकिन यहां के लोग इनके बीच पिस रहे हैं। हालत ऐसी है कि अगर कोई व्यक्ति एक राज्य की पहचान दिखाता है, तो दूसरे राज्य की पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने का बहुत डर रहता है! बॉर्डर का अनोखा खेलः एक आदमी और दो राज्यों की पहचान यहां के लोगों के पास आंध्र प्रदेश और ओडिशा दोनों राज्यों के राशन कार्ड हैं। इतना ही नहीं, यह भी पता चला है कि कई लोगों के पास सरकारी नियमों को ताक पर रखकर दो आधार कार्ड भी हैं! ज्योग्राफिकल और इंफ्रास्ट्रक्चरल सुविधाओं की बात करें तो इन घरों में बिजली ओडिशा सरकार से आती है, जबकि मोबाइल फोन इस्तेमाल करने के लिए नेटवर्क आंध्र प्रदेश से आता है! दोनों राज्य इन 21 गांवों पर अपना हक जताने के लिए तरह-तरह की स्कीमें बरसा रहे हैं। फ्री राशन से लेकर दूसरी सरकारी सुविधाएं दोनों तरफ से दी जा रही हैं ताकि गांव वाले उनके साथ हों। लेकिन इस सुविधा के पीछे एक बड़ा रिस्क है। लोकल लोगों के मुताबिक, दोनों राज्यों के अधिकारियों और पुलिस के बीच चल रही दुश्मनी की वजह से, अगर कोई नागरिक एक राज्य के प्रति लॉयल्टी या डॉक्यूमेंट्स दिखाता है, तो दूसरा राज्य उसके खिलाफ लीगल एक्शन लेता है, जिसमें गिरफ्तारी भी हो सकती है।

राजकोट में पूर्व मेयर नयना पेढडिया के परिवार का विवादित कंस्ट्रक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पूर्व मेयर नयनाबेन पेढडिया और उनके परिवार से जुड़े एक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट ने राजकोट की पूरी पॉलिटिक्स में गरमाहट ला दी है। सत्ताधारी पार्टी के नेता आम जनता को कानून का पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन यह मामला इस बात का जीता-जागता सबूत बन रहा है कि जब बात खुद की आती है तो नियम कैसे उड़ते हैं। नगर निगम की तरफ से ऑफिशियल नोटिस जारी होने के बावजूद, गंभीर आरोप लगे हैं कि कंस्ट्रक्शन जोरों पर जारी रहा, जैसे वे कानून या लीडरशिप को अपनी जेब में रखे हों। इस विवाद में जो घटनाक्रम सामने आया है, वह नगर निगम अधिकारियों की मिलीभगत या नेताओं के घमंड की ओर इशारा करता है

कागज पर नोटिस, जमीन पर काम: जब नगर निगम ने साइट का इंस्पेक्शन करके नोटिस जारी किया, तो सिर्फ एक फ्लोर का मेसनरी का काम हुआ था। एडमिनिस्ट्रेशन ने काम रोकने का निर्देश दिया था।

आदेश का तरीका: नोटिस मिलने के बाद काम रुक जाना चाहिए था, लेकिन यहां तो उलटी गंगा बह गई! नोटिस जारी करने के बाद पता चला है कि दूसरी मंज़िल का काम भी आगे बढ़ा दिया गया था और शटर भी लगा दिए गए थे।

पर्दे के पीछे का खेल: आरोप लग रहे हैं कि पूरी साइट को बड़े-बड़े पर्दों से ढक दिया गया है, ताकि बाहर से कोई यह न देख सके कि अंदर क्या गैर-कानूनी खेल चल रहा है। पर्दे नीचे रखकर कानून की आंखों में धूल झोंकने का यह बहुत बड़ा खेल है!

क्या एडमिनिस्ट्रेशन झुका या नेता की पावर कम हो गई?

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि अगर कोई आम आदमी बिना परमिशन के एक ईंट भी रखता है, तो नगर पालिका की पूरी डेमोलिशन फोर्स बुलडोजर और हथौड़े लेकर पहुंच जाती है। हिम्मत किसने दी क्या राजकोट नगर पालिका के टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी पुराने मेयर के दबाव में आ गए हैं.

मेलोनी ने सिगरेट पीना छोड़ा, जी7 समिट में खुलासा कहा- 1 महीने से नहीं पी; नींद भगाने के लिए कॉफी पीती हूं

एवियन, एजेंसी। फ्रांस में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं की अनौपचारिक बातचीत माइक्रोफोन में रिकॉर्ड हो गई। इन नेताओं को सिगरेट, फुटबॉल, तोहफों जैसी बातों पर हल्के-फुल्के मजाक करते हुए सुना गया। इन सबमें से इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सिगरेट छोड़ देने वाली बातचीत की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, बैठक शुरू होने से पहले मेलोनी ने नेताओं से बातचीत में कहा कि आज उन्होंने 3 कप कॉफी पी है। यह सुनकर यूरोपीय यूनियन की चीफ उर्सला वॉन डेर लेयेन ने चौंकते हुए पूछा- क्या आज सुबह, उठने के लिए? इस पर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने चुटकी लेते हुए कहा- और सिगरेट कितनी पी? मेलोनी ने इससे इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने एक महीने से सिगरेट नहीं पी है। यह सुनते ही कनाडा, ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ के नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मेलोनी ने खुशी में दोनों हाथ उठा दिए।

इसके बाद कनाडाई पीएममार्क कार्नी ने मजाकिया अंदाज में अपने हाथ की ओर इशारा कर पूछा, क्या आपने निकोटिन पैच लगाया है? इस पर आसपास मौजूद लोग हंस पड़े। निकोटिन पैच शरीर की त्वचा पर लगाया जाता है। यह धीरे-धीरे शरीर में थोड़ी मात्रा में निकोटिन पहुंचाता है, जिससे सिगरेट, बीड़ी या तंबाकू छोड़ने वाले लोगों को उसकी तलब कम लगती है और छोड़ने में आसानी होती है।

मैक्रों ने फ्रांस फुटबॉल टीम का समर्थन किया : अमेरिका, कनाडा और

मेक्सिको में चल रहे फीफा विश्व कप के बीच नेता खेलों पर चर्चा करते नजर आए। मैक्रों ने फ्रांस की टीम का समर्थन करते हुए कहा, अलेज ले ब्लू यानी आगे बढ़ो फ्रांस। एक नेता ने पेरिस सेंट-जर्मेन (क्लब) क्लब की हालिया चैंपियंस लीग जीत की तारीफ की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी केप वर्डे की टीम की सराहना की, जिसने मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। स्टार्मर ने कहा, यह वास्तव में हैरान करने वाला प्रदर्शन था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी फुटहॉल से इतर यूएफसी मुकाबले का जिक्र किया। दरअसल, ट्रम्प के जन्मदिन 14 जून पर व्हाइट हाउस में यूएफसी मुकाबला हुआ था। ट्रम्प ने इसके आयोजक डाना व्हाइट की खूब तारीफ की।

ग्रीनलैंड का जिक्र करना नहीं भूले ट्रम्प : समिट में एक रहस्यमय बातचीत भी रिकॉर्ड हुई। ट्रम्प यूरोपीय परिषद के चीफ एंटोनियो कोस्टा से बात कर रहे थे। बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा, आप जानते होंगे। कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने कोस्टा की तरफ देखते हुए कहा- ग्रीनलैंड। बातचीत का बाकी हिस्सा साफ नहीं सुनाई दिया। ट्रम्प की यह टिप्पणी इसलिए चर्चा में आ गई क्योंकि वह पहले भी कई बार डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जता चुके हैं। उनके इस प्रस्ताव ने पिछले वर्षों में कई यूरोपीय नेताओं को नाराज किया था। हालांकि इस बार ट्रम्प का क्या मतलब था, यह स्पष्ट नहीं हो सका।

मैक्रों घड़ी ले जाना भूले तो ट्रम्प ने कहा- ये मुझे दे दो : सम्मेलन के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपनी घड़ी कहीं छोड़ गए। जब नेता दोपहर खाने के लिए जा रहे थे, तब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, मैक्रों अपनी घड़ी यहां छोड़ गए हैं। हमारे पास उनकी घड़ी है। इस पर ट्रम्प ने तुरंत मजाक करते हुए कहा, अगर उन्होंने छोड़ दी है तो मुझे दे दो। उनकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। समिट में तोहफों का आदान-प्रदान भी हुआ। मैक्रों ने सभी 7 नेताओं को व्यक्तिगत साइकिल भेंट की। ट्रम्प को साइकिल मिलने पर कई लोगों ने हैरानी जताई क्योंकि वह गोल्फ को छोड़कर अन्य शारीरिक गतिविधियों और खासकर साइकिल चलाने में रुचि नहीं दिखाते। हालांकि उस समय पास में कोई माइक्रोफोन नहीं था, इसलिए उनकी बाते रिकॉर्ड नहीं हो सकी। जर्मन चांसलर मर्त्ज भी ट्रम्प के लिए एक खास तोहफा लेकर पहुंचे। उन्होंने ट्रम्प को जर्मनी की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की जर्सी भेंट की, जिस पर ट्रम्प का नाम और 47 नंबर लिखा था। यह उनके अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होने का संकेत था। ट्रम्प ने मुस्कुराते हुए जर्सी को कैमरों के सामने दिखाया और फोटो खिंचवाई। बाद में मर्ज ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, आखिरकार हम एक ही टीम में हैं। इसी बीच मोदी और इटालियन पीएम जॉर्जिया मेलोनी की बातचीत भी हुई। मेलोनी ने मोदी से कहा- दोबारा मिलकर अच्छा लगा, हम इंस्टाग्राम पर सबसे फेमस हैं। मोदी पिछले महीने 5 देशों के दौरे पर गए थे। जहां उन्होंने रोम में पीएम मेलोनी को मेलोडी टॉफी दी थी। जिसका वीडियो वायरल हो गया था। सम्मेलन के दौरान जब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आमने-सामने आए। मेलोनी ने मुस्कुराते हुए मोदी से कहा, आपसे फिर मिलकर अच्छा लगा।

नेपाल ने चीन के सामने कालापानी-लिपुलेख का मुद्दा उठाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे के इस्तेमाल को लेकर हुए समझौते पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यह व्यवस्था किस आधार पर बनाई गई और इसकी प्रकृति क्या है।

इसके जवाब में वांग यी ने कहा कि यह मूल रूप से भारत और नेपाल के बीच का मामला है और इसका समाधान बातचीत से ही निकलेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के मुद्दे संबंधित देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता के जरिए सुलझाए जाने चाहिए। नेपाल ने दोहराया कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं। काठमांडू पहले भी नई दिल्ली और बीजिंग को विरोध नोट भेजकर कह चुका है कि उसकी सहमति के बिना इस इलाके से जुड़ा कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

2020 में हुआ था भारत-चीन समझौता : भारत और चीन ने 2020 में लिपुलेख दर्रे के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमा पार व्यापार को फिर से शुरू करने पर सहमति बनाई थी। दोनों देशों ने इस मार्ग को तीर्थयात्रा और व्यापार के लिए इस्तेमाल करने की व्यवस्था पर सहमति जताई थी। नेपाल ने उस समय इसका विरोध किया था। काठमांडू का कहना था कि लिपुलेख, कालापानी और

लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं, इसलिए उससे बिना राय लिए इस मार्ग को लेकर कोई भी समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके बाद नेपाल ने भारत और चीन दोनों को राजनयिक विरोध नोट भेजा था। इसके बावजूद भारत और चीन कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमावर्ती व्यापार के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल करते रहे हैं।

खनाल ने भारत दौरे पर नहीं उठाया था मुद्दा : दिलचस्प बात यह है कि शिशिर खनाल ने हाल की भारत यात्रा के दौरान यह मुद्दा नहीं उठाया था। उस समय उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत की थी। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में भी कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख का जिक्र नहीं था। ऐसे में कूटनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा है कि नेपाल ने नई दिल्ली के मुकाबले बीजिंग में ज्यादा सख्त रुख दिखाया। विश्लेषकों का मानना है कि नेपाल दोनों पड़ोसियों के साथ संतुलन बनाए रखते हुए सीमा विवाद को जिंदा रखना चाहता है, लेकिन खुलकर टकराव से भी बचना चाहता है।

इमरान खान की बहन अलीमा खानम ने पीआईएमएस के इलाज पर उठाए गंभीर सवाल, मांगी स्वतंत्र जांच

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान की बहन अलीमा खानम ने जेल में बंद नेता की स्वतंत्र मेडिकल जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि खान को फिर से इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) ले जाया गया था और कहा कि परिवार उनकी सेहत या आंखों की रोशनी के बारे में अस्पताल की ओर से जारी किसी भी मेडिकल रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करेगा। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में अलीमा ने कहा कि परिवार को खबर मिली थी कि खान को 15 जून की सुबह अदियाला जेल से पीआईएमएस ले जाया गया था, और उन्हें इस बात का पता उसी दिन सुबह बाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ चेयरमैन बैरिस्टर गोहर की सोशल मीडिया पोस्ट से चला। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हमें खबर मिली है कि इमरान खान को 15 जून की सुबह फिर से पीआईएमएस ले जाया गया। हमें यह जानकारी 15 जून की सुबह बैरिस्टर गोहर के एक ट्वीट से मिली। अलीमा ने लिखा हम इमरान खान की हालत के बारे में पीआईएमएसकी ओर से जारी किसी भी मेडिकल रिपोर्ट को नहीं मानते।' उन्होंने आरोप लगाया कि संस्थान के पहले के दावों पर बाद में सवाल उठाए गए थे। उन्होंने पहले किए गए उन दावों का ज़िक्र किया जिनमें कहा गया था कि खान की 90 प्रतिशत नज़र वापस आ गई है; उन्होंने बताया कि जब बाद में उनके वकील ने अदियाला जेल में उनसे मुलाक़ात की, तो खुद इमरान खान ने इस दावे को खारिज कर दिया था। खान के इलाज के आधिकारिक विवरण पर सवाल उठाते हुए अलीमा ने पूछा, 'इमरान खान को पांचवें इंजेक्शन की क्या ज़रूरत है? उन्होंने कहा कि परिवार सरकार के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है और मांग करता है कि क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान की जांच और इलाज इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में स्वतंत्र, योग्य विशेषज्ञों द्वारा किया जाए। अलीमा की ये टिप्पणियां 73 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य, विशेष रूप से उनकी बिगड़ती दृष्टि को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई हैं।

'मेरे बिना इजरायल नहीं होता', जी7 मंच से बेंजामिन नेतन्याहू पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

एवियन, एजेंसी। फ्रांस के एवियन में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर जमकर बरसे। ट्रंप ने खुले मंच से नेतन्याहू को काफी खरी खोटी सुनाई और दावा किया कि अगर अमेरिका उनके साथ न होता तो इजरायल का कोई अस्तित्व नहीं होता। ट्रंप ने नेतन्याहू को 'क्रेजी' तक कह दिया है जो रिश्तों में भारी तनाव को साफ दिखाता है। यह पूरा मामला अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक बड़ा और बहुत ही अहम मोड़ ला सकता है। दोनों विश्व नेताओं के बीच किसी समय बहुत ही गहरी और मजबूत दोस्ती हुआ करती थी लेकिन अब हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने नेतन्याहू को बता दिया है कि लेबनान में उनके हालिया हमलों से अमेरिका खुश नहीं है। ये खतरनाक हमले

वाशिंगटन और तेहरान के बीच होने वाली एक अहम शांति डील को भारी खतरे में डाल रहे हैं। यह महत्वपूर्ण शांति डील इसी शुक्रवार को जिनेवा में साइन होने वाली है जिस पर सबकी नजरें हैं।

घरेलू दबाव और राजनीति का असर : नेतन्याहू पर ट्रंप की नाराजगी के पीछे अमेरिका की घरेलू राजनीति भी एक बहुत बड़ी और मुख्य वजह मानी जा रही है। अमेरिका में युद्ध को पसंद करने वाले लोगों की संख्या तेजी से कम हो रही है और गैसोलीन के दाम बढ़ गए हैं। ट्रंप पर इस बात का भारी दबाव है कि वो जल्द से जल्द इस विनाशकारी युद्ध को पूरी तरह से खत्म करें। ट्रंप अब ईरान के साथ एक बहुत ही बड़ी शांति डील करने को पूरी तरह बेताब नजर आ रहे हैं।

इजरायल को लेकर अमेरिका में राय : अमेरिका में इजरायल के समर्थन को लेकर राजनीतिक दलों की पुरानी राय अब पूरी तरह से बंटी हुई नजर आ रही है। डेमोक्रेट्स इस युद्ध में फिलिस्तीनियों के साथ इजरायल के सख्त व्यवहार से बहुत ज्यादा नाराज हैं और कई सवाल उठा रहे हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी के नेता भी यह पूछ रहे हैं कि इजरायल को समर्थन देना अब कितना जरूरी है। यहूदी डेमोक्रेटिक काउंसिल की हेली सोइफर ने ट्रंप की इस कूटनीतिक टिप्पणी को अत्यंत आपत्तिजनक और पूरी तरह से गलत कहा है। पूर्व सलाहकार एरॉन डेविड मिलर के अनुसार अगर नेतन्याहू इस डील के रास्ते में आते हैं तो ट्रंप उन पर भारी दबाव बनाएंगे। ट्रंप इस भयानक युद्ध से बाहर निकलना चाहते हैं और इसके लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। ट्रंप ने कहा कि बीबी के साथ उनका रिश्ता शानदार रहा है लेकिन अब उन्हें अधिक जिम्मेदार होना पड़ेगा। अगर नेतन्याहू अपनी जिद पर अड़े रहे तो अमेरिका और इजरायल के ऐतिहासिक रिश्तों में एक बहुत बड़ी दरार आ जाएगी।

कट्टरपंथियों की धमकी के बाद रुका भगवान राम की मूर्ति का निर्माण कार्य, ढहाने की दी थी चेतावनी

ढाका, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और प्रताड़ना की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शेख हसीना की सरकार हटने के बाद से वहां हालात और भी ज्यादा खराब हो गए हैं। अब ताजा मामला रंगपुर संभाग के पलाशबाड़ी इलाके से सामने आया है, जहां कट्टरपंथियों के दबाव में भगवान राम की एक निर्माणाधीन मूर्ति का काम रोक दिया गया है।

मंदिर समिति ने क्या कहा : मंदिर समिति ने जानकारी दी है कि उन्हें कट्टरपंथी संगठनों से लगातार धमकियां मिल रही थीं। इन संगठनों ने चेतावनी दी थी कि वे मूर्ति को ध्वस्त कर देंगे और

इलाके में हिंसा फैलाएंगे। क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए मंदिर प्रबंधन ने फिलहाल निर्माण कार्य को स्थगित करने का फैसला किया है। मंदिर समिति के एक सदस्य ने मीडिया को बताया कि समाज और देश के हित को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में अगर जरूरत महसूस हुई, तो वे सभी पक्षों को बुलाएंगे और उनके सुझाव लेने के बाद ही काम को दोबारा शुरू करने पर विचार करेंगे।

कैस शुरू हुआ विवाद : यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब 'इंसाफ कायमकारी छात्र श्रमिक जनता' नाम के एक कट्टरपंथी संगठन से जुड़े उपदेशक ने इस मूर्ति को लेकर धमकी दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए बयानों में इस उपदेशक ने मांग की कि पलाशबाड़ी में बन रही भगवान राम की मूर्ति को बुलडोजर से तोड़ देना चाहिए। उसने प्रशासन को अल्टीमेटम दिया कि अगर सरकार ने इसे नहीं हटाया, तो आम लोग खुद इसे तोड़ देंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस कट्टरपंथी उपदेशक ने न केवल मूर्ति को निशाना बनाया, बल्कि कई भड़काऊ भाषण भी दिए। उसने भारत और दक्षिण एशियाई देशों के बीच क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर भी आपत्तिजनक बातें कहीं। उसकी इन बातों से इलाके में तनाव काफी बढ़ गया, जिसे देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने निर्माण कार्य रोकने का फैसला किया। बता दें कि बांग्लादेश में हालिया राजनीतिक संकट के बाद से ही अल्पसंख्यक हिंदू समाज लगातार उपद्रवियों के निशाने पर है। वहां हुई हिंसा में कई हिंदुओं की जान जा चुकी है, जबकि उनके घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ व नुकसान पहुंचाया गया है। इन हिंसक घटनाओं के कारण वहां रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय में डर और असुरक्षा का माहौल है।

अमेरिका में नौकरी और एच-1बी वीजा के बदले 94 लाख रुपये मांगने का आरोप

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक भारतीय कर्मचारी ने अपने मालिक के खिलाफ अदालत में केस दर्ज किया है। ऋषिकेश राज मीसाला नाम के इस कर्मचारी ने आरोप लगाया है कि उसके मालिक ने नौकरी और वीजा बचाने के बदले उससे करीब 94 लाख रुपये (एक लाख डॉलर) की मांग की। ऋषिकेश का कहना है कि उनके भारतीय-अमेरिकी मालिक साई जितेंद्र कलागरा ने उन पर पैसे देने के लिए भारी दबाव बनाया।

शिकायत के मुताबिक, जब ऋषिकेश ने इन पैसों को लेकर सवाल उठाए, तो उन्हें डराया गया। मालिक ने धमकी दी कि वह उनकी शिकायत अमेरिकी इमिग्रेशन विभागसे कर देगा। इतना ही नहीं, ऋषिकेश ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पिता को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। हालांकि, अभी तक अदालत में ये आरोप साबित नहीं हुए हैं। ऋषिकेश साल 2023 में अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद छात्र वीजा पर अमेरिका आए थे। बाद में उन्हें एक ऐसी कंपनी में नौकरी मिली जो एच-1बी वीजा देती है। यह वीजा अमेरिकी कंपनियों को विदेशी पेशेवरों को काम पर रखने की अनुमति देता है। ऋषिकेश को उम्मीद थी कि इस नौकरी से उन्हें अमेरिका में पक्की नागरिकता मिल जाएगी। लेकिन कंपनी में शामिल होने के बाद उन्हें बेंच पर रख दिया गया। इसका मतलब है कि कर्मचारी के पास कोई सक्रिय प्रोजेक्ट नहीं है। केस के अनुसार, काम न होने के बावजूद ऋषिकेश से मोटी रकम मांगी गई ताकि कागजों पर उनकी नौकरी चलती रहे और उनका एच-1बी वीजा सुरक्षित रहे। आरोप है कि कंपनी ने ऋषिकेश के वेतन से जुड़े दस्तावेज भी रोक लिए। ये दस्तावेज नौकरी बदलने या वीजा रिन्यू कराने के लिए बहुत जरूरी होते हैं। ऋषिकेश ने बताया कि वीजा खोने के डर से उन्होंने लगभग 8,800 डॉलर नकद भी दिए थे। अब ऋषिकेश की कानूनी टीम ने कंपनी पर मानव तस्करी और जबरन मजदूरी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कंपनी को ऋषिकेश के रुके हुए वेतन और जबरन लिए गए पैसों के बदले करीब 97,248 डॉलर चुकाने चाहिए। यह मामला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर काफी चर्चा हो रही है। भारत के लोग इस वीजा का सबसे ज्यादा फायदा उठाते हैं। साल 2024 के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में मंजूर होने वाले कुल एच-1बी वीजा में से 71 प्रतिशत भारतीय नागरिकों को मिले हैं। यह प्रोग्राम तकनीक और इंजीनियरिंग क्षेत्र की कंपनियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

पोलैंड में पुतिन के आलोचक रूसी कलाकार की हत्या, बेलारूस के दो नागरिक गिरफ्तार

बियाला पोडलस्का , एजेंसी। पोलैंड के पूर्वी शहर बियाला पोडलस्का में मंगलवार को 44 वर्षीय रूसी कलाकार रॉबर्ट कुजोवकोव की उनके घर के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह कलाकार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का मुखर आलोचक था। अभियोजकों ने बताया कि हत्या के बाद सोमवार को बेलारूसी वाणिज्य दूतावास के पास से 37 और 33 वर्षीय दो बेलारूसी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पोलिश मीडिया ने मृतक की पहचान रॉबर्ट कुजोवकोव के रूप में की है, जबकि अभियोजकों ने पोलिश गोपनीयता कानूनों के अनुसार उन्हें केवल रॉबर्ट के. नाम से संबोधित किया है। उन्होंने बताया कि वह सेम्योन क्रेपेट्स्की के छद्म नाम से कलाकृतियां बनाते थे। अभियोजकों के एक बयान के अनुसार, अपनी कला के माध्यम से वे रूसी अधिकारियों की वर्तमान नीतियों की आलोचना करते थे। उनकी कलाकृतियों में पुतिन, चेचन नेता रामजान कादिरोव और अन्य वरिष्ठ रूसी अधिकारियों के आलोचनात्मक चित्र शामिल थे। एक चित्र में पुतिन को सोवियत तानाशाह जोसेफ स्टालिन की गोद में दिखाया गया था। रविवार को उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें वे बर्लिन में 12 जून को, रूस की संप्रभुता के राष्ट्रीय अवकाश पर, एक कूड़ेदान में रूसी झंडा डालते हुए दिखाई दे रहे थे। अभियोजकों ने बताया कि कलाकार के घर के पास सुबह लगभग 9:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर दो गोलियां चलाई, और भागने से पहले नजदीक से तीन और गोलियां दाग दीं। पीड़ित की मौके पर ही सिर, छाती और पीठ पर गोलियों के घावों से मौत हो गई। पोलिश अभियोजकों ने इस हत्या का के पीछे सीधे तौर पर मॉस्को के शामिल होने का संकेत नहीं दिया है। पोलैंड की

आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। डेलावेयर के अस्पताल में गोलीबारी, दो घायल, मचा हड़कंप अमेरिका के डेलावेयर के विलमिंगटन अस्पताल में मंगलवार को गोलीबारी की घटना के बाद पूरे अस्पताल को बंद कर दिया गया। इस घटना में दो लोग घायल हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह गोलीबारी दोपहर करीब 3:30 बजे विलमिंगटन अस्पताल के भीतर हुई। विलमिंगटन पुलिस विभाग के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डेविड कैरास ने इस बात की पुष्टि की है। हालांकि, घायलों की स्थिति और हमलावर के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई है। अस्पताल का संचालन करने वाली संस्था क्रिस्टियानाकेयर ने एक ईमेल बयान में कहा कि वे अपने आपातकालीन विभाग में आने वाले मरीजों को अन्यत्र भेज रहे हैं। साथ ही, 'अपने मरीजों, देखभाल करने वालों और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी उचित कदम उठाए जा रहे हैं।' अस्पताल प्रशासन ने बताया कि यह एक संभावित शूटर को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

चीन और जापान में भूकंप के जोरदार झटके, कई लोगों के मौत की आशंका : टोक्यो, एजेंसी। चीन और जापान में तेज भूकंप के झटकों से धरती हिल उठी है। मंगलवार, 16 जून 2026 को एक के बाद एक आए दो शक्तिशाली भूकंपों से जापान और चीन दहल गए हैं। भूकंप की तीव्रता 6.3 थी। तेज भूकंप से भारी नुकसान की आशंकी जताई जा रही है। वहीं इस भूकंप से कई लोगों की मौत की भी आशंका है। अभी तक एक की मौत और चार अन्य के घायल होने की पुष्टि हुई है। बता दें कि चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांत किंगहाई के हासी में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया है। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र की मानें तो भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, इस भूकंप में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई और चार अन्य घायल हो गए हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.